आपकी बात, निर्भीकता के साथ

प्रातःनागपुरी

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 02, अंक : 41 | रांची, सोमवार, 20 जनवरी 2025 (माघ कृष्ण 06, संवत 2081), पृष्ठ : 12, मूल्य : 3 रुपये | email: jharkhandwanitaudyog@gmail.com

धनबाद में बनेगा 6-लेन एलिवेटेड फ्लाईओवर

प्रातः नागपुरी संवाददाता

केंद्र सरकार की झारखंड को बड़ी सौगात

- परियोजना की कुल लागत होगी 1130.54 करोड़ रुपये
- 6-लेन एलिवेटेड फ्लाई निर्माण से बदलेगी धनबाद की तस्वीर
- एलाइनमेंट बाईपास और कॉरिडोर से सुचारू होगा यातायात
- झारखंड व बंगाल से जोड़ने वाली सड़क में यातायात सुगम

रांची। केंद्र सरकार ने झारखंड को बड़ी सौगात दी है। धनबाद में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग 19 के बरवाअड्डा-पानागढ़ के पास निरसा और गोविंदपुर क्षेत्र में स्थित मौजूदा फुटपाथ के पुनर्निर्माण को स्वीकृति दे दी गयी है। इसके अलावा दो 6-लेन एलिवेटेड फ्लाईओवर के निर्माण की भी मंजूरी दे दी गयी है। जिसकी लागत 1130.54 रुपये होगी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर इसकी जानकारी दी है।

पश्चिम बंगाल जाना होगा और आसान : दरअसल केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने जिस सिक्स-लेन एलिवेटेड फ्लाईओवर को मंजूरी दी है, वह झारखंड और पश्चिम बंगाल को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-19, पुरानी जीटी रोड एनएच-02) का एक हिस्सा है। जो वर्तमान में संरेखण निरसा और गोविंदपुर के क्षेत्रों से गुजर रहा है। जिसमें मौजूदा प्रमुख क्रॉस रोड्स के साथ ग्रेड जंक्शन हैं। जिसकी वजह से निरसा में भारी भीड़ होती है।

भीड़भाड़ को कम करने में होगा सहायक : यह प्रस्तावित ग्रेड अलग संरेखण बाईपास के रूप में कार्य करेगा। इससे इस कॉरिडोर में सुचारू और सुगम यातायात का संचालन हो सकेगा। जो भीड़भाड़ को कम करने में सहायक सिद्ध होगा। इसके अलावा नितिन गडकरी ने बिहार को भी बड़ी सौगात दी है।

केंद्रीय मंत्री ने बिहार को भी दी सौगात : नितिन गडकरी ने बिहार पटना जिले में आमस-दरभंगा राजमार्ग के हिस्से के रूप में, राष्ट्रीय राजमार्ग-119 डी पर रामनगर से कच्ची दरगाह तक सिक्स लेन एक्सेस कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड कॉरिडोर के निर्माण के लिए भी स्वीकृति दी है। जिसकी लागत 1082.85 करोड़ रुपए की होगी। इसके अलावा किशनगंज जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 और राष्ट्रीय राजमार्ग- 32 ई को जोड़ने वाले एक स्पर के रूप में किशनगंज-बहादुर खंड के फोरलेन निर्माण के लिए स्वीकृति दे दी है। जिसकी लागत 1117.01 करोड़ और लंबाई 24.849 किमी होगी।

बाबूलाल मरांडी ने पीएम मोदी और गडकरी के प्रति जताया आभार : उधर, झारखंड भाजपा के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का आभार जताया है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि कहा कि झारखंड और बंगाल को जोड़ने वाली इस महत्त्वपूर्ण सड़क पर फ्लाईओवर की स्वीकृति से क्षेत्र के लोगों की परेशानियां दूर होगी।

डोनाल्ड ट्रंप की ताजपोशी आज, यूएस के 47वें राष्ट्रपति के रूप में लेंगे शपथ

- भारतीय समयानुसार सोमवार रात 10.30 बजे होगा शपथ ग्रहण समारोह

नई दिल्ली। अमेरिका में इतिहास बनने में अब बहुत ज्यादा वक्त नहीं है, डोनाल्ड ट्रंप की ताजपोशी पर सारी दुनिया की निगाहें हैं। इस बार ऐसा बहुत कुछ हो रहा है, जो दशकों में नहीं हुआ। जैसे इस बार अमेरिकी राष्ट्रपति का शपथ ग्रहण इनडोर हो रहा है, यानी संसद के अंदर। इसकी वजह किसी दुश्मन के हमले का डर नहीं, बल्कि यहां पड़ रही जबरदस्त ठंड और बर्फबारी है। इसके बावजूद उनके समर्थक वॉशिंगटन डीसी पहुंच गए हैं। ट्रंप के समर्थक आतिशबाजी कर रहे हैं। इस कड़ाके की ठंड में भी उनके लिए माहौल बना रहे हैं।

बता दें कि अमेरिका के मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ट्रंप को शपथ दिलाएंगे। भारतीय समयानुसार सोमवार रात 10.30 बजे शपथ ग्रहण समारोह होगा।

शेष पेज 08 पर

मुकेश और नीता अंबानी ने ट्रंप से की मुलाकात

मुंबई। सोमवार, को अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह से पहले दुनिया के कई दिग्गज राजनेता शामिल होने के लिए वॉशिंगटन पहुंच रहे हैं। इस ग्रैंड इवेंट से पहले अमेरिका में एक डिनर का आयोजन किया गया। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी और रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन नीता अंबानी भी शामिल हुए। बता दें कि अंबानी परिवार के ट्रंप परिवार के साथ घनिष्ठ संबंध हैं।

संक्षिप्त खबरें

हादसे में मनु भाकर के मामा व नानी की मौत

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय शूटर व खेल रत्न अवार्डी मनु भाकर के मामा युद्धवीर सिंह और नानी सावित्री देवी का रविवार सुबह दादरी में सड़क हादसे में निधन हो गया। रविवार सुबह करीब 9.30 बजे नेशनल हाईवे 334बी पर दादरी के लोहारू चौक और महेंद्रगढ़ बाईपास के बीच ब्रेजा कार और स्कूटी की टक्कर हो गई। कार की टक्कर से स्कूटी सवार करीब 55 वर्षीय युद्धवीर सिंह और उनकी मां करीब 75 वर्षीय सावित्री देवी की मौत हो गई। पढ़ें पेज 10 भी

बिहार: गंगा नदी में पलटी नाव, तीन की मौत

कटिहार। बिहार के कटिहार जिले में रविवार सुबह गंगा नदी में एक बड़ा हादसा हो गया। गोलाघाट से झारखंड के सकरी गली की ओर जा रही एक नाव बीच नदी में पलट गई। नाव पर करीब 18 लोग सवार थे। इस दुर्घटना में अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें एक बच्चा भी शामिल है। विस्तृत पेज 08 पर

तीन मंजिली बिल्डिंग में लगी आग, चार जिंदा जले

गाजियाबाद। गाजियाबाद में लोनी के कंचन पार्क में रविवार की सुबह 6 बजे एक तीन मंजिला मकान में भीषण आग लग गई। आग लगते ही इलाके में हो-हल्ला मच गया। तीन मांजिली बिल्डिंग को देखते ही देखते आग ने अपनी चपेट में ले लिया और अंदर सो रहे दो बच्चे समेत चार लोग झुलस गए और उनकी मौत हो गई। शेष पेज 08 पर

महाकुंभ मेले में लगी भीषण आग गीता प्रेस के 180 कॉटेज राख

एजेंसी

खाना बनाते वक्त सिलेंडर ब्लास्ट की आशंका, करोड़ों रुपए की क्षति

प्रयागराज। प्रयागराज में महाकुंभ के मेला क्षेत्र में रविवार शाम करीब साढ़े चार बजे आग लग गई। शास्त्री ब्रिज के पास सेक्टर 19 में गीता प्रेस के कैंप में ये आग लगी। गीता प्रेस के 180 कॉटेज आग में जल गए। अफसरों के मुताबिक, गीता प्रेस की रसोई में शाम 4 बजकर 10 मिनट पर छोटे सिलेंडर से चाय बनाते समय सिलेंडर लीक हो गया और आग लग गई। इसके बाद 3 सिलेंडर ब्लास्ट हो गए।

आग से बचायी गई 500 लोगों की जान : आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड की 12 गाड़ियां भेजी गई थीं, जिन्होंने आग पर एक घंटे में (शाम 5 बजे) काबू पाया। एक संन्यासी के एक लाख रुपए के नोट भी जल गए। मेला सीएफओ (चीफ फायर ऑफिसर) प्रमोद शर्मा ने बताया कि आग से करीब 500 लोगों को बचाया गया है।

पल-पल घटना की अपडेट लेते रहे प्रधानमंत्री मोदी

महाकुंभ मेले में आग लगने के बाद पीएम मोदी और सीएम योगी राहत कार्यों की पल-पल की अपडेट लेते रहे। सीएम योगी की क्विक रिस्पॉन्स पॉलिसी काम आई। इसके चलते फायर ब्रिगेड चंद मिनटों में मौके पर पहुंच गई। मुख्यमंत्री ने फ्लीट रोककर फायर ब्रिगेड को रास्ता दिया। योगी ने प्रधानमंत्री को पूरी घटना की जानकारी देते हुए बताया कि कोई जनहानि नहीं हुई। आग पर तत्काल काबू पा लिया गया। सीएम योगी ने निर्देश दिया है कि सभी इमरजेंसी सेवाएं 24×7 अलर्ट मोड में रहें।

अत्याधुनिक 4 आर्टिकुलेटिंग वाटर टावर तैनात : महाकुंभ नगरी में फायर ऑपरेशंस के लिए एडवांस्ड फीचर वाले 4 आर्टिकुलेटिंग वाटर टावर तैनात की गई हैं। इनमें वीडियो-थर्मल इमेजिनिंग जैसा एडवांस सिस्टम है। इसका इस्तेमाल बहुमंजिली और ऊंचाई वाले टेंट की आग बुझाने के लिए किया जाता है। LWT 35 मीटर की ऊंचाई तक आग बुझा सकती है। शेष पेज 08 पर

ऐसी घटना दोबारा न हो : अखिलेश यादव

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा- महाकुंभ मेले में लगी आग का तुरंत गंभीरता से संज्ञान लिया जाए और आगे ऐसी दुर्घटना न हो, इसको सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री योगी पहुंचे हालात का लिया जायजा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटनास्थल पर पहुंच कर हालात का जायजा लिया। पीएम नरेंद्र मोदी ने भी सीएम योगी को फोन कर घटना की पूरी जानकारी ली। आग लगने की घटना से कुछ देर पहले ही उन्होंने हेलीकॉप्टर से महाकुंभ मेला क्षेत्र का जायजा लिया था।

आ रही थी पटाखे फोड़ने जैसी आवाज : श्रद्धालु

बरेली की रहने वाली महिला ने बताया- आधे घंटे पहले पटाखे की आवाज आई। आग कैसे लगी है। हमको नहीं पता। आग लगने की वजह से सबको वहां से हटा दिया गया। लगातार पटाखे फोड़ने जैसी आवाज आ रही थी।

हजारीबाग में सड़क हादसे में तीन की मौत, 10 घायल

- 'नेहा' नाम की मिनी बस हजारीबाग से जा रही थी बोकारो के फुसरो

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग में रविवार (19 जनवरी) को भीषण सड़क हादसा हो गया। जिले के विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र में रविवार शाम एक यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं इस एक्सीडेंट में 10 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। वहीं इस हादसे में जान गंवाने वालों के परिवार में शोक का माहौल है। इस हादसे में मरने वालों में से एक की पहचान विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के नरकी निवासी मंगर कमार के रूप में हुई है, जबकि अन्य दो लोगों की शिनाख्त फिलहाल नहीं हो पाई है। जानकारी के मुताबिक 'नेहा' नाम की मिनी बस (जेएच02वी 0543) हजारीबाग से फुसरो (बोकारो) जा रही थी। विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र में नरकी नामक जगह पर बस का अगला टायर अचानक ब्लास्ट कर गया और तेज गति में जा रही बस अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर पलट गई।

मौके पर ही तोड़ा दम : हादसे के बाद घटनास्थल पर यात्रियों की चीख-पुकार मच गई। कई लोग बस के नीचे दब गए। सूचना पाकर स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे और बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। शेष पेज 08 पर

जमशेदपुर में ट्रांसपोर्टर संतोष सिंह की गोली मारकर हत्या

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

जमशेदपुर। मानगो में रविवार की शाम कांग्रेस के नेता रहे जितेंद्र सिंह के भाई संतोष सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। संतोष सिंह का बालीगुमा में ट्रांसपोर्ट का कारोबार है। देर शाम मानगो बाजार से तकादा कर वे अपने घर मानगो गुरुद्वारा बस्ती लौट रहे थे, उसी वक्त गली में घात लगाए खड़े युवकों ने उनके सिर में दो गोलियां दाग दीं। इससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पुलिस ने कर ली है हत्यारों की पहचान : वारदात की जानकारी मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। शव को एमजीएम मेडिकल कॉलेज पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि हत्यारों की पहचान कर ली गयी है। संतोष सिंह की हत्या डब्बू दीक्षित के करीबियों ने की है। कुछ माह पहले डब्बू दीक्षित की भी हत्या कर दी गयी थी।

राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज, बढ़ सकती हैं मुश्किलें

नई दिल्ली। राहुल गांधी के कांग्रेस मुख्यालय के उद्घाटन पर दिए बयान को लेकर बवाल बढ़ता जा रहा है। असम के गुवाहाटी में राहुल गांधी के खिलाफ स्टेट पर दिए बयान को लेकर एफआईआर दर्ज की गई है। कुछ दिनों पहले ही राहुल ने कांग्रेस कार्यालय में कहा था कि, भाजपा और आरएसएस का संस्थानों पर कब्जा है और वह भारतीय राज्य के खिलाफ लड़ रहे हैं। शेष पेज 08 पर

साइबर क्राइम: बोकारो जनरल अस्पताल के चिकित्सक से 20 लाख रुपये की ठगी

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

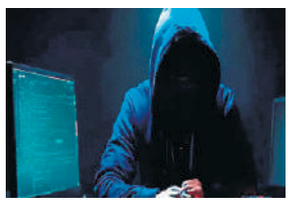

बोकारो। बोकारो जनरल अस्पताल के डॉक्टर को साइबर जालसाजों ने झूठे आरोप और धमकी का सहारा लेकर डॉक्टर से 20 लाख 86 हजार 947 रुपये ठग लिए। साइबर अपराधियों ने उन्हें फर्जी मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाने की धमकी देकर यह रकम ऐंठ ली है। डॉक्टर की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इसके पहले भी साइबर अपराधियों ने बीजीएच के डॉक्टरों को निशाना बनाया है। डॉक्टर की ओर से दी गई जानकारी पर साइबर थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डॉक्टर ने पुलिस को विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि घटना 15 जनवरी की है, जब वह अस्पताल के इकोकार्डियोग्राफी रूम में मरीज की जांच कर रहे थे।

मोबाइल नंबर से गलत वीडियो वायरल होने की शिकायत : डॉक्टर को एक फोन कॉल आया, जिसमें कॉलर ने खुद को टेलीफोन विभाग का कर्मचारी बताया। कॉलर ने कहा कि डॉक्टर के नाम से जारी एक मोबाइल नंबर से अवैध फोटो और वीडियो वायरल हुए हैं, और उनका नंबर दो घंटे में बंद हो सकता है। इसके समाधान के लिए कॉलर ने उन्हें कीपैड पर '9' दबाने को कहा। डॉक्टर ने निर्देशों का पालन किया, जिसके बाद किसी ने खुद को पुलिस अधिकारी बताकर कहा कि उनके नाम से मुंबई के नासिक एक केस रजिस्टर किया गया है।

एकांत कमरे में बात कर ठगों ने डॉक्टर को दिया सुझाव : अपराधी ने डॉक्टर से व्हाट्सएप वीडियो कॉल पर एकांत कमरे में बात करने को कहा। शेष पेज 08 पर

इजरायल-हमास में खत्म हुआ युद्ध, गाजा में सीजफायर लागू

यरुशलम। इजरायल और हमास के बीच जंग के 15 महीने बाद सीजफायर लागू हो गया है। इसमें तय समय से करीब 3 घंटे की देरी हुई है। गाजा पट्टी में इजरायल और हमास के बीच युद्धविराम समझौता लगभग तीन घंटे की देरी के बाद रविवार से शुरू हुआ, जिससे 15 महीने पुराना युद्ध रुक गया। शेष पेज 08 पर

खनौरी बॉर्डर पर 121 किसानों ने खत्म किया आमरण अनशन

एजेंसियां

- 14 फरवरी को केंद्र सरकार के साथ होगी बैठक

संगरूर। केंद्र सरकार के साथ 14 फरवरी को बैठक के मिले प्रस्ताव के बाद जहां किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने मेडिकल ट्रीटमेंट लेने के लिए सहमति दी, वहीं रविवार को पंजाब के 111 किसानों ने पांचवें व हरियाणा के 10 किसानों ने तीसरे दिन पर अपना मरणव्रत समाप्त कर दिया। किसान नेता काका सिंह कोटड़ा, सुखजीत सिंह हरदोझंडे, बलदेव सिंह सिरसा ने जूस पिलाकर इन किसानों का मरणव्रत समाप्त करवाया। शेष पेज 08 पर

'मन की बात' की 118वीं कड़ी में पीएम मोदी ने की महाकुंभ पर चर्चा

एकता, समता-समरसता का बताया संगम

एजेंसियां

पूरे भारत को एक सूत्र में बांधती हैं हमारी परंपराएं

मोदी ने 'कुंभ', 'पुष्करम' और 'गंगा सागर मेले' का उल्लेख करते हुए कहा कि ये पर्व सामाजिक मेल-जोल, सद्भाव और एकता को बढ़ाने वाले पर्व हैं। उन्होंने कहाकि ये पर्व भारत के लोगों को भारत की परंपराओं से जोड़ते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कुंभ में दक्षिण, पश्चिम और हर कोने से लोग आते हैं। कुंभ में गरीब और अमीर सब एक हो जाते हैं और सब लोग संगम में डुबकी लगाते हैं। एक साथ भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते हैं। तभी तो कुंभ एकता का महाकुंभ है। कुंभ का आयोजन हमें यह भी बताता है कैसे हमारी परंपराएं पूरे भारत को एक सूत्र में बांधती हैं।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'महाकुंभ' को एकता और समता-समरसता का असाधारण संगम करार दिया। उन्होंने कहाकि हजारों साल से चली आ रही इस परंपरा में कहीं भी कोई भेदभाव और जातिवाद नहीं है।

महाकुंभ में युवाओं की बढ़ती भागीदारी का किया उल्लेख : आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 118वीं कड़ी और साल 2025 की पहली कड़ी में अपने विचार साझा करते हुए उन्होंने महाकुंभ में युवाओं की बढ़ती भागीदारी का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब युवा पीढ़ी अपनी सभ्यता के साथ गर्व से जुड़ जाती है, तो उसकी सभ्यतागत जड़ें और मजबूत होती हैं। तब उसका भविष्य भी सुनिश्चित हो जाता है।

इस बार का 'गणतंत्र दिवस' बहुत विशेष: हाल के दिनों में उन्होंने अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों का उल्लेख किया और कहा कि आज हमारा देश अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि इस बार का 'गणतंत्र दिवस' बहुत विशेष है क्योंकि ये भारतीय गणतंत्र की 75वीं वर्षगांठ है। उन्होंने कहाकि इस वर्ष संविधान लागू होने के 75 साल हो रहे हैं। मैं संविधान सभा के उन सभी महान व्यक्तित्वों को नमन करता हूं, जिन्होंने हमें हमारा पवित्र संविधान दिया। शेष पेज 08 पर

भारतीय महिला टीम ने पहला खो-खो विश्व कप खिताब जीता

एजेंसियां

फाइनल में नेपाल को हराया

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम ने नेपाल को फाइनल मुकाबले में हराकर पहला खो-खो विश्व कप खिताब अपने नाम कर लिया। रविवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में प्रियंका इंगले की अगुआई वाली टीम ने नेपाल को 78-40 से मुकाबला जीत लिया। इस मैच में मेजबान टीम ने विपक्षियों पर पूरे समय दबाव बनाए रखा। शेष पेज 08 पर

संक्षिप्त

जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण

सोनाहातू। राज्य रक्षा मंत्री सह सांसद संजय सेठ के निर्देश पर भाजपा नेता दिलेश्वर कोईरी के नेतृत्व में सोनाहातू प्रखंड के जामुदाग कांशीडीह, गलऊ, इड़कु आदि गांव के 41 जरूरतमंद वृद्ध लोगो के बीच कंबल का वितरण किया गया। मौके पर कई लोग मौजूद थे। इधर प्रदीप वर्मा फाउंडेशन के द्वारा सोनाहातू मंडल ओर कुकडु मंडल के कई गांवों में जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण का कार्य किया गया। मौके पर कुकडु मंडल अध्यक्ष भरत चन्द्र महतो, जिला सह सोशल मीडिया प्रभारी सुमन मुखर्जी, पुर्व मुखिया मनोरंजन सिंह, उपमुखिया महेन्द्र नाथ महतो, बुथ अध्यक्ष राकेश कुमार महतो एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद थे।

रग्बी चैंपियनशिप के दोनों वर्गों में खूंटी बना चैंपियन

खूंटी। स्थानीय लोयोला हाई स्कूल मैदान में रविवार को आयोजित झारखंड स्टेट सब जूनियर रग्बी चैंपियनशिप के दोनों वर्गों में खूंटी की टीम लगातार तीसरी बार विजेता बनी। बालक वर्ग के फाइनल मैच में खूंटी की टीम ने पश्चिम सिंहभूम को कड़े संघर्ष के बाद 5- 0 से तथा बालिका वर्ग में गोड्डा की टीम को 30-0 से हराकर खूंटी की टीम ने विजेता का खिताब अपने नाम किया। बालिका वर्ग में तीसरा स्थान बोकारो तथा बालक वर्ग में तीसरा स्थान गुमला को मिला। मैच का उद्घाटन मुख्य अतिथि सह झारखंड रग्बी फुटबाल एसोसिएशन के अध्यक्ष विष्णु कुमार जालान, विशिष्ठ अतिथि फादर अमृत लकड़ा, फादर बिमल मिंज, झारखंड रग्बी फुटबाल एसोसिएशन के महासचिव हेजाज असदक और मनोज सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर विभिन्न जिला संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

मांडर। जिला विधिक जागरूकता प्राधिकार की ओर से मांडर स्थित साप्ताहिक बाजार में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणों को पॉस्को एक्ट, बाल विवाह रोकने, बाल मजदूरी, डायन प्रथा, सहित अन्य विषयों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम की अगुआई एलएडीएस प्रवीण श्रीवास्तव के द्वारा किया गया। मौके पर विजय खलखो, सुमन ठाकुर, दानिश अंसारी, समी अंसारी, तालिब अंसारी के अलावे अन्य मौजूद रहे।

489 लाभुकों के बीच तीन करोड़ 53 लाख की परिसंपत्तियों का हुआ वितरण

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। नालसा दिल्ली और झालसा रांची के निर्देश पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष रसिकेश कुमार की अध्यक्षता में रविवार को खूंटी जिले के सभी छह प्रखंड मुख्यालयों में प्रखंड स्तरीय विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य सुदूरवर्ती क्षेत्र कें लोगों को मुख्य धारा से जोड़ना है और उनके निकटवर्ती प्रखंड में सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और लाभ देना है।

शिविर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष रसिकेश कुमार, जिला जज प्रथम संजय कुमार, जिला द्वितीय राकेश कुमार मिश्रा, जिला जज तृतीय प्राची मिश्रा,,डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर, अनुमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी कुमारी विद्यावती के जरिये आम जनों के बीच कंबल, ट्राई साइकिल, धोती-साड़ी योजना, कृषि एवं वानिकी से संबंधित योजना, बकरी पालन, पशुधन गाय पालन, मातृत्व वंदना, सावित्रीबाई फुले योजना, किशोरी समृद्धि योजना, सर्वजन पेंशन योजना, जॉब कार्ड, मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना, केसीसीसी योजना, जेएसएलपीएस एवं अन्य का लाभ आमजन को दिया गया।

इन छह प्रखंडों में 489 लाभुकों ने शिविर में उपस्थित होकर योजनाओं का लाभ लिया। इनके बीच कुल तीन करोड़, तीरपन लाख, बहतर हजार, तीन सौ की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में डालसा के एलएडीसी डिप्टी चीफ नम्रता कुमारी, एलएडीसी असिस्टेंट अमरदीप कुमार, डालसा के मेडिएटर धनिक गुड़िया, डालसा के पैनल अधिवक्ता मदन मोहन राम, सुमित कुमार कश्यप, शशि कला देवी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड के प्रमुख, सीडीपीओ, बीपीओ, सीसीसी बीटीएम, जेएसएलपीएस के अधिकारी, डालसा द्वारा चयनित सभी प्रखंडों के पीएलबी, प्रखंड की महिला समूह लाभार्थी आदि उपस्थित थे। यह जानकारी डालसा की सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने दी

10 एकड़ में लगी सब्जी की फसल को हाथियों के झुंड ने किया नष्ट

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

सोनाहातू। थाना क्षेत्र में इन दिनों लगातार हाथियों द्वारा सब्जी के फसल को नष्ट किये जाने से किसान काफी मायूस है। हाथियों का एक झुंड सेरेंगहातू और हितजारा के सामने बांस वन में जमे है। एक झुंड बारेंदा पहाड़ी के जंगल में जमे है। एक झुंड हेसाडीह ऊपर जंगल में जमे है।

सोनाहातू चारों ओर से जंगली हाथियों से घिरा है। शाम होते ही गांव की सड़के सुनसान हो जा रही है। हाथियों के झुंड कब कहां निकले किसी को अंदाजा नहीं है। ग्रामीण भगवान भरोसे है। वन विभाग मौन है। विभाग को फसल नुकसान या हाथियों के गतिविधियों से कोई सरोकार नहीं है। शनिवार रात जामुदाग पंचायत के चोगा गांव ओर बारेंदा पंचायत के कई गांव के 10 एकड़ में लगे सब्जी फसल नष्ट हुए है। किसान बासुदेव भगत, सुरेश भगत, संशोधर कोइरी, रामप्रिया देवी, विपिन बिहारी कोइरी,कुंजलाल कोइरी आदि के फसल नुकसान हुए है। गांव में हाथियों द्वारा नुकसान की सूचना पर पंचायत समिति सदस्य रूप कुमार साहू ने गांव जाकर किसानों से नुकसान की जानकारी लिया और वन विभाग से मुआवजा देने की मांग किया।

विधायक अमित कुमार महतो ने किया जनता दरबार का आयोजन

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

सोनाहातू। सिल्ली विधायक अमित कुमार महतो ने रविवार को सोनाहातू प्रखंड के दुलमी और जिलिंगसेरेंग पंचायत में जनता दरबार लगाया। इस दौरान ग्रामीणों ने अबुआ आवास, वृद्धा पेंशन, मइया सम्मान योजना, विधवा पेंशन आदि से संबंधित आवेदन प्रपत्र जमा किए।

विधायक अमित ने कहा कि हमें जनता ने विश्वास कर बेहतर तरीके से कार्य करने के लिए चुना है। इसलिए हमें भी जनता के प्रति खरा उतरकर बेहतर तरीके से कार्य करना होगा। इसलिए अधिकारी व कर्मचारी नये तरीके से काम को करना प्रारंभ करें। पहले जो भी सिस्टम था, उसको बिल्कुल भुला जाएं। क्योंकि, हमारे क्षेत्र के लोगों को प्रखंड व अंचल के कार्यों में तनिक भी चक्कर लगाना न पड़े, नहीं तो बक्शे नहीं जाऐंगे। विधायक ने कहा कि दुलमी पंचायत में एक भी काम ग्राम प्रधान व मुंडा कृष्ण कुमार सिंह की अनुमति के बिना नहीं करेंगे। मौके पर बीडीओ खगेश कुमार,सीओ मनोज महथा, थाना प्रभारी चंदन कुमार, ग्राम प्रधान मुंडा कृष्ण कुमार सिंह,मुखिया लतिका देवी, अवनी सिंह मुंडा, भोलेशवर सिंह मुंडा, पूर्व मुखिया तपन सिंह मुंडा, पंचायत सचिव अनंत हजाम, सुरेश चंद्र महतो सीआइ बंकिमचंद्र गांगुली, झामुमो के कामेशवर महतो, रोजगार सेवक भगीरथ हजाम, प्रदीप महतो,रविंद्र कोइरी समेत कई कर्मचारी प्रखंड व अंचल के उपस्थित थे।

मारवाड़ी युवा मंच ने लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

रामगढ़। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के 40वें वर्षगांठ पर रामगढ़ में 8 दिनों का कार्यक्रम लगातार जारी है। छठे दिन रविवार को संगठन की ओर से एमएमटी ग्राउंड में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 45 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। इस दौरान मरीजों का निशुल्क मधुमेह, रक्तचाप एवं वजन की जांच की गई। चिकित्सकों ने मरीजों को स्वास्थ के प्रति सजग रहने की सलाह दी। इस दौरान मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष एवं सदस्यों ने लोगों से 21 जनवरी को होने वाले मेगा ब्लड डोनेशन कैंप में शामिल होने की अपील की। ब्लड डोनेशन कैंप मारवाड़ी धर्मशाला में आयोजित होगा।

पूर्णिया के धनंजय कुमार के अपहरण मामले का पुलिस ने किया खुलासा

अपहरणकर्ता अमित ने बहन को पास कराने के लिए धनंजय को दिए थे दो लाख रुपए : एसपी

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। रामगढ़ शहर के बाजारटांड़ में एक ठेकेदार धनंजय कुमार सिंह के अपहरण कांड पर एसपी अजय कुमार ने नया खुलासा किया है। रविवार को संवाददाता सम्मेलन में एसपी ने बताया कि अपहरणकर्ता अमित ने वर्ष 2017 में धनंजय कुमार को दो लाख रुपए दिए थे।

इतनी मोटी रकम उसने अपनी बहन की परीक्षा पास कराने के लिए धनंजय को दिया था। क्योंकि धनंजय ने उसे शिक्षा विभाग में अच्छी पैठ होने की बात कही थी। जब उसकी बहन परीक्षा पास नहीं कर पाई, तब अमित ने धनंजय से दो लाख रुपए मांगना शुरू किया। पिछले आठ वर्षों में जब धनंजय ने उसे वह रुपए नहीं दिए, तब अमित ने अपहरणकर्ता और फिरौती मांगने की योजना बनाई। रामगढ़ शहर के बाजारटांड़ में कुलदीप साहू के घर में वह किराए पर रुका। यहां सांडी निवासी रवीश मुंडा के साथ मिलकर अपहरण की योजना बनाई। रवीश मुंडा कोयला का कारोबारी था। इसीलिए धनंजय को इन लोगों ने कारोबार का ही झांसा दिया। 18 जनवरी को जब धनंजय रामगढ़ पहुंचा तो रवीश और अमित ने उसे इस किराए के मकान में बंधक बनाकर रखा। इस दौरान उसकी कनपटी पर बंदूक तानी। पहले तो उसके मोबाइल से एक लाख रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करने की कोशिश की गई। लेकिन नहीं होने पर 50 हजार रुपए फोन पे के माध्यम से ट्रांसफर किया गया। साथ ही नगद चार हजार ही उन लोगों ने छीन लिए। इस दौरान धनंजय को नशे का इंजेक्शन भी दिया गया, ताकि कुछ दस्तावेज पर हस्ताक्षर कराया जाए।

धनंजय कुमार को कमरे में बंद कर अमित और रवीश जब बाहर निकले तो किसी तरह धनंजय ने अपना हाथ रस्सी से बाहर निकाला। इसके बाद मुंह पर लगे टेप को हटाया और खिड़की से राह चलते लोगों से मदद मांगी। शोर सुनकर लोगों ने सूचना पुलिस को दी। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो वह अपराधी घर के बाहर ही मौजूद था। रवीश और अमित को पुलिस ने मामले में गिरफ्तार किया है। अपराधियों के पास से पुलिस ने नाइन एमएम पिस्टल, छह जिंदा गोली, नशीला इंजेक्शन बरामद किया है।

स्व काशीनाथ महतो मेला का आयोजन कल

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

सिल्ली। फुटबॉल खेल के जादूगर कहे जाने वाले एजी बिहार रांची के प्रसिद्ध फुटबॉल खिलाड़ी स्व काशीनाथ महतो की स्मृति में लगने वाले भेलवा टुंगरी टुसू मेला का आयोजन प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 21 जनवरी को किया गया है जिसमें फुटबॉल खेल, क्रिकेट खेल ,महिला पता नाच टुसू दर्शनी और मुर्गा लड़ाई का भी आयोजन किया गया है ।

स्वर्गीय काशीनाथ महतो अपने जमाने के जाने-माने फुटबॉल खिलाड़ी थे। लेंगहातु फुटबॉल क्लब के नाम से उन्होंने फुटबॉल टीम की स्थापना की थी जिसका वह कप्तान थे। एलएफसी की जर्सी में वे 10 नंबर की जर्सी पहनते थे। स्व काशीनाथ महतो को उनकी खेल की जादू देखने के लिए काफी बड़ा भीड़ जमा हो जाता था ।उनके साथ खेलने वालों में मधुसूदन महतो, रामनाथ महतो, भंदु उरांव, नीताई उरांव , दाम महतो, सूंची राम महतो, बनमाली महतो, भृगु राम उरांव, फूलचंद उरांव ,हरेंद्र उरांव ,राजेंद्र महतो, रविंद्र महतो, समरा महतो,हराधना महली ,रोहिना महतो ,बुधराम कर्मकार ,अनूप साहू ,जोगेंद्र महतो , रंजीत महतो, रंजीत मिंज राजेंद्र उरांव जैसे खिलाड़ी लेंगहातु फुटबॉल क्लब टीम से खेला करते थे । स्वर्गीय काशीनाथ महतो के निधन से फुटबॉल खेल को बड़ा झटका लगा, लोगों ने उसकी स्मृति में भेलवा टुंगरी लेंगहातु में मेला का आयोजन कर उनको श्रद्धांजलि देते हैं, तथा मेला कमेटी की ओर से उनके साथ फुटबॉल खेलने वाले लोगों को काशीनाथ महतो के परिवार के सदस्यों द्वारा सम्मानित किया जाता है । मेला में श्रद्धांजलि देने के लिए काशीनाथ महतो का पूरा परिवार उपस्थित रहता है। मेला के आयोजन में मधुसूदन महतो लक्ष्मण महतो विशाल महतो विकास महतो सुभाष महतो महतो मनोहर महतो फारूक मोमीन चांद हुसैन धनेश्वर बेदिया बंशीधर उरांव जीतू महतो जितेंद्र महतो हराधना महतो कैलाश महतो शिशुपाल महतो दिलीप मिंज आदि लोगों का बड़ा योगदान है। मेला की मॉनिटरिंग मुखिया लालु राम उरांव की देख रेख में की जा रही है। मेला कमेटी के अध्यक्ष विकास कुमार महतो और सचिव लक्ष्मण महतो के प्रयास से आज काशीनाथ महतो स्मृति भेलवा टुंगरी मेला भव्य आयोजन हो पा रहा है।

वनभोज सह वार्षिक बैठक का आयोजन

ओरमांझी। नव विकास जागृति संस्था की ओर से संस्था सचिव लीलावती महतो के नेतृत्व में रविवार को वनभोज सह वार्षिक बैठक का आयोजन गेतलसूद के रोज आइलैंड में किया गया। इसमें संस्था को आगे कैसे बढ़ाया जाए लोगों को कैसे सेवा किया जाए असहायों तक कैसे मदद पहुंचाया जाए। संस्था को कैसे मजबूत किया जाए इन सभी बातों पर विचार किया गया। साथ ही इस वर्ष 2025 में आगामी कार्यक्रम रक्तदान शिविर का आयोजन, मुफ्त जांच शिवर एवं बच्चों का खेलकूद प्रतियोगिता पर भी विचार किया गया।

पांच घरों में चोरी समेत 13 घरों का तोड़ा ताला

सिल्ली। सिल्ली थाना क्षेत्र के दोवाडु गांव में बीते शनिवार की रात अज्ञात चोरों ने गांव में करीब 5 घरों में चोरी एवं 8 घरों का ताला तोड़ा। चोरों ने घर के समान को तितर बितर करके दूर फेंक दिया। घर वालों ने इस घटना में करीब 2 से तीन लाख के चोरी होने का दावा किया है। मिली जानकारी के मुताबिक गांव के कामेश्वर उपाध्याय, लक्ष्मण उपाध्याय, अजित उपाध्याय, बाणेश्वर मंडल, धनु रजक एवं गोपाल कुम्हार के घर रात के करीब 12 बजे चोरों ने धावा बोला। भुक्तभोगियों ने बताया कि घरों के जिन कमरों में लोग सोए थे चोरों ने उनको बाहर से सिटकनी के सहारे बंद कर दिया ताकि वे बाहर न आ सकें इसके बाद बाकी के कमरों में आराम से घटना की अंजाम दिया। पुलिस ने बताया कि दो घरों से ही ज्यादा समानों की चोरी गई है बाकी में कम चोरी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही सिल्ली पुलिस ने घटना स्थल का मुआयना किया। टेक्निकल टीम भी रांची से घटना की जांच में जुट गई है। सिल्ली थाना प्रभारी दिनेश ठाकुर ने बताया कि टेक्निकल टीम कॉल डंप एवं अन्य तरीकों से घटना के उद्भेदन का प्रयास कर रही है। पुलिस ने दावा किया है कि जल्दी ही चोरों का पता चल जाएगा।

एक दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

सोनाहातू। प्रखंड के टांग टांग बाजार मैदान में एक दिवसीय फुटबॉल टूनार्मेंट का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि सिल्ली विधायक अमित कुमार महतो एवं विशिष्ट अतिथि ग्रामप्रधान मुंडा कृष्णा कुमार सिंह ने फुटबॉल में कीक मारकर व खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का शुभारंभ किया।टूनार्मेंट में फाईनल मुकाबला सुजीत स्पोर्टिंग एवं रंजीत एफसी के बीच खेला गया।जिसमें सुजीत स्पोर्टिंग विजेता व रंजीत एफसी उपविजेता बना। वहीं बादल स्पोर्टिंग एवं काशम्बूरु एफसी तृतीय व चतुर्थ पर रहे।विशिष्ट अतिथि ग्रामप्रधान मुंडा कृष्ण कुमार सिंह ने विजेता टीम को नगद 20 हजार रुपए पुरस्कृत किया। अतिथि अनूप सिंह मुंडा के द्वारा उपविजेता टीम को नगद 15 हजार रुपए दिए गए। वहीं तृतीय व चतुर्थ स्थान रखने वाले दोनों टीमों को नगद 5 - 5 हजार रुपए कमिटी की ओर से दिये गये। मंच संचालन सुचाँद महतो ने किया।मौके पर ग्रामप्रधान मुंडा कृष्ण कुमार सिंह,मुखिया प्रतिनिधि प्रधान सिंह मानकी, कार्तिक सिंह मानकी, वरुण सिंह मानकी, बसंत सिंह मानकी,पूर्व मुखिया तपन सिंह मुंडा, कामेश्वर महतो,दीनबंधु महतो,शक्तिपद सिंह मुंडा, महानन्द पुरान,अनूप सिंह मुंडा आदि उपस्थित थे, इस फुटबॉल टूनार्मेंट को सफल बनाने में फुलेश्वर पुरान,प्रेमचांद पुरान, करम चांद पुरान, अशिवनी पुरान,गुरूपदो पुरान सहित समस्त ग्रामवासियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

दुग्ध उत्पादक किसानों की बैठक आयोजित

मांडर। मांडर प्रखंड अंतर्गत सोसई में मेधाओर से दुग्ध उत्पादक किसानों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अगुआई विस्वेस्वर साही के द्वारा किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से यह बात कही गई कि वेरिएसन के नाम पर उन लोगों के पैसे की कटौती की जा रही है जो सरासर गलत है। उनलोगों के द्वारा यह भी कहा गया कि इस संबंध के कंपनी के अधिकारियों के साथ मिलकर सारी जानकारी दी जाएगी और उनसे पैसे की कटौती नहीं करने के लिए कहा जाएगा। इस दौरान कंपनी के फैसले से किसानों के बीच आक्रोश देखा गया। मौके पर विनोद सिंह, सुजीत साही, जावेद अंसारी, भानु महतो, इन्द्रदेव महतो के अलावे सैकड़ों की संख्या में दुग्ध उत्पादक किसान मौजूद रहे।

जेएलकेएम की रामगढ़ नगर परिषद कमेटी का हुआ विस्तार

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। रविवार को झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा रामगढ़ इकाई के रामगढ़ नगर परिषद कमेटी गठन करने को लेकर रामगढ़ जिला कार्यालय में पार्टी के जिला अध्यक्ष देवानंद कुमार की अध्यक्षता तथा जिला महासचिव डॉ.राजेश महतो के संचालन में बैठक हुई ।

बैठक में कहा गया की नगर परिषद रामगढ़ में जेएलकेआम की सशक्त एवं मजबूत संगठन बन रही है । मौके पर सभी लोगों ने टाइगर जयराम महतो के विचारधारा से प्रभावित होकर तन मन धन के साथ काम करने की बात कही है एवं उनके विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने व सभी संप्रदाय के लोगों को संगठन से जोड़ने पर बल दिया गया। कहा गया की झारखंड लोग लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा में गरीब ,शोषित, पीड़ित ,दबे कुचले तथा भ्रष्ट सिस्टम के सताये लोग शामिल हैं। लोगों ने कहा नगर निकाय चुनाव में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी की अच्छी परफॉर्मेंस करेगी। जेएलकेआम रामगढ़ नगर परिषद कमेटी का विस्तार करते हुए अध्यक्ष पद हेतु पवन कुमार महतो, कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार महतो, संरक्षक शिवदयाल प्रसाद ,महासचिव सनी कुमार ,उपाध्यक्ष पवन कुमार (साहू),संतोष कुमार महतो, कालेश्वर महतो, रवि यादव, टूकेंद्र महतो, पवन वर्मा, संतोष बेदिया, हरेंद्र कुमार महतो, विशाल प्रजापति, रोहन बेड़िया, विजय कुमार पासवान, पन्नू मुंडा, सुभाष बेदिया, सुरेंद्र कुमार महतो, रूपलाल महतो, करमचंद महतो, सचिव अनिल महतो, गुलाब गौरी, फिरदौस हुसैन, रमेश करमाली, संदीप कुमार, शंकर कुमार महतो, अशोक कुमार महतो, देवेंद्र कुमार, ओम प्रकाश महतो, ओम प्रकाश कुश्वहा, मीडिया प्रभारी अविनाश नायक, संतोष महतो, सोशल मीडिया प्रभारी प्रेम कु गन्झु तथा संगठन महामंत्री महेश महतो को सर्वसम्मति से बनाया गया।

उरीमारी के लुरुंगा जंगल में चाल धंसने से दो मजदूरों की हुई मौत

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। हजारीबाग जिले के उरीमारी थाना क्षेत्र अंतर्गत लुरुंगा जंगल में कोयले का अवैध कारोबार बड़े पैमाने पर चल रहा है।

मजदूर अवैध माइंस में घुसकर कोयले का खनन कर रहे हैं। शनिवार की शाम लुरुंगा जंगल में अवैध माइंस में चाल धंसने से दो मजदूरों की मौत होने की खबर है। मृतको में लुरूंगा बस्ती निवासी राहुल कुमार गंझू और रवि कुमार गंझू नामक युवक शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही पूरे गांव के लोग घटनास्थल पर जुड़ गए और सब को निकालने का प्रयास किया जा रहा है।इस मामले में हजारीबाग एसपी अरविंद सिंह ने बताया कि रविवार की सुबह यह पता चला है की मोटरसाइकिल से कुछ मजदूर कोयला निकालने के लिए गए हुए थे। जिसमें से दो मजदूर चाल धंसने से मरे हैं। इस मामले में ग्रामीणों के बयान के आधार पर कार्रवाई होगी।

न्यूनतम मजदूरी की मांग को लेकर अड़े मजदूर

खद्यान अनलोडिंग कार्य को किया ठप

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

इटकी। इटकी एफसीआई गोदाम के पल्लेदार मजदूरों ने अपने न्यूनतम मजदूरी की मांग को लेकर मालवाहक ट्रकों से खादय सामग्री की अनलोडिंग कार्य को बंद कर रखा है।

नतीजन गेहूं चावल लेकर इटकी गोदाम पहुंचे कई ट्रक पिछले एक सप्ताह से यथावत खड़े है। ट्रकों से गेहूं चावल का अनलोडिंग नही होने से चलाक और वाहन मालिको के समक्ष कई परेशानी उठ खड़ा हुआ है। वही प्रखण्ड के पीडीएस दुकानदारों को गेहूं चावल समय पर आवंटन कार्य बाधित हो गया है। गोदाम के मोटिया मजदूरों का कहना है कि झारखण्ड खादय निगम के द्वारा मानक न्यूनतम 8.50 रुपया मजदूरी को जिला के हथालन और परिवाहन संवेदक द्वारा अनाकानी की जा रही है मजदूरों ने चेताया है कि जबतक निगम द्वारा मानक मजदूरी तैय नही की जाती और बकाया मजदूरी का भुगतान नही किया जाता है तब तक ट्रकों से अनलोडिंग कार्य बंद रहेगा। आदोलनरत मजदूरों ने बकाया मजदूरी और साढ़े आठ रुपया प्रति बोरा मजदूरी की भुगतान की मांग को लेकर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की , उपायुक्त , श्रम अधीक्षक और जिला आपूर्ति पदाधिकारी को मांग पत्र सौंपा है और आग्रह किया है कि जब तक मांगें पूरी नही हो जाती तबतक परिवाहन संवेदक द्वारा भेजे जाने वाले परिवाहन से खाद्यान की अनलोडिंग कार्य नही करने दिया जायेगा। बता दें इटकी में करीब 22 सौ क्विंटल से अधिक गेहू चावल ट्रक लदा पड़ा है। इधर इटकी के अलावे बेड़ो, मांडर, चान्हों, खलारी और बुड़मू प्रखण्ड के एफसीआई गोदाम के मोटिया मजदूरों ने भी 8.50 रुपया न्यूतम मजदूरी की मांग को लेकर दर्जणों ट्रकों से गेहूं चावल की अनलोडिंग कार्य को ठप कर रखा है। अधिकृत जानकारी के अनुसार जिला के हथालन और परिवाहन संवेदक द्वारा प्रति बोरा छह रुपया की दर से अनलोड करें या फिर काम छोड़ देने की बात से मजदूर भड़क उठे है और आदोलनरत मजदूरों ने ट्रकों से गेहूं चावल को अनलोडिंग कार्य को पूर्णतः ठप कर दिया है।

संक्षिप्त

सृजन प्ले स्कूल का वार्षिक समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न

रांची। सृजन प्ले स्कूल में वार्षिक समारोह का आयोजन किया गया। स्कूल का आदर्श वाक्य ह्यरचनात्मकता के माध्यम से शिक्षाह्न है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसके सिन्हा ने कहा कि सुबह का उजाला दिन को दशार्ता है। उन्होंने स्कूल प्रबंधन के प्रयासों, विशाल परिसर और छात्रों की उपलब्धियों की सराहना की। श्री सिन्हा ने यह भी कहा कि सृजन प्ले स्कूल में छात्रों के समग्र विकास के लिए उत्कृष्ट मंच उपलब्ध है।
कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि दीपशिखा की निदेशक डॉ. अलका नि?जामी ने बच्चों के आत्मविश्वास और शिक्षकों के मार्गदर्शन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में रचनात्मकता और प्रदर्शन के प्रति उत्साह को बढ़ावा देते हैं।
कार्यक्रम में कक्षा 3 से 6 वर्ष की आयु के नर्सरी, बेबी नर्सरी और प्रेप कक्षाओं के छात्रों ने सीता स्वयंवर, कठपुतली नृत्य और रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की प्रस्तुति में छात्रों का आत्मविश्वास, मेहनत और उनकी रचनात्मकता साफ झलक रही थी। दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ हर प्रस्तुति का स्वागत किया।

बच्चों के बीच हुआ चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

रांची : अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन सृजन शाखा रांची रविवार सुबह 11:00 बजे हत्मा बस्ती में बस्ती के बच्चों के बीच चित्रकला प्रतियोगिता करवाया बच्चों को गणतंत्र दिवस पर ड्राइंग बनानी थी बच्चों ने अपनी मेहनत और क्रिएटिविटी से बहुत सुंदर ड्राइंग बनाई। इस प्रतियोगिता में 40 बच्चों ने हिस्सा लिया। गणतंत्र दिवस से रिलेटेड प्रश्न उत्तर पूछे प्राइस भी दिए ड्राइंग शीट पेंसिल इरेजर शार्पनर कलर केक समोसा और मिक्सर पैकेट दिए गए। इस कार्यक्रम में नेहा सरावगी प्रतिमा अग्रवाल शिखा सुरेखा शालू सिंघानिया राशि सरावगी अमिता केडिया सोनम सराओगी उपस्थित थी।

श्री श्याम मन्दिर का मना 20वां स्थापना दिवस

रांची : श्री श्याम मण्डल, रांची द्वारा निर्मित अग्रसेन पथ स्तिथ श्री श्याम मन्दिर का 20वां स्थापना दिवस दिनांक 2 फरवरी दिन रविवार 2025 को अत्यन्त धूम धाम के साथ आयोजित किया जा रहा है । पूरे मन्दिर की साफ सफाई साज – सज्जा विगत कई दिनों से कार्य हो रहा है साथ ही इस खास अवसर पर पूरे मन्दिर परिसर को रंग बिरंगी विद्युत की रंगीन लड़ियों के साथ रंगीन बैलून तथा फूलों आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। श्री श्याम मन्दिर के 20 वें स्थापना दिवस पर सर्व प्रथम 2 फरवरी 2025 को हरमू रोड स्थित गौ शाला में प्रातः 8:30 बजे से गौ पूजन एवम गौ सेवा के साथ कायक्रम का शुभारम्भ किया जायेगा। 2 फरवरी 2025 दोपहर 11 : 30 बजे से मन्दिर के निकट शीतल कॉम्प्लेक्स के पार्किंग स्थल पर विशाल श्री श्याम भंडारा का आयोजन होगा जिसमें सैकड़ों भक्तगण श्याम प्रभु का पूर्ण प्रसाद ग्रहण करेंगे।

गायत्री प्रज्ञापीठ में साधक-शिष्य मंडल की हुई गोष्ठी

रांची : मकर संक्रांति महापर्व निजी तौर पर मनाए जाने के बाद गायत्री परिवार साधक-शिष्यों और भाई-बहनों ने समूह प्रतिनिधित्व में गायत्री प्रज्ञापीठ बसस्टैंड धूर्वा में 19 जनवरी रविवार को एक सामूहिक गोष्ठी के साथ मकर संक्रांति मनाया।दही चूड़ा गुड़ तिलकूट प्रसाद का समूह आनन्द लिया।इसमें रांची जिला समन्वय समिति के नवगठित सदस्यगण तथा धूर्वा क्षेत्र के प्रज्ञा मंडल,महिला मंडल स्वाध्याय मंडल ने शान्तिकुञ्ज द्वारा प्रतिपादित ज्ञानघट, धर्म घट,ज्ञान रथ, अंशदान, यज्ञीय अनुष्ठान, नौ दिवसीय सत्र की रचनात्मक क्रिया-कलाप आदि अनेक विषयों पर विचार-विमर्श व चर्चाएं हुईं। नये पुराने मंडलों के सकारात्मक व सक्रिय कार्यक्रम आयोजनों पर प्रकाश डाला गया।

रांची में सुजीत सिन्हा गैंग के दो बदमाश गिरफ्तार

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। जिले की ओरमांझी थाना पुलिस ने सुजीत सिन्हा गैंग के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक टैब, दो मोबाइल, एक पैकेट डायरी और एक बैग बरामद किए गए हैं।
ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में विक्की वर्मा और आयुष राज शामिल हैं। एसपी ने बताया कि 22 नवंबर, 2024 में ओरमांझी थाना क्षेत्र में दो बदमाश अपाची बाइक पर सवार होकर आये और फायरिंग की। इस दौरान

संजीव जायसवाल के साथ काम कर रहे जावेद अंसारी और आजाद अंसारी को एक-एक गोली लगी थी। संजीव जायसवाल ने बताया था कि संगठित गिरोह सुजीत सिन्हा के सदस्यों ने उनसे लेवी मांगी थी और लेवी नहीं देने पर फायरिंग की गई।
एसपी ने बताया कि वारदात के बाद एसआईटी टीम का गठन किया गया। टीम ने एटीएस और रांची जिले की तकनीकी शाखा की मदद से गिरोह के एक आरोपित जिशान शेख उर्फ रिक्की खान को पूर्व में गिरफ्तार किया था। टीम ने अनुसंधान के दौरान एक अपराधी विक्की वर्मा को छत्तीसगढ़ (रायपुर) के गंज थाना क्षेत्र से और एक अपराधी आयुष राज उर्फ छोटू को विकास गोलचक्कर (शालीमार नर्सरी) के पास से गिरफ्तार किया है।

शिव शक्ति एवं हनुमत प्रतिष्ठा महायज्ञ समारोह का आयोजन

हेहल : वृंदावन नगर (मुरला पहाड़) में नवनिर्मित शिव शक्ति एवं हनुमत मंदिर प्राण प्रतिष्ठा हेतु समारोह का आयोजन मुहल्ला वासियों द्वारा किया गया है। आहूत यज्ञ निर्विघ्न सम्पन्न हो, हेतु देवताओं के आवाह्न हेतु कलशयात्रा निकाला गया।
कलशयात्रा में मुख्य अतिथि कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश,पूर्व डिप्टी मेयर अजयनाथ सहदेव उपस्थित रहे।कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक प्रसिद्ध समाजसेवी बबन कुमार ने कहा कि मुहल्ला में मंदिर बनने से धर्म प्रेमी सज्जनों खासकर महिलाओं और बुजुर्गों को पूजापाठ भजकीर्तन करने में काफी सहूलियत होगी।

रांची से प्रयागराज महाकुंभ के लिए स्पेशल ट्रेन शुरू

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची : रेलवे ने रांची से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज महाकुंभ जाने के लिए रविवार से स्पेशल ट्रेन संख्या 08067 की शुरूआत की है। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रांची रेलवे स्टेशन से टूंडला के लिए महाकुंभ स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।
महाकुंभ स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाने से पहले रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने प्रयागराज जाने वाले श्रद्धालुओं का तिलक लगाकर स्वागत किया। उन्होंने उनसे झारखंड की सुख-समृद्धि के लिए भगवान से आशीर्वाद मांगने का भी आग्रह किया। साथ ही श्रद्धालुओं से अपील की कि महाकुंभ में डुबकी लगाने के बाद वे मां गंगा से राज्य के विकास के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के और अधिक शक्तिशाली और दीघार्यु होने का आशीर्वाद मांगें। उन्होंने महाकुंभ के सुखद संयोग और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व की भी सराहना की। राज्यसभा सदस्य दीपक प्रकाश ने महाकुंभ के लिए रांची से स्पेशल ट्रेन चलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया।
इस दौरान राज्यसभा सदस्य महुआ माजी, रांची विधानसभा क्षेत्र के

रांची से प्रयागराज महाकुंभ के लिए स्पेशल ट्रेन शुरू, रक्षा राज्य मंत्री ने दिखाई हरी झंडी

विधायक सीपी सिंह और हटिया डीआरएम जसमीत बिंद्रारांची सहित कई अन्य लोग मौजूद थे।
उल्लेखनीय है रांची के सांसद और रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने प्रयागराज महाकुंभ मेले के लिए रांची रेल मंडल से ट्रेन का परिचालन करने को लेकर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर उनसे चर्चा की थी। साथ ही उनसे आग्रह किया था कि कुंभ ट्रेनों का परिचालन रांची के रूट से किया जाए। इससे रांची, रामगढ़, खूंटी, हजारीबाग, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, कोडरमा, चतरा, लातेहार, पुरुलिया, जमशेदपुर और सरायकेला-खरसावां सहित कई जिलों के लोग कुंभ की यात्रा कर सकेंगे।
इसके बाद प्रयागराज में 28 फरवरी तक होने वाले महाकुंभ में रांची से जाने वाली सभी ट्रेनों में'नो रूम' होने के कारण श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे प्रशासन ने रांची से 10 महाकुंभ स्पेशल ट्रेनों का परिचालन शुरू करने का निर्णय लिया था। इसी के तहत टूंडला एक्सप्रेस को रांची होते हुए प्रयागराज के लिए रवाना किया गया।
इन ट्रेनों का होगा परिचालन
भुवनेश्वर से टूंडला (08425) कुंभ मेला स्पेशल 22 जनवरी, 5 फरवरी, 19 फरवरी और 25 फरवरी।
टूंडला से भुनेश्वर (08426) कुंभ मेला स्पेशल 24 जनवरी, 7 फरवरी, 21 फरवरी और 28 फरवरी।
टिटिलागढ़ से टूंडला (08314) कुंभ मेला स्पेशल 16 जनवरी, 23 जनवरी, 6 फरवरी, 20 फरवरी और 25 फरवरी।
टूंडला से तितलागढ़ (08313) कुंभ मेला स्पेशल 18 जनवरी, 25 जनवरी, 8 फरवरी, 22 फरवरी और 1 मार्च।
तिरुपति से बनारस (07107) कुंभ मेला स्पेशल 18 जनवरी, 8 फरवरी, 15 फरवरी और 22 फरवरी।
बनारस से विजयवाड़ा (07108) कुंभ मेला स्पेशल 20 जनवरी, 10 फरवरी, 17 फरवरी और 24 फरवरी।
नरसापुर से बनारस (07109) कुंभ मेला स्पेशल 26 जनवरी, 2 फरवरी।
बनारस से नरसापुर (07110) कुंभ मेला स्पेशल 27 जनवरी और 3 फरवरी।
इन ट्रेनों का कुल परिचालन 38 बार होगा। यह सभी ट्रेनें रांची से होकर गुजरेगी।

श्री राधा-कृष्ण मंदिर में 10 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचे

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। पुंदाग स्थित श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम में रविवार को भारी संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे। ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि 10 हजार से भी ज्यादा श्रद्धालुओं ने सेवा धाम में बने भगवान श्री राधा-कृष्ण मंदिर के दर्शन किए। दिन-भर श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम परिसर में स्थापित श्री राधा कृष्ण मंदिर दरबार हॉल में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही।
मंदिर परिसर मे दोपहर मे 2 घंटे तक भक्तों ने भजन- कीर्तन कर पूरे वातावरण को भक्तिमय एवं कृष्णमय बना दिया। दरबार में सुमधुर भक्ति भजनों में खूब झूमे। दरबार के शीश महल में विराजमान भगवान श्री राधा -कृष्ण मंदिर, श्रीमद् भागवत गीता ग्रंथ, भगवान का वस्त्र, मोर मुकुट, मुरली की पूजा अर्चना की जा रही है।
दरबार में श्री कृष्ण की जन्म से लेकर महाभारत तक की झांकियां मुख्य आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। सेवा- धाम में झारखंड के विभिन्न जिलों एवं दूसरे राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

श्री श्याम निशान अमृत महोत्सव 13 फरवरी से, पोस्टर का विमोचन

रांची। श्री श्याम परिवार के तत्वावधान में चतुर्थ दिवसीय श्री श्याम निशान अमृत महोत्सव 13 फरवरी से शुरू होगा। यह 16 फरवरी, 2025 तक चलेगा। इसके पोस्टर का विमोचन 19 जनवरी को किया गया।
अध्यक्ष श्रवण जलान एवं महामंत्री मंटू जालान की अध्यक्षता में महोत्सव की कमेटी का गठन किया गया। इसमें प्रकाश दालानियां को महोत्सव संयोजक बनाया गया। सदस्यों को अलग-अलग विभाग के कार्यभार की जिम्मेदारी दी गई। सभी सदस्यों में अपने विभाग के कार्यभार को सहर्ष स्वीकार किया। महोत्सव को सुन्दर एवं भव्य रूप देने के लिए अपनी तरफ से प्रभु श्री श्याम के इस महोत्सव में अपनी सेवा देने का संकल्प लिया।
अमित चौधरी ने बताया कि इस शुभ अवसर पर महोत्सव कमेटी द्वारा श्री श्याम निशान अमृत महोत्सव-2025 के पोस्टर का विमोचन किया गया। इसमें मुख्य रूप से पवन शर्मा, जयदीप राज, पवन लोहिया, राजेश अग्रवाल, भुद्दू सिंह, अजय केडिया सहित श्री श्याम परिवार के कई सदस्य उपस्थित थे।

समाज के दो वयोवृद्ध को सम्मानित करेगा बहावलपुरी पंजाबी समाज

रांची। गणतंत्र दिवस के आयोजन को लेकर बहावलपुरी पंजाबी समाज की कार्यकारिणी की बैठक 19 जनवरी को हुई। संस्था के अध्यक्ष लक्ष्मण दास मिढ़ा ने इसकी अध्यक्षता की। तय हुआ कि 26 जनवरी को कृष्णा नगर कॉलोनी स्थित गुरुद्वारा मंदिर चौक में सुबह 10.30 बजे झंडोतोलन किया जाएगा।
इस समारोह में समाज के मुखी,संस्था के संरक्षक गण, गुरुद्वारा एवं मंदिर कमेटी, गुरु नानक भवन कमेटी, गुरु नानक बाल मंदिर स्कूल कमेटी, गुरुनानक सेवक जत्था, पंजाबी युवा मंच, स्त्री सत्संग सभा, माता गुजरी जत्था, मां भवानी ज्योत मंडल समेत अन्य संस्थाओं के सदस्य भी शामिल होंगे। बैठक का संचालन संस्था के सचिन मुकेश बजाज ने किया। संस्था के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि गणतंत्र दिवस के मौके पर समाज के दो वयोवृद्ध नागरिक हरगोविंद गिरधर और ताराचंद अरोड़ा को सम्मानित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। इस मौके पर समाज के युवा गर्व खीरबाट एवं उनकी टीम के द्वारा देशभक्ति गीत की रंगारंग प्रस्तुति की जाएगी।
बैठक में लक्ष्मण दास मिढ़ा, वेद प्रकाश मिढ़ा, मुकेश बजाज, ललित किंगर, नरेश पपनेजा, अश्विनी सुखीजा, मोहन खीरबाट, कामराज खत्री, प्रमोद चूचरा, महेश कुक्कड़, सुशील पपनेजा, जितेंद्र मुंजाल भी उपस्थित थे।

आईसीएआई की रांची शाखा में चार वर्षों के लिए चुने गए कार्यकारिणी सदस्य

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। दी इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की रांची शाखा कार्यकारिणी के सदस्यों के लिए चुनाव हुआ। चुनाव में 1264 चार्टर्ड एकाउंटेंट में से 560 ने वोट दि?या। वोटों की गिनती 18 जनवरी, 2025 को हेड ऑफिस से नामित लोगों ने देर शाम तक की। इंस्टीट्यूट की रांची शाखा की कार्यकारिणी सदस्यों के इस चार वर्षीय चुनाव में 10 प्रत्याशी थे।
यह चुनाव आईसीएआई, नई दिल्ली के दिशानिर्देश पर चुनाव पदाधिकारी और रीजनल काउंसिल सदस्य सीए मनीषा बियानी की देखरेख में संपन्न हुआ। चुने गए सदस्यों का कार्यकाल के वर्ष 2025-29 तक होगा।
सीए मनीषा बियानी ने बताया कि वोटों की गिनती के बाद सीए निशांत मोदी, सीए अभिषेक केडिया, सीए

विवेक खोवाल, सीए अनीश जैन, सीए भुवनेश कुमार ठाकुर, सीए दिलीप कुमार और सीए हरेन्दर भारती विजयी घोषित किए गए।
चुनाव में निर्वाचित सभी कार्यकारिणी सदस्यों को इंस्टीट्यूट की रांची शाखा की चेयरपर्सन सीए श्रद्धा बगला ने बधाई दी। आशा व्यक्त की कि शाखा नई कार्यकारिणी सदस्यों के निर्देशन में चार्टर्ड अकाउंटेंट, सीए के विद्यार्थियों के उत्तरोत्तर विकास और सामाजिक कार्यों में आने वाले वर्षों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

निदेशक बनाए गए मुमताज खान को किया सम्मानित

रांची। झारखंड राज्य अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम के निदेशक बनाए गए अधिवक्ता मुमताज खान को पुष्पगुच्छ देकर कांके के पूर्व जिला परिषद सदस्य अब्दुल मजीद अंसारी ने सम्मानित किया। उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए इस निर्णय को जनमत की भावना का सम्मान बतलाया।
श्री मजीद ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि मुझे विश्वास है कि मुमताज खान अपने दायित्व पर खरा उतरेंगे। साथ ही अल्पसंख्यकों की शैक्षणिक प्रगति में अपनी अहम भूमिका निभाएंगे।

जेसीआई रांची के शपथ ग्रहण समारोह में प्रतीक जैन ने संभाली कमान

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। जेसीआई रांची का 65वें शपथ ग्रहण समारोह रविवार को होटल रेनड्यू में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड के पहले मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी थे। विशिष्ट अतिथि जेसीआई इंडिया की पूर्व नेशनल प्रेसिडेंट राखी जैन थीं। मौके पर प्रतीक जैन ने अध्यक्ष की कमान संभाली।
समारोह में संस्था के नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रतीक जैन ने अपनी टीम के साथ शपथ ग्रहण किया। मुख्य अतिथि बाबूलाल मरांडी ने अध्यक्ष प्रतीक जैन और उनकी टीम को शुभकामनाएं दी। उन्होंने जेसीआई को 'जूनियर चैंबर इंटरनेशनल' के बजाय 'यूथ चैंबर इंटरनेशनल' के रूप में संबोधित किया। कहा कि यह युवाओं के नेतृत्व और समाज में सकारात्मक बदलाव का प्रतीक है।

विशिष्ट अतिथि राखी जैन ने जेसीआई रांची को 'मिनी जेसीआई जोन' के रूप में सराहा और इसकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी। उन्होंने नई टीम को समाजसेवा और विकास के लिए प्रेरित करते हुए उनकी योजनाओं की प्रशंसा की।
नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रतीक जैन ने 'लीडिंग द चेंज' थीम पर जोर दिया। उन्होंने इस साल समाज के विकास के लिए कई योजनाओं की घोषणा की, जिनमें 50 जरूरतमंद विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप प्रदान करने की योजना प्रमुख है।
मंच संचालन ऋषभ जैन ने किया। कार्यक्रम के आयोजन और संचालन में देवेश जैन, तपिश केडिया, और केशू जैन ने भूमिका निभाई। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष, पूर्व सचिव और रांची के प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिनिधि सहित अन्यव उपस्थित रहे।
नई कार्यकारिणी टीम
सचिव : सनी केडिया
उपाध्यक्ष : अभिषेक जैन, निशांत मोदी, निखिल अग्रवाल, मयंक अग्रवाल, साकेत अग्रवाल, तरुण अग्रवाल
कोषाध्यक्ष : कौशल मुरारका
संयुक्त सचिव : सौरभ जालान
प्रवक्ता : आदित्य जालान
निदेशक : अभिषेक नारनौली, अक्षत अग्रवाल, अमन सिंघानिया, अनीश जैन, अंकित अग्रवाल, अनुभव अग्रवाल, किशन अग्रवाल, मंदीप सिंह, मोहित बागला, निखिल मोदी, नितिन पोद्दार, प्रवीण अग्रवाल, ऋषभ छापरिया, ऋषभ जैन, ऋषभ जालान, ऋषभ सिंघानिया, ऋषि मुरारका, संदीप खेमका, संकेत सरावगी, सौरव नरेडी, सृजन हेतमसरिया।

कल्पना स्टूडियो मालिक हत्याकांड का खुलासा, बेटा ही निकला हत्यारा

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

सरायकेला-खरसावां। चांडिल थाना अंतर्गत कल्पना स्टूडियो के मलिक के हत्याकांड के मामले में बेटे सहित अन्य दो सहयोगी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। गिरफ्त में आए हुए व्यक्ति का नाम राकेश गोरीई, सुमित सोलंकी एवं कैलाश कर्मकार शामिल है।

मालूम हो कि कुछ दिन पूर्व कल्पना स्टूडियो के मालिक दिलीप गोरीई के स्टूडियो में घुसकर अपराधकर्मियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। जहां पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चांडिल के नेतृत्व में एक टीम गठित कर तकनीकी सहायता एवं गुप्त सूचना के आधार पर कांड का उद्वेदन किया गया।

रविवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चांडिल प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी कि मृतक दिलीप गोराई की पहली पत्नी पूर्णिमा गोरीई का छोटा बेटा राकेश गोरीई के द्वारा अपने पिता की हत्या

करने का साजिश रचा गया था राकेश गोराई अपने रिश्ते में भांजे सुमित सोलंकी को 65 हजार का सुपारी देकर हत्या करने का षड्यंत्र रचा। सुमित सोलंकी अपने सहयोगी कैलाश कर्मकार के साथ मिलकर कल्पना स्टूडियो में घुसकर दिलीप गोराई की गोली मारकर हत्या कर दी। बरामद किए गए सामान में ब्लैक रंग का हीरो स्प्लेंडर प्लस संख्या जेएच05बीपी 5975 एवं घटना के समय अभियुक्तों द्वारा पहना गया वस्त्र को जप्त किया गया है। फिलहाल घटना में इस्तेमाल के लिए पिस्तौल का बरामदगी हेतु जगह-जगह छापामारी की जा रही हैं।

छापामारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चांडिल अरविंद कुमार बिनाह , पुलिस निरीक्षक अंचल चांडिल अजय कुमार, चांडिल थाना प्रभारी डिलशन विरुवा, नीमडीह थाना प्रभारी सनतन कुमार तिवारी, चौका थाना प्रभारी बजरंग कुमार महतो एवं जिले के अन्य थाना प्रभारी की टीम मौजूद रहे।

संक्षिप्त

जंगल से लकड़ी तस्करी करते पकड़े गये आरोपी को भेजा गया जेल

महुआडांड़/कटेहर : महुआडांड़ थाना क्षेत्र के सोहर पाठ जंगल में पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम ने अभियान चलाकर लकड़ी तस्करी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। इस दौरान टीम ने जावेद अंसारी, पिता कयूम अंसारी, ग्राम लुरगुमी निवासी को गिरफ्तार किया। उसके पास से पांच पीस चौखट पटरा और एक मोटरसाइकिल बरामद की गयी। अभियान का नेतृत्व महुआडांड़ थाना प्रभारी अवनीश कुमार और वनपाल कुंवर गंझू ने किया। आरोपी को गिरफ्तार कर सुबह जेल भेज दिया गया।वहीं पुलिस और वन विभाग की इस कार्रवाई को लेकर स्थानीय लोगों ने सराहना की है। यह अभियान जंगल में हो रही अवैध कटाई और तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए चलाया गया था।

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय है : क्षेत्रीय उप निदेशक

लोहरदगा : बलदेव साहु महाविद्यालय में इग्नू अभिप्रेरणा की बैठक रविवार को हुई। मौके पर इग्नू के क्षेत्रीय उप निदेशक डॉ मोती राम उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि इग्नू जन जन का विश्वविद्यालय है। उन्होंने कहा की विश्व का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय इग्नू है यहां के शिक्षार्थी विभिन्न जगह से आते हैं चाहे वह गृहिणी हो, नौकरी पेशा हो, व्यापार करने वाले हो, चाहे छात्र हो सभी के लिए इग्नू में पढ़ने की व्यवस्था भारत सरकार के जरिये की गई है। उन्होंने विस्तार से इग्नू के बारे में छात्रों को जानकारी दी नामांकन से लेकर असाइनमेंट बनाने के तरीके परीक्षा फॉर्म भरने री रजिस्ट्रेशन कराने परीक्षा फॉर्म भरने किसी प्रकार की कोई त्रुटि रहने पर सारी जानकारी इग्नू के वेबसाइट पर उपलब्ध है। उन्होंने छात्रों को बताया कि इग्नू तीन भागों में विभक्त है। पहला स्टडी सेंटर दूसरा रीजनल सेंटर और तीसरा मुख्य कार्यालय दिल्ली छात्र तीनों से संपर्क स्थापित कर अपना कैरियर को बेहतर बना सकते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ शर्मा ने की उन्होंने कहा की छात्रों को लगातार मेहनत करने की जरूरत है तभी छात्र अपनी सफलता को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा बेहतर करने वालों की स्थिति भी बेहतर होती है। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफेसर शंभू प्रसाद उपस्थित थे। उन्होंने कहा इग्नू स्टडी सेंटर में कम संसाधन के जरिये छात्र बेहतर परिणाम दिखा सकते हैं। मौके पर विधार्थी और शिक्षक मौजूद थे।

पेड़-पौधा को सुरक्षा प्रदान करना हमारा दायित्व

हजारीबाग : झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वधान मे जिला विधिक सेवा प्राधिकार हजारीबाग की ओर से बैनरतले 90 दिवसीय डोर टू डोर कार्यक्रम का आयोजन बरही प्रखण्ड मे किया गया। जिसका मॉनिटरिंग डी एल एस ए सचिव गौरव खुराना के द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम में पीएलवी विकाश कुमार पांडेय, दीपक कुमार, पंकज कुमार, ब्रह्मदेव पांडेय, सिकंदर कुमार, सुनील वर्मा, निर्मल राम के द्वारा लोगों को वन संरक्षण अधिनियम से संबंधित जानकारी दिया गया तथा लोगों को यह भी बताया गया कि वन संरक्षण अधिनियम एक ऐसा कानून है जिसका उद्देश्य वनों की रक्षा एवं संरक्षण करना है। वनों की कटाई को रोकने के लिए यह कानून लागू किया गया था जिससे कि हमारे वन संसाधनों को स्थाई प्रबंधन को बढ़ावा मिल सके। इसलिए वनों का सुरक्षित रखना हमारा दायित्व है।

परीक्षाफल सह पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन

भारतीय वैदिक परंपरा के अनुसार अपने बच्चों को ज्ञान देना आवश्यक

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

विष्णुगढ़ : प्रखंड के एम्बिशन पब्लिक स्कूल में शनिवार को अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का परीक्षाफल सह पुरस्कार सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीपप्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के तत्पश्चात अतिथियों के स्वागत में एंबिशन पब्लिक स्कूल एवं बाल विकास विद्यालय के छात्राओं ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया।

जिसका संचालन विद्यालय के संस्कृत एवं हिंदी शिक्षक सुशांत कुमार पाठक शक्ति ने किया। इस सम्मान समारोह में कक्षा वार जिले में प्रथम, द्वितीय, तृतीय और टॉप टेन आने वाले छात्र छात्राओं को भारतीय संस्कृति मंच के तत्वाधान में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित कर पुरस्कार सह मेडल, ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र इत्यादि देकर पुरस्कृत किया गया। जिसमें उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ प्रखंड में कक्षा पांच से इंटरमीडिएट तक के लगभग जिले में प्रथम 10वे स्थान में आने वाले कुल 67 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। जिसमें एम्बिशन पब्लिक स्कूल के राजमोहन कुमार और आदर्श डीएवी पब्लिक स्कूल के सृष्टि शाह जिले में प्रथम स्थान हासिल किये, वहीं, द्वितीय स्थान में बाल विकास विद्यालय के हिमांशु राज और पल्स टू उच्च विद्यालय विष्णुगढ़ से आर्यन कुमार, जबकि तृतीय स्थान पर पल्स टू उच्च विद्यालय विष्णुगढ़ के विशाल कुमार रहे।

इस परीक्षाफल सह पुरस्कार वितरण समारोह के सफल आयोजन हेतु एंबिशन पब्लिक स्कूल और गायत्री परिवार ने अहम भूमिका निभाई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शांतिकुंज प्रतिनिधि नरेंद्र विद्यार्थी ने भारतीय संस्कृति के बारे बताते हुए कहा कि भगवान की परिभाषा एवं सनातन धर्म का उल्लेख करते हुए बताया कि जो हमें जीवन दे, वहीं, भगवान है। भगवान सदैव परोपकार के लिए होता है, धर्म के स्थापना के लिए होती है, सनातन धर्म सभी धर्म से उत्तम है, यह युग युगांतर से चलता आ रहा है। अपनी संस्कृति और सभ्यता को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए हम सभी को वैदिक परंपरा अनुसार दैनिक कर्म करना चाहिए। उन्होंने शिक्षा और ज्ञान में अंतर स्पष्ट करते हुए कहा कि मैंकाले के अनुसार आज की शिक्षण पद्धति हो गई है, बच्चों में शिक्षा का विकास हो रहा है, परंतु संस्कार गौण हो रहे हैं।

संस्कार और संस्कृति को बचाने के लिए एवं आत्मिक चेतना के विकास हेतु हमें अपने बच्चों को भारतीय वैदिक परंपरा अनुसार अपने बच्चों को ज्ञान देना आवश्यक है। इसके साथ-साथ हजारीबाग जिला समन्वयक केशवनंद ने सभी विद्यार्थियों के हौसला अफजाई करते हुए कहा कि आप सभी विद्यार्थी अपने जीवन में अच्छे संस्कारों के साथ-साथ अध्यात्म को भी अपनाये क्योंकि जिस व्यक्ति के जीवन में अध्यात्म हो और आदर्श महापुरुषों के प्रेरक जीवन चरित्र, उनके संघर्ष की कहानिया व उनके त्याग व साहस का स्वाध्याय हो तो उसे भीतर से सकारात्मक ऊर्जा का बल प्राप्त होता हैं।

शिक्षक गुलाब महतो ने कहा कि व्यक्ति के जीवन में कई तरह के पड़ाव आते रहते हैं। कभी सुख, कभी दुःख, विपदाएं, परेशानियाँ, कठिनाईयां आदि का सामना करते करते सकारात्मक ऊर्जा नहीं मिलने के कारण व्यक्ति थक जाता हैं, हार जाता हैं, टूट जाता हैं। परन्तु जिस व्यक्ति के जीवन में अध्यात्म हो और आदर्श महापुरुषों के प्रेरक जीवन चरित्र, उनके संघर्ष की कहानियां व उनके त्याग व साहस का स्वाध्याय हो तो वह अपने आपको कमजोर नहीं बल्कि मजबूत महसूस करता हैं। अध्यात्म में वो शक्ति हैं जो हारे हुए जीवन को जित में बदल देता हैं। जो व्यक्ति अपने जीवन में अध्यात्म को अपना लेता हैं, वो जीवन में कभी संसार की कैसी भी स्थिति-परिस्थिति में कभी हार नहीं सकता, वो जीत जाता हैं।

बरकट्ठा सोहराय मिलन समारोह में शामिल हुए शिक्षा मंत्री रामदास

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

बरकट्ठा : भारत जगत मांझी परगना महल के द्वारा आयोजित सोहराय मिलन समारोह में शिक्षा मंत्री शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामजी बेसरा और संचालन मनोज मुर्मू ने किया। समारोह में मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन, विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव, झामुमो नेता संजीव वेदिया उपस्थित थे। सोहराय मिलन समारोह में भारत जगत मांझी परगना महल के सदस्यों ने अतिथियों को चादर देकर सम्मानित किया।

लोगों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि सोहराय झारखंड संस्कृति की पहचान है। झारखंड में आदिवासियों के झारखंडी संस्कृति को देखने विदेश से भी आते हैं। देश में भी झारखंडी संस्कृति की झलक लोग देखना चाहते हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि देश की आजादी का पर्व गणतंत्र और स्वतंत्रता दिवस में शामिल हों। उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता के लिए सरकार काम कर रही है। हेमंत सरकार सभी क्षेत्र में विकास के लिए सरकार धरातल पर उतर चुकी है।

मंइयां सम्मान योजना का महिलाओं के साथ किये गए वादे को सरकार पूरी कर रही है। पूरे आदिवासी, मूलवासी मिलकर सरकार को मजबूत बनाया है तो राज्य भी मजबूत होगा।

पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव ने कहा कि हेमंत सोरेन की दूसरी बार के सरकार के बरकट्ठा में पहली बार शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन आयी है। झारखंड में गरीब, मजलूमों की सरकार बनी है। हेमंत सोरेन ने मंइयां सम्मान योजना लाकर महिलाओं को सम्मान दिया है। इस योजना का पूरे देश में हेमंत मॉडल लागू होगा।

उन्होंने कहा शिक्षा मंत्री ने डिग्री कॉलेज बरकट्ठा में पठन पाठन शुरू कराया। गोहाल में भी पोलटेक्निक इंजीनियरिंग कॉलेज को शुरू कराया। उन्होंने जयनगर में डिग्री कॉलेज स्थापना की बात शिक्षा मंत्री से की। सूर्यकुंड का अपेक्षित विकास करने की मांग की।

जरूरतमंदों के बीच अब तक 1200 कम्बलों का वितरण

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

हजारीबाग : ठंड के कहर को कम करने और जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से हजारीबाग यूथ विंग द्वारा चलाया जा रहा शीतकालीन राहत अभियान अपने नए मुकाम पर पहुंच चुका है। दिसंबर के प्रथम सप्ताह से प्रारंभ हुए इस अभियान के तहत अब तक 1200 से अधिक कंबलों का वितरण किया जा चुका है। संस्था ने रविवार को मंडई खुर्द मुक्तिधाम के समीप जरूरतमंदों को कंबल वितरित कर उनकी मदद की। संस्था न केवल रविवार को आयोजित विशेष कार्यक्रमों के माध्यम से जरूरतमंदों तक पहुंच रही है, बल्कि रात्रि के समय चौक-चौराहों, सार्वजनिक स्थलों और सड़कों पर खुले आसमान के नीचे सो रहे लोगों के बीच जाकर राहत सामग्री प्रदान कर रही है।

हर बार नए जोश और उत्साह के साथ हजारीबाग यूथ विंग अपने इस अभियान को निरंतर आगे बढ़ा रही है। संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने इस अभियान को लेकर कहा की हजारीबाग यूथ विंग का यह प्रयास सिर्फ जरूरतमंदों को राहत देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक बड़ी सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन भी है। हम मानते हैं कि मानवता की सबसे बड़ी सेवा जरूरतमंदों की मदद करना है। संस्था के सभी सदस्यों ने जिस तरह से इस अभियान में योगदान दिया है, वह प्रशंसनीय है।

हमारा लक्ष्य है कि कोई भी व्यक्ति ठंड से पीड़ित न रहे और हम इस दिशा में सतत प्रयास कर रहे हैं। अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा की हमारे इस अभियान का उद्देश्य न केवल कंबल वितरित करना है, बल्कि समाज में एक संदेश देना भी है कि हर व्यक्ति अपने आसपास के जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए कदम बढ़ाए। ठंड के कारण जो लोग सड़क पर सोने को मजबूर हैं, उनके लिए यह कंबल एक छोटी सी राहत है, लेकिन हमारे लिए यह मानवता की सेवा का सबसे बड़ा काम है। मैं सभी सदस्यों का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग किया। हमारा प्रयास है कि आने वाले दिनों में इस अभियान को और भी बड़े स्तर पर पहुंचाया जाए और हजारीबाग के हर जरूरतमंद तक मदद पहुंच सके।

सांसद ने संसद भवन में 54 दिनों की अवधि में 72 मुद्दे उठाए

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

हजारीबाग। सांसद मनीष जायसवाल ने संसद के तीन सत्रों के 54 दिनों की सदन अवधि में कुल वर्किंग डे 44 में दमदार अपनी सौ फीसदी उपस्थिति दर्ज कराई।

इस अवधि में अपने हजारीबाग संसदीय क्षेत्र के जनहित से जुड़े कई क्रांतिकारी और कल्याणकारी कुल 72 मुद्दे उठाए और 07 बार उन्हें लोकसभा के पटल पर बोलने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्हें लोकसभा की तीन प्रमुख समितियों का सदस्य बनाया गया। इनमें प्राक्कलन समिति, कोल तथा माइंस की सलाहकार समिति और उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण संबंधी समिति शामिल है।

हजारीबाग जिला मुख्यालय में सांसद सेवा कार्यालय के माध्यम से लोकसभा क्षेत्र में सेवा कार्यों और विकास को नई गति दी है। सदन में शत- प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के साथ ही लगातार लोकसभा क्षेत्र के दौरे और सांसद सेवा कार्यालय के माध्यम से जनता से सीधे जुड़कर उनकी समस्याओं से रूबरू हुए और यथासंभव समस्याओं के निराकरण का भरसक प्रयास किया।

ये बातें सांसद मनीष जायसवाल ने रविवार को हजारीबाग शहर के हुडहूडु चौक स्थित एक होटल में संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि साल के अंतिम समय में उन्हें कई बड़ी जिम्मेवारी मिली। झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 में हजारीबाग जिले और रामगढ़ जिले की कुल छह विधानसभा सीटों पर एनडीए समर्थित प्रत्याशियों को जिताने का पार्टी ने जवाबदेही सौंपा, उसे बखूबी निभाया।

हजारीबाग के सांसद सेवा कार्यालय के तर्ज. पर जल्द ही रामगढ़ जिले की जनता के सुलभता के लिए रामगढ़ शहर में ही सांसद सेवा कार्यालय खोला जाएगा। मौके पर विशेष रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, प्रो. के.पी. शर्मा, कैलाशपति ओझा, हरीश श्रीवास्तव, सुदेश चंद्रवंशी, विनोद झुनझुनवाला, अमरदीप यादव, सत्येंद्र नारायण सिंह, दिनेश सिंह राठौड़, अनिल मिश्रा ,टोनी जैन, दामोदर सिंह, शिवशंकर गुप्ता सहित कई मौजूद थे।

पलामू मेडिकल कॉलेज से शराब और गांजा बरामद

पलामू : पलामू में स्थित मेदिनीनाराय मेडिकल कॉलेज में प्रशासन ने शनिवार रात छापेमारी की। इस कार्रवाई से मेडिकल के स्टूडेंट आक्रोशित हो गए और घंटों प्रदर्शन किया। सदर एसडीओ सुलोचना मीणा पुलिस बल के साथ पोखराहा में मेडिकल कॉलेज पहुंचीं। उन्होंने गर्ल्स और बॉयज हॉस्टल को खंगाला। इस दौरान हॉस्टल के कमरे से आपत्ति जनक सामान बरामद हुए। रविवार दोपहर तीन बजे एसडीओ ने कहा कि मेडिकल कॉलेज में विधि व्यवस्था और नशेबाजी को लेकर जानकारी मिली थी। इसके बाद दंडाधिकारी की मौजूदगी में मेडिकल कॉलेज को खंगाला गया। मेडिकल के स्टूडेंट ने जांच में सहयोग नहीं किया। कई कमरों को अंदर से बंद कर दिया गया, जिसे खुलवाने पर भी नहीं खोला गया। जांच के दौरान छात्रों के कमरे से नशीले पदार्थ मिले हैं। गांजा और शराब के बोतल बरामद हुए हैं। लड़कों के कमरे से लड़कियों के कपड़े मिले हैं। मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल का कहना है कि विद्यार्थियों पर अब तक कोई रोक टोक नहीं था।

झारखंड स्थापना दिवस की तैयारी को लेकर झामुमो ने की प्रमंडलीय बैठक

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

दुमका। 46 वां झारखंड स्थापना दिवस भव्य तरीके से मनाने को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा की संथाल परगना प्रमंडल स्तरीय बैठक दुमका क्लब में रविवार को आहूत हुई। बैठक की अध्यक्षता दुमका विधायक बसंत सोरेन ने किया। बैठक में झारखंड दिवस मनाने के उद्देश्य, भव्यता और सफल आयोजन को लेकर चर्चा हुई। बैठक में दो फरवरी को गांधी मैदान में एकजुटता का परिचय दिखाते हुए अधिक से अधिक संख्या में जुटने का आह्वान किया।

इस दौरान अल्प संख्यक और कल्याण विभाग के मंत्री हफीजुल अंसारी ने कहा कि दो फरवरी का आयोजन झामुमों कार्यकत्ताओं के लिए टॉनिक का काम करता है। मंत्री हसन ने भाजपा को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि भाजपा वाले एक खास समुदाय को टारगेट कर चुनाव जीतना चाहते थे। यहां तो देशी मिल ही नहीं रहा है, सभी जगह पोल्टी इस्तेमाल हो रहा है। यहां तक की पोल्टी को ही रंग कर देशी मुर्गा बना रहे है और भाजपा वाले बंग्लादेशी और घुसपैठी की बात करते है।

मौके पर महेशपुर विधानसभा के विधायक प्रो स्टेफन मरांडी ने स्थापना दिवस समारोह के तैयारियों को लेकर आवश्यक चर्चा करते हुए कहा कि कई समस्या का समाधान हुआ है और कई समस्या अब भी है। उन्होंने मुख्य मांगों में दुमका में हाई कोर्ट बेंच की स्थापना की मांग, मसानजोर डैम के पानी राज्य के सिंचाई के लिए इस्तेमाल होने और हवाई मार्ग से उपराजधानी दुमका को जोड़ने काम शेष है।

इस अवसर पर विधायक बसंत सोरेन ने स्थापना दिवस के उद्देश्यों को बताते हुए कहा कि संथाल परगना प्रमंडल को हमारे समाज के प्रति और इस राज्य के प्रति सचेत करने का काम करती है। बसंत सोरेन ने कहा यह विचार, पार्टी का संदेश हर उस व्यक्ति तक जाना चाहिए, जिसकी नाभी यहां गड़ी है। यह काबिलियत है हमारी, यह कार्यकर्त्ता है हमारे, यह वोटर है हमारे। इस सरकार पर जितनी जिम्मेवारी है, उतनी जिम्मेवारी हम कार्यकत्ताओं की भी बनती है। युवाओं के लिए भी मुख्यमंत्री हेमंत जरूर रोजगार का रास्ता निकालने का काम करेंगे।

सांसद नलिन सोरेन ने कहा इस बार लोगों को ज्यादा से ज्यादा आदिवासी परांपरिक वाद्य यंत्र टमाक लेकर पहुंचने का आह्वान किया, जिससे टमाक की आवाज दूर-दूर तक जानी चाहिए। यही तो है हमारी शक्ति है और हमारी शक्ति की पहचान है।

बैठक को जामा विधायक डॉ लुईस मरांडी, लिट्टीपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू, सारठ विधायक चुन्ना सिंह, शिकारीपाड़ा विधायक आलोक सोरेन ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम की समाप्ति दिवंगत केंद्रीय महासचिव विजय कुमार सिंह के आत्मा के शांति के लिए दो मिनट का मौन रख शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत की आत्मा की शांति का प्रार्थना कर बैठक संपन्न हुई।

संक्षिप्त

वाहन जांच अभियान चलाकर वसूला 3.25 लाख जुर्माना

बोकारो। राष्ट्रीय राजमार्ग पर पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत पिंड्राजोरा चेकपोस्ट पर परिवहन विभाग द्वारा रविवार को चलाए गए सघन वाहन जांच अभियान के दौरान 03.25 लाख का जुमार्ना वसूल किया गया। उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव के निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी श्रीमती वंदना सेजवलकर एवं मोटरयान निरीक्षक कमल किशोर द्वारा संयुक्त जांच अभियान चलाकर मोटर वाहन अधिनियम के विभिन्न नियमों के उल्लंघन में कुल 24 वाहन से 03.25 लाख रुपए जुमार्ना वसूला गया। पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत पिंड्राजोरा चेकपोस्ट पर कुल 76 वाहनों की जांच की गई। डीटीओ एवं एमवीआई के संयुक्त नेतृत्व में चलाए गए अभियान के तहत रिफ्लेक्टिव टेप, ओवरलोडिंग एवं टैक्स फेल होने को लेकर 24 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए जुमार्ना वसूला गया।

खरसावां के पूर्व विधायक गुलाब मुंडा का निधन

जमशेदपुर। खरसावां के पूर्व विधायक गुलाब सिंह मुंडा (85) का निधन कल देर रात हो गया। उन्होंने अंतिम सांस चाईबासा के सदर अस्पताल में ली। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। वे 1972 से लेकर 1977 तक खरसावां विधानसभा के विधायक रहे थे। विधायक बनने के बाद भी उन्हें किसी तरह का ताम-झाम पसंद नहीं था। वे साइकिल से ही अपने विधानसभा क्षेत्र में घुमते थे। उन्होंने लोगों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई थी। पूर्व विधायक गुलाब सिंह मुंडा का अंतिम संस्कार आज कुचाई के तिलोपदा स्थित पैतृक गांव में किया जाएगा। इसकी तैयारी भी की जा रही है।

रक्तदान शिविर का आयोजन

जमशेदपुर। डॉक्टर सुमित कुमार जो के जमशेदपुर के जाने माने फिजिशियन है। उनके द्वारा चेप पुल स्थित श्री केहर हेल्थ केयर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जनवरी के अंतिम रविवार को रक्त दान शिविर का आयोजन किया जाता रहा है। इस वर्ष भी ब्लाड डोनेशन कैंप का आयोजन किया गया। जिसमे आम नागरिकों के इलावा युवा पीढ़ी में भी बहुत उत्साह दिखाई दिया। यहां जमा किया हुआ रक्त जरूरत पड़ने पर जमशेदपुर ब्लड सेंटर से जरूरतमंदों को उपलब्ध कराया जा सकता है।

जिले के विभिन्न चौक चौराहों पर सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सड़क पार करने के लिए शॉर्टकट और आसान विकल्प खतरनाक : मोटरयान निरीक्षक

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान के तहत रविवार को बोकारो में यातायात नियमों के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने और सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मौतों को कम करने को लेकर जिले के विभिन्न चौक चौराहों सहित अन्य स्थानों पर साइकिल चालकों और पैदल यात्रियों के लिए सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।

इस जागरूकता का मुख्य उद्देश्य लोगों के दुर्घटनाओं में शामिल होने के जोखिम को कम करना है। इस दौरान मोटरयान निरीक्षक अभय चौधरी ने बताया कि सड़क पार करने के लिए मुख्य रूप से जेबरा क्रॉसिंग, फुटओवर ब्रिज का इस्तेमाल करना चाहिए। साथ ही, सड़क पार करने के लिए शॉर्टकट और आसान विकल्प खतरनाक है और इनका सहारा नहीं लिया जाना चाहिए। जहां भी फुटपाथ की सुविधा हो, उसका उपयोग करें। जहां फुटपाथ की अलग से व्यवस्था नहीं है, वहां सड़क के दाईं ओर आने वाले यातायात का सामना करते हुए चलें। सात वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सड़क पर अकेले न चलने दें। यह सुनिश्चित किए बिना कि ऐसा करना सुरक्षित है, सड़क पर कदम न रखें। उन्होंने कहा कि इन उपायों का पालन करने से दुर्घटनाओं, चोटों और संपत्ति को नुकसान की संभावना काफी कम हो जाती है। इस दौरान उनके साथ जिला सड़क सुरक्षा समिति के गोविंद सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बोकारो इस्पात जनता मजदूर संघ की नगर प्रशासन सीजीएम से हुई वार्ता

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। बोकारो इस्पात जनता मजदूर संघ की ओर से बोकारो प्रबंधन को पूर्व में दिये गये 21 सूत्री मांग पत्र के आलोक में प्रथम चरण की हुई वार्ता में बोकारो इस्पात संयंत्र, नगर प्रशासन के अधिकारियों में जीएम चावला, आर के पात्रो, विक्रम भादिया, लम्बोदर उपाध्याय, दीवार शरण, अविनाश कुमार आदि अन्य विभिन्न विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

संघ की ओर से वार्ता में मुख्य रूप से अध्यक्ष तारकेश्वर महतो, तारा बाबू, महामंत्री सुमन सिंह, संयुक्त महामंत्री आशा देवी, कार्यालय सचिव गंगेश कुमार पाठक, उपाध्यक्ष नवीन सिंह, देवेन्द्र कुमार, सुरेश कुमार, राम सागर शर्मा, आशीष कुमार, सुमित सिंह, मिथुन कुमार आदि बीएसएल कामगार शामिल थे। इस दौरान 10 विषयों पर चर्चा हुई, जिसमें सहमति एवं असहमति बनी हुई। संघ की मुख्य मांगों में एस 3 से सभी ऊपर के कर्मचारियों को डी टाइप आवास, आवासों का आंतरिक एवं बाहरी अनुरक्षण, सिवरेज सिस्टम को दुरुस्त करना एवं उसकी सफाई की समुचित व्यवस्था, सेक्टरों में निर्बाध बिजली एवं जलापूर्ति की व्यवस्था, क्वार्टरों के पानी टंकी को अविलंब दुरुस्त कराने की बातें रखी गईं। संघ के महामंत्री सुमन सिंह ने प्रबंधन से कामगारों के काम को प्राथमिकता के आधार पर करने की बात कही।

मिलन समारोह आयोजित

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। बोकारो के सिटी पार्क में चित्रगुप्त परिवार की ओर से वनभोज सह- मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर विभिन्न खेलों में बच्चों ने भाग लिया।

वक्ताओं ने समाज के विकास और शिक्षा पर विशेष बल दिया। कहा कि शिक्षा ही हमारी पूंजी और पहचान है। समाज में एक दूसरे से मित्रवत व्यवहार कर आगे बढ़ने के सहयोग करने की अपील की गई। मिलन समारोह में सर्वसम्मति से 9 मार्च को होली मिलन कार्यक्रम करने का निर्णय लिया गया। मौके पर संजय सिन्हा, सुनील श्रीवास्तव, आर के सिन्हा, मुकेश कुमार, राहुल सिन्हा, तरुण श्रीवास्तव, रोहित कुमार समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

12 फरवरी को होगा युवा लायंस फोर्स का मिलन समारोह : देव शर्मा

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। युवा लायंस फोर्स की बैठक आवासीय कार्यालय बोदरो में हुई, जिसकी अध्यक्षता विजय दास ने की और संचालन संजय शर्मा ने किया।

इसमें मुख्य रूप से युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष सह- युवा लायंस फोर्स के केंद्रीय अध्यक्ष देव शर्मा शामिल हुए। बैठक में सैकड़ों युवाओं, मजदूरों, समाजसेवियों एवं युवा लायंस फोर्स के नेता और कार्यकताओं ने सर्वसम्मति से 12 फरवरी दिन बुधवार को बोदरो में युवा लायंस फोर्स का वनभोज सह- मिलन समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया। साथ ही, उसी दिन युवा लायंस फोर्स का सदस्यता अभियान की भी शुरूआत की जायेगी। देव शर्मा ने कहा कि युवा लायंस फोर्स एक सामाजिक संगठन है, जिसमें बोकारो जिला शहरी, ग्रामीण, सेक्टर, चास चंदनकियारी समेत जिले के सभी विधानसभा में सक्रिय सदस्य हैं। यह संगठन बेरोजगार एवं मजदूर वर्ग के लोगों के साथ हमेशा खड़ा रहता है। साथ ही समय-समय पर धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करती है, जिसमें हजारों के तादाद में मजदूर, युवा एवं समाजसेवी शामिल होते हैं। बैठक में युवा नेता देव शर्मा ने कहा कि मैं दिन-रात दबे-कुचले एवं मजदूर वर्ग के लोगों के लिए खड़ा रहता हूं और आगे भी रहूंगा। हमारा संगठन 15 वर्षों से हर क्षेत्र में सक्रिय रहा है। इसी का परिणाम है कि आज हजारों बेरोजगार युवाओं को युवा लाइंस फोर्स ने रोजगार दिलाने का काम किया है।

राज्य में इंडिया गठबंधन की सरकार बनी है। मजदूर एवं बेरोजगार लोगों के लिए 2025 एक बड़ा ही अवसर का वर्ष होगा। श्री शर्मा ने कहा मजदूर को न्याय एवं बेरोजगारों को रोजगार दिलाने के लिए इस वर्ष में सुनियोजित ढंग से आंदोलन करूंगा एवं हजारों युवाओं को रोजगार दिलाने का हर संभव प्रयास करूंगा। मौके पर सैकड़ों युवा लायंस फोर्स के नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

शिक्षकों का वार्षिक वनभोज सह मिलन समारोह आयोजित

शिक्षा मंत्री के प्रतिनिधि के रूप में मौजूद थे बहरागोड़ा विधायक समीर मोहंती

एमएसीपी का भी उठा मुद्दा

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

जमशेदपुर। अखिल झारखंड प्राथमिक संघ, पूर्वी सिंहभूम का वार्षिक वनभोज सह मिलन कार्यक्रम रविवार को हुआ। मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री के प्रतिनिधि के रूप में बहरागोड़ा विधायक समीर मोहंती उपस्थित थे।

उनको शिक्षकों की मांगों से संबंधित एक ज्ञापन संघ के उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय अध्यक्ष प्रभात कुमार के नेतृत्व में सौंपा गया। विधायक ने मंत्री एवं सरकार के समक्ष मांगों को रखने का विश्वास दिलाया। प्रदेश सलाहकार समिति के वरीय सदस्य सुनील कुमार ने विधायक के समक्ष शिक्षकों की भावनाओं के अनुरुप एमएसीपी की मांग को रखा। विधायक ने कहा कि 'एमएसीपी' सरकार के संज्ञान में है और अवश्य मिलेगा। श्री मोहंती ने जल्द ही शिक्षा मंत्री से मिलकर एक सलाहकार समिति का गठन कराने का आश्वासन दिया। उसमें शिक्षक प्रतिनिधि को भी शामिल किया जाएगा। शिक्षकों की समस्या अगले विधानसभा सत्र में रखने का आश्वासन भी दिया। कुछ दिनों पूर्व ही पद रिक्तता के सापेक्ष में पूरी पारदर्शिता के साथ इंटर प्रशिक्षित शिक्षकों को स्नातक प्रशिक्षित शिक्षकों में प्रोन्नति मिली है। वनभोज में शिक्षकों ने लजीज व्यंजनों का लुत्फ उठाया। भव्य कार्यक्रम के लिये आयोजक समिति को बधाई दी।इस कार्यक्रम में बोकारो जिला प्रवक्ता भानु प्रताप सिंह, जामताड़ा जिला महासचिव हरि प्रसाद, प्रदेश वरीय उपाध्यक्ष बाल्मीकि प्रसाद एवं अन्य जिलों के शिक्षक प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

स्व राजेंद्र प्रसाद मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में शोएब इलेवन की टीम चैंपियन

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो थर्मल। बोकारो थर्मल गोविंदपुर एफ पंचायत अंतर्गत राजाबाजार क्रिकेट स्टेडियम में रविवार को स्व राजेंद्र प्रसाद सिंह मेमोरियल दस दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मैच में शोएब इलेवन राजा बाजार की टीम ने राजा बाजार के ही ब्रदर्स इलेवन की टीम को 28 रनों से हराकर फाइनल मैच का खिताब जीत लिया।

इसके पूर्व दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर तथा बल्लेबाजी कर मैच का उदघाटन बतौर मुख्य अतिथि बेरमो विधायक कुमार जयमंगल ने किया। उन्होंने कहा कि अपने पिता की याद में कमेटी द्वारा करवाये जा रहे प्रत्येक वर्ष मैच को वह हरसंभव मदद करेंगे। कहा कि जल्द ही ग्राउंड की चहारदीवारी करवाई जाएगी। उन्होंने राजा बाजार के लिए एक ट्रांसफार्मर अपने निजी मद से देने की भी घोषणा की। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए शोएब इलेवन की टीम ने 6 विकेट खोकर 141 रन बनाए। जवाब में ब्रदर्स इलेवन की टीम 10 ओवर में 7 विकेट पर मात्र 113 रन ही बना पाई। बेरमो विधायक ने दोनों ही टीमों के कप्तान शाहिद रजा, अशोक एवं खिलाड़ियों को विजेता एवं उप विजेता का पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार ताबिश को दिया गया, जबकि मैन ऑफ द सीरिज का खिताब 19 बॉल पर 51 रन बनाने वाले राहुल को दिया गया। मौके पर कांग्रेस नेता जोगेंद्र गिरि, भाकपा नेता मो शाहजहां, गोविंदपुर बी पंचायत के मुखिया चंद्रदेव घांसी, सी के मुखिया विकास सिंह, सुषमा कुमारी, सदर कलीमुद्दीन, शोएब अनवर आदि थे। मैच के सफल आयोजन में मुफ्ती शहाबुद्दीन, कमेटी के अध्यक्ष वाजिद हुसैन, उपाध्यक्ष एमडी, सचिव मो जनाब, सह सचिव मो शाहिद रजा, कोषाध्यक्ष मो साबिर अंसारी, मो तौहीद आदि की मुख्य भूमिका रही।

पदोन्नति के बाद थाना में विदाई समारोह का आयोजन

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो थर्मल। बोकारो थर्मल थाना के अवर निरीक्षक बीरेंद्र हांसदा का इंस्पेक्टर पद पर पदोन्नति के साथ मुसाबनी स्थित प्रशिक्षण केंद्र तबादला किया गया है।

पदोन्नति के बाद तबादला किये जाने को लेकर रविवार को स्थानीय थाना में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता थाना प्रभारी सह- इंस्पेक्टर शैलेंद्र कुमार सिंह ने की। समारोह को थाना प्रभारी सहित अवर निरीक्षक अजीत कुमार, भागीरथ महतो, धनंजय सिंह, धर्मेंद्र कुमार, सअनि अरविंद मेहता आदि ने संबोधित करते हुए उनके क्रियाकलाप की चर्चा करते हुए उनके आगे के भविष्य एवं नये उत्तरदायित्व की कामना की।

मौके पर अनि दीपक कुमार पासवान, जी बानरा, सअनि पंकज कुमार भारद्वाज, मनोज मंडल, राजेंद्र प्रमाणिक सहित सभी जवान एवं कर्मी मौजूद थे।

जेल प्रशासन खोलेगा पेट्रोल पंप

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

जमशेदपुर। घाघीडीह जेल प्रशासन एक अभिनव प्रयोग करने जा रहा है। जेल प्रशासन अपना पेट्रोल पंप खोलेगा और उसमें पूर्व कैदी काम करेंगे। इस योजना को अमलीजामा पहनाने की कवायद शुरू हो गई है।

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम के साथ जेल प्रशासन का एमओयू हो चुका है। जेल प्रशासन रिहा हो चुके कैदियों को पेट्रोल पंप संचालन का प्रशिक्षण देगा। दूसरी ओर, पेट्रोल पंप खुलवाने की जरूरी पहल जेल प्रशासन कर रहा है। पेट्रोल पंप का लाइसेंस हासिल करने के लिए वह आवेदन करने वाला है। हालांकि इसके लिए सबसे जरूरी जमीन का ब्योरा अपने पास नहीं होने से उसने जिला प्रशासन से इसकी मांग की है। जेल अधीक्षक ने पत्र लिखकर जमीन का खाता, प्लॉट नंबर, मौजा और नक्शा उपलब्ध कराने का आग्रह किया है। जेल प्रशासन पेट्रोल पंप संचालन के लिए वैसे कैदियों को चुनेगा।

समागम में उर्दू के हक की लड़ाई जारी रखने का शिक्षकों ने लिया संकल्प

उर्दू के हुकूक के लिए सभी को आगे आना पड़ेगा : अमीन अहमद

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

जमशेदपुर। झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ का राज्य स्तरीय शिक्षक समागम सह मिलन समारोह डिमना झील के समीप 19 जनवरी को हुआ। इसमें रांची, गुमला, लोहरदगा, बोकारो, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला खरसावां, पश्चिमी सिंहभूम आदि जिले से संघ के पदधारी शिक्षक शामिल हुए।

पूर्वी सिंहभूम एवं सरायकेला-खरसावां जिला के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षक समागम सह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि केंद्रीय महासचिव अमीन अहमद थे। केंद्रीय अध्यक्ष अब्दुल माजिद खान की अध्यक्षता में समागम हुआ।

इस अवसर पर केंद्रीय महासचिव अमीन अहमद ने कहा कि उर्दू शिक्षकों को अपने हक व हुकूक के लिए आगे आने की जरूरत है। व्हाट्सएप, फेसबुक से किसी भी समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसके लिए मजबूती के साथ तमाम जिलों में झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ को मजबूत करना होगा। जब से झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ वजूद में आया है, तब से यह शिक्षकों, छात्रों, उर्दू भाषा के विकास और अन्य मसलों पर काम कर रहा है। इस मौके पर आए हुए तमाम अतिथि शिक्षकों-शिक्षिकाओं को गुलदस्ता और नए साल की डायरी उपहारस्वरूप दी गई। मौके पर केंद्रीय अध्यक्ष अब्दुल माजिद खान, प्रवक्ता शहजाद अनवर, सचिव इनामुल हक ने कहा कि हम सबको संगठन मजबूत करते हुए हर जिला में शिक्षिकाओं को संघ से जोड़ने की जरूरत है। इनके अलावा अली रजा अंसारी, तौहीद आलम शहादत हुसैन, केंद्रीय कोषाध्यक्ष मकसूद जफर हादी, आलमीन अंसारी ने भी अपने अपने विचार रखे। स्वागत मोहम्मद शहाबुद्दीन अंसारी एवं धन्यवाद गुलाम अहमद ने किया। समागम में रांची से केंद्रीय महासचिव अमीन अहमद, प्रवक्ता शहजाद अनवर, अध्यक्ष अब्दुल माजिद खान, उपाध्यक्ष साबिर अहमद, खजांची मकसूद जफर हादी, लोहरदगा जिला के अध्यक्ष एनामुल हक, सचिव तौहीद आलम, उपाध्यक्ष शहादत हुसैन, अली रजा अंसारी एवं आलमीन अंसारी, गुमला के जिला अध्यक्ष सरवर आलम एवं शमीम खान, बोकारो से जिला अध्यक्ष मुफीद आलम, सचिव शहनवाज अंसारी एवं मो जिलानी, सरायकेला से अध्यक्ष गुलाम अहमद, उपाध्यक्ष अब्दुल गफ्फार अंसारी एवं सचिव रुबी तरन्नुम एवं पूर्वी सिंहभूम के संरक्षक साजिद अंसारी, अध्यक्ष मोहम्मद शहाबुद्दीन अंसारी, उपाध्यक्ष एजाज अख्तर, फैय्याज आलम, मो सलीम, मोजाहिद निसार, अरशद आलम अंसारी, खुर्शीद अहमद, सरवर आलम अंसारी, महबूब आलम, मतीन अंसारी, शाहीद एकबाल, आलमगीर आलम, मो एहतेशाम, नुरुल हसन, जफरूल हसन, इस्तियाक अहमद, शमीम अहमद, अफसर अली, इलियास अहमद, अफताब आलम, इकराम आलम, कैसर आलम अंसारी, नौशाद आलम, प्रो जावेद अख्तर शामिल हुए।

आम आदमी पार्टी तो अपना रिपोर्ट कार्ड पेश नहीं करेगी...

नीरज कुमार दुबे

दिल्ली के मतदाताओं पर देश की नजर इसलिए भी है क्योंकि नवीनतम सांख्यिकीय पुस्तिका दशार्ती है कि साल 2023-24 में दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय 4, 61, 910 रुपये थी जो देश में गोवा और सिक्किम के बाद तीसरी सबसे अधिक है। यानि शहर की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय स्तर की प्रति व्यक्ति आय 1, 84, 205 रुपये से दोगुनी से भी अधिक थी।

दिल्ली विधानसभा चुनावों को एक बार फिर जीतने के लिए आम आदमी पार्टी पूरा जोर लगा रही है। आम आदमी पार्टी वोट मांगने के दौरान अपनी मुफ्त की रेवड़ियों के बारे में तो जनता को बता ही रही है साथ ही वह संविधान और लोकतंत्र की दुहाई भी दे रही है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आम आदमी पार्टी की सरकार की ओर से दी गयी मुफ्त की सौगातें बड़ा छलावा साबित हुई हैं और लोकतंत्र तथा संविधान की मयार्दा का भी इस पार्टी की सरकार ने बिल्कुल ध्यान नहीं रखा।

आप देख रहे होंगे कि आजकल अरविंद केजरीवाल रोज प्रेस के सामने आकर बड़ी बड़ी बातें कर रहे हैं लेकिन आंकड़े बता रहे हैं कि पिछले पांच सालों में इन्होंने कुछ काम नहीं किया और सारा वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा से लड़ने में बर्बाद कर दिया। जिस विधानसभा को दिल्ली के लोगों की समस्याओं का हल निकालना था उसको आम आदमी पार्टी ने मोदी सरकार के खिलाफ प्रस्ताव पास करने का मंच बनाकर रख दिया। दिल्ली विधानसभा को किस तरह आम आदमी पार्टी ने अपने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति का मंच बना कर रखा इसे आप इसी से समझ सकते हैं कि निवर्तमान विधानसभा ने पूरे पांच साल में मात्र 74 दिन ही कार्य किया। पांच साल में 1825 दिन होते हैं मगर इनमें से काम हुआ मात्र 74 दिन।

हम आपको बता दें कि यह दिल्ली की विधानसभा के अब तक के सबसे कम कार्य दिवस का रिकॉर्ड है। इसके अलावा बड़ी-बड़ी बातें करने वाली आम आदमी पार्टी की सरकार ने पूरे पांच साल में मात्र 14 विधेयक पारित किये। यानि दिल्ली की विधानसभा ने अपने इतिहास में पांच साल में सबसे कम विधेयक पारित करने का रिकॉर्ड भी बनाया है। खास बात यह रही कि यह जो 14 विधेयक पारित हुए उनमें से पांच विधायकों के भत्ते, सुविधाएं और उन्हें मिलने वाली सैलरी से संबंधित थे। साथ ही दिल्ली के विधायकों के कामकाज का आकलन इसी से लगाया जा सकता है कि 2020 से 2025 तक विधायकों ने विधानसभा में सालाना आधार पर औसत 219 प्रश्न ही पूछे। इसके अलावा आम आदमी पार्टी के शासन में विधानसभा में जिस दिन भी कार्यवाही हुई वह औसतन मात्र तीन घंटे तक चली। इसके अलावा विधानसभा के 74 कार्य दिवसों में से मात्र नौ दिन ही प्रश्नकाल हुआ।

यही नहीं, आम आदमी पार्टी की सरकार ने कभी विधानसभा का सत्रावसान भी नहीं किया ताकि जब चाहें विधानसभा की बैठक बुला सकें और वहां से राजनीतिक बयानबाजी कर सकें। दरअसल विधानसभा का सत्रावसान होने पर सत्र को दोबारा आहूत करने के लिए उपराज्यपाल की अनुमति चाहिए होती है और उन्हें सदन की बैठक बुलाने का कारण भी बताना होता है। आम आदमी पार्टी को लगता था कि यदि उपराज्यपाल ने बैठक बुलाने की अनुमति नहीं दी तो कैसे अपने राजनीतिक हित सधेंगे इसलिए वह कभी सत्रावसान करते ही नहीं थे। यही नहीं, विधानसभा में सीएजी की जो रिपोर्टें प्रस्तुत की जानी थीं वह भी नहीं की गयीं।

जहां तक आम आदमी पार्टी की सरकार की ओर से बांटी जाने वाली मुफ्त रेवड़ियों की बात है तो उसकी सच्चाई यह है कि जनता को जितना दिया नहीं गया उतना हर योजना में घोटाला हो गया है। यह घोटाले भी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तरीके के हैं। मसलन एक दारू की बोतल पर दूसरी बोतल फ्री दी गयी लेकिन शराब नीति के जरिये घोटाला करके दिल्ली के सरकारी खजाने को हजारों करोड़ रुपए का चूना लगा दिया गया। जनता को 200 यूनिट बिजली फ्री देने की बात की गयी लेकिन एक यूनिट फालतू होते ही भारी भरकम बिजली बिल भेजे गये। जनता को 700 लीटर पानी फ्री देने की बात हुई लेकिन लोगों के भारी भरकम पानी के बिल आये। खास बात यह रही कि पानी का बिल तो हर महीने आ गया लेकिन नल से जल हर रोज नहीं आया और जहां जहां नल से जल आया वह गंदा आया।

इसके अलावा प्रदूषण से निबटने की कोई स्थायी और प्रभावी योजना नहीं होने के चलते दिल्ली इतनी प्रदूषित हो गयी कि लोगों को तमाम तरह की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो गयी हैं। अक्सर बुजुर्गों को होने वाली सांस की बीमारी दिल्ली के बच्चों को भी हो गयी है। दिल्ली में पवित्र यमुना नदी को गंदा नाला बनने से रोकने में आम आदमी पार्टी की सरकार पूरी तरह विफल रही। दिल्ली में यमुना का जल इतना प्रदूषित है कि त्योहारों पर श्रद्धालु अगर पानी में चले जायें तो उन्हें चर्म रोग हो जाते हैं और इस पानी का शोधन करने में मशीनों के हाथ पांव फूल जाते हैं। यही नहीं, दिल्ली की सरकार अपने शिक्षा मॉडल का ढिंढोरा खूब पीटती है लेकिन अपने अब तक के कार्यकाल में वह एक भी नया स्कूल, एक भी नया कॉलेज या एक भी नया अस्पताल नहीं बना सकी है। दिल्ली में जल निकासी की व्यवस्था इतनी खराब है कि बारिश आने पर बेसमेंट में पानी भर जाने से छात्र डूब कर मर जाते हैं। यही नहीं, दिल्ली एमसीडी में आम आदमी पार्टी का शासन होने के बावजूद कूड़े के पहाड़ वहीं के वहीं हैं।

इसके अलावा, अरविंद केजरीवाल भले इस समय मंदिर मंदिर जाकर हिंदुओं को लुभाने के प्रयास कर रहे हैं लेकिन तथ्य यह है कि आम आदमी पार्टी के शासन के दौरान ही हिंदू दीवाली पर पटाखे नहीं चला पाये। यह बात भी गौर करने लायक है कि आम आदमी पार्टी महिलाओं को अभी 1000 रुपए मासिक देने और चुनाव बाद 2100 रुपए देने की बात कर रही है लेकिन सवाल उठता है कि महिलाओं की सुध उसे अपने शासन की शुरूआत या मध्य में क्यों नहीं आई थी? यही नहीं, एक दारू की बोतल पर दूसरी दारू की बोतल फ्री देकर आम आदमी पार्टी ने महिलाओं का ही सिरदर्द सबसे ज्यादा बढ़ाया था।

वैसे यहां सवाल आम आदमी पार्टी से ही नहीं है बल्कि दिल्ली के मतदाताओं से भी है। आम आदमी पार्टी के घोषणापत्र में किये गये फ्री के वादों को देखने की बजाय क्या किसी मतदाता ने इस सरकार का रिपोर्ट कार्ड देखा है। दिल्ली के मतदाताओं को यह जानकर हैरानी होगी कि अपने घोषणापत्र का प्रचार कर रही आम आदमी पार्टी की सरकार अपना रिपोर्ट कार्ड नहीं पेश कर रही है क्योंकि रिपोर्ट में दिखाने के लिए कुछ है ही नहीं।

दिल्ली के मतदाताओं पर देश की नजर इसलिए भी है क्योंकि नवीनतम सांख्यिकीय पुस्तिका दशार्ती है कि साल 2023-24 में दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय 4, 61, 910 रुपये थी जो देश में गोवा और सिक्किम के बाद तीसरी सबसे अधिक है। यानि शहर की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय स्तर की प्रति व्यक्ति आय 1, 84, 205 रुपये से दोगुनी से भी अधिक थी। इसके अलावा एक और आंकड़ा यह बताता है कि सबसे कम महंगाई दर के मामले में झारखंड के बाद दिल्ली का नंबर आता है। यानि दिल्ली में आमदनी ज्यादा है और महंगाई कम है इसलिए सवाल उठता है कि ऐसी स्थिति में भी सबको सब कुछ फ्री में क्यों चाहिए? देश की जनता देख रही है कि क्या दिल्ली का मतदाता अपने निजी फायदे पर ध्यान देने की बजाय इस बार अपने शहर के फायदे को देखेगा?

संपादकीय

युद्धविराम और शांति

दिल्ली विधानसभा चुनावों को एक बार फिर जीतने के लिए आम आदमी पार्टी पूरा जोर लगा रही है। आम आदमी पार्टी वोट मांगने के दौरान अपनी मुफ्त की रेवड़ियों के बारे में तो जनता को बता ही रही है साथ ही वह संविधान और लोकतंत्र की दुहाई भी दे रही है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आम आदमी पार्टी की सरकार की ओर से दी गयी मुफ्त की सौगातें बड़ा छलावा साबित हुई हैं और लोकतंत्र तथा संविधान की मयार्दा का भी इस पार्टी की सरकार ने बिल्कुल ध्यान नहीं रखा। आप देख रहे होंगे कि आजकल अरविंद केजरीवाल रोज प्रेस के सामने आकर बड़ी बड़ी बातें कर रहे हैं लेकिन आंकड़े बता रहे हैं कि पिछले पांच सालों में इन्होंने कुछ काम नहीं किया और सारा वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा से लड़ने में बर्बाद कर दिया। जिस विधानसभा को दिल्ली के लोगों की समस्याओं का हल निकालना था उसको आम आदमी पार्टी ने मोदी सरकार के खिलाफ प्रस्ताव पास करने का मंच बनाकर रख दिया। दिल्ली विधानसभा को किस तरह आम आदमी पार्टी ने अपने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति का मंच बना कर रखा इसे आप इसी से समझ सकते हैं कि निवर्तमान विधानसभा ने पूरे पांच साल में मात्र 74 दिन ही कार्य किया। पांच साल में 1825 दिन होते हैं मगर इनमें से काम हुआ मात्र 74 दिन। हम आपको बता दें कि यह दिल्ली की विधानसभा के अब तक के सबसे कम कार्य दिवस का रिकॉर्ड है। इसके अलावा बड़ी-बड़ी बातें करने वाली आम आदमी पार्टी की सरकार ने पूरे पांच साल में मात्र 14 विधेयक पारित किये। यानि दिल्ली की विधानसभा ने अपने इतिहास में पांच साल में सबसे कम विधेयक पारित करने का रिकॉर्ड भी बनाया है। खास बात यह रही कि यह जो 14 विधेयक पारित हुए उनमें से पांच विधायकों के भत्ते, सुविधाएं और उन्हें मिलने वाली सैलरी से संबंधित थे। साथ ही दिल्ली के विधायकों के कामकाज का आकलन इसी से लगाया जा सकता है कि 2020 से 2025 तक विधायकों ने विधानसभा में सालाना आधार पर औसत 219 प्रश्न ही पूछे। इसके अलावा आम आदमी पार्टी के शासन में विधानसभा में जिस दिन भी कार्यवाही हुई वह औसतन मात्र तीन घंटे तक चली। इसके अलावा विधानसभा के 74 कार्य दिवसों में से मात्र नौ दिन ही प्रश्नकाल हुआ। यही नहीं, आम आदमी पार्टी की सरकार ने कभी विधानसभा का सत्रावसान भी नहीं किया ताकि जब चाहें विधानसभा की बैठक बुला सकें और वहां से राजनीतिक बयानबाजी कर सकें। दरअसल विधानसभा का सत्रावसान होने पर सत्र को दोबारा आहूत करने के लिए उपराज्यपाल की अनुमति चाहिए होती है और उन्हें सदन की बैठक बुलाने का कारण भी बताना होता है। आम आदमी पार्टी को लगता था कि यदि उपराज्यपाल ने बैठक बुलाने की अनुमति नहीं दी तो कैसे अपने राजनीतिक हित सधेंगे इसलिए वह कभी सत्रावसान करते ही नहीं थे।

चिंतन-मनन

धर्मराज युधिष्ठिर ने निभाया था भ्रातृ धर्म

गहन वन से तृषार्त पाण्डव गुजर रहे थे। पानी की तलाश में वे इधर-उधर घूम ही रहे थे कि अकस्मात उन्हें एक सरोवर दिखाई दिया। भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव जल पीने के पूर्व ही मृत्यु का ग्रास बन गए। कारण यह था कि एक यक्ष ने उनसे प्रश्न किए थे, किंतु उन्होंने उस ओर ध्यान नहीं दिया और बिना जवाब दिए ही पानी पीने लगे। लेकिन वे यक्ष का कोपभाजन बने और उन्हें मृत्यु प्राप्त हुई।

इतने में युधिष्ठिर आए और पानी पीने की कोशिश करने लगे। उनसे भी यक्ष ने प्रश्न किए, जिनके युधिष्ठिर ने समुचित उत्तर दे दिए। तब यक्ष ने प्रसन्न होकर कहा, तुम जल पीने के अधिकारी हो। मेरी इच्छा है कि तुम्हारे चारों भ्राताओं में से किसी एक को जीवन दान दूं। बोलो, मैं किसे पुनर्जीवित करूं?

प्रश्न बड़ा ही विचित्र था और साथ ही कठिन भी, क्योंकि युधिष्ठिर को चारों भाई एक समान प्रिय थे, तथापि एक क्षण भी सोचे बिना वे बोले, यक्षश्रेष्ठ आप नकुल को ही जीवन दान दें। यक्ष हंस पड़ा और बोला, धर्मराज, कौरवों से युद्ध में भीम की गदा और अर्जुन का गांडीव बड़ा ही उपयोगी सिद्ध होगा। इन दो सगे भाइयों को छोड़कर नकुल का जीवन क्यों चाहते हो।

धर्मराज बोले, यक्षश्रेष्ठ हम पांचों भ्राता ही माताओं के स्नेह चिह्न हैं। माता पुंती के पुत्रों से मैं शेष हूं, किंतु माद्री मां के तो दोनों ही पुत्र मर चुके हैं। अतः यदि एक के ही जीवन का प्रश्न है, तो माद्री मां के नकुल का ही पुनर्जीवन इष्ट है। यक्ष ने सुना, तो भावविह्वल हो बोला, युधिष्ठिर तुम धर्मतत्व के ज्ञाता हो, मैं तो सिर्फ तुम्हारी परीक्षा ले रहा था कि तुम वास्तव में धर्म के अवतार हो या नहीं। अतएव मैं चारों भाईयों को जीवन देता हूं।

युद्ध विराम समझौते का ईमानदारी से पालन जरूरी

ललित गर्ग

यह शांतिपूर्ण विश्व संरचना के लिये सुखद ही है कि करीब डेढ़ वर्ष से जारी इस्राइल-हमास संघर्ष खत्म करने के लिये युद्धविराम पर सहमति बन गई है। लेकिन इस एवं ऐसे युद्धों ने ऐसे अनेक ज्वलंत प्रश्न खड़े किये हैं कि जब युद्ध की अन्तिम निष्पत्ति टेबल पर बैठकर समझौता करना ही है तो यह युद्ध के प्रारंभ में ही क्यों नहीं हो जाता? युद्ध भीषणतम तबाही, असंख्य लोगों की जनहानि एवं सर्वनाश का कारण बनता है तो ऐसी तबाही होने ही क्यों दी जाये? खेर देर आये दुरस्त आये, इजराइल और हमास ने बुधवार को युद्ध विराम समझौते के पहले मसौदे पर सहमति जताई, जो संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में अब तक का सबसे बड़ा एवं अहम कदम है। अन्य बातों के अलावा, 60-दिवसीय युद्ध विराम प्रक्रिया में दोनों पक्षों के बंधकों को रिहा करना, सहायता बढ़ाना, नष्ट हो चुके फिलिस्तीन का पुनर्निर्माण करना और हमलों को रोकना शामिल होगा। डेढ़ साल से अधिक समय के युद्ध के बाद, युद्ध विराम फिलिस्तीन के लोगों तथा हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों के लिए बहुत जरूरी राहत है। इसी तरह रूस एवं यूक्रेन के बीच लम्बे समय से चल रहा युद्ध भी समाप्त हो, यह शांतिपूर्ण उन्नत विश्व संरचना के लिये नितांत अपेक्षित है। क्योंकि ऐसे युद्धों से युद्धरत देश ही नहीं, समूची दुनिया पीड़ित, परेशान एवं प्रभावित होती है। इस तरह युद्धरत बने रहना खुद में एक असाधारण और अति-संवेदनशील मामला है, जो समूची दुनिया को विनाश एवं विध्वंस की ओर धकेलने देता है। ऐसे युद्धों में वैसे तो जीत किसी की भी नहीं होती, फिर भी इन युद्धों का होना विजेता एवं विजित दोनों ही राष्ट्रों को सदियों तक पीछे धकेल देता, इससे भौतिक हानि के अतिरिक्त मानवता के अपाहिज और विकलांग होने के साथ बड़ी जनहानि का भी बड़ा कारण बनता है।

इस्राइल-हमास में पिछले डेढ़ साल से चल रहे युद्ध के विराम को एक अहम कामयाबी माना जा रहा है। भले ही इस समझौते के लिये अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के बीच संघर्ष समाप्ति का श्रेय लेने की होड़ हो, लेकिन गाजा के लोग जिस मानवीय त्रासदी से जूझ रहे थे, उन्हें जरूर इससे बड़ी राहत मिलेगी। संयुक्त राष्ट्र के तमाम प्रयासों व मध्यपूर्व के इस्लामिक देशों एवं भारत की बार-बार की गई पहल के बावजूद अब तक शांति वार्ता सिरे न चढ़ सकी थी। जिसकी कीमत करीब पचास हजार लोगों ने अपनी जान देकर चुकायी। इस युद्ध से गाजा के विभिन्न क्षेत्रों में जो तबाही हुई है, उससे उबरने में दशकों लग सकते हैं। निस्संदेह, इस्राइल व हमास के बीच युद्ध विराम पर सहमति होना महत्वपूर्ण है, लेकिन जब तक समझौता यथार्थ में लागू होता न नजर आए, तब कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। संघर्ष में वास्तव में हमास के कितने लड़ाके मारे गए यह कहना कठिन है, लेकिन बड़ी संख्या में बच्चों-महिलाओं ने युद्ध में जान गवांई। एक अनुमान के अनुसार गाजा संघर्ष में उपजी मानवीय त्रासदी में करीब बीस लाख लोग विस्थापित हुए हैं। इस्राइली हमलों में अस्पताल-स्कूल भी निशाना बने, जिन्हें शरणार्थियों की सुरक्षित पनाहगाह माना जाता है। इस्राइल पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में युद्ध अपराध तक के आरोप लगाए गए। बहरहाल, जब लंबे समय के बाद शांति की स्थितियां बन रही हैं तो विश्व समुदाय, शक्तिशाली राष्ट्रों व संयुक्त राष्ट्र का दायित्व बनता है कि समझौते की शर्तों को साफ नियत एवं नीति से क्रियान्वित किया जाये। ताकि मध्यपूर्व में स्थायी शांति एवं अमनचैन की राह मजबूत हो सके। निश्चित रूप से युद्ध शांति का विकल्प नहीं हो सकता। इस संघर्ष की शुरूआत भले हमास ने की हो, लेकिन इसकी सबसे बड़ी कीमत उन लोगों ने चुकाई, जो इसके लिये जिम्मेदार नहीं थे।

युद्ध के आघात से युद्धरत देशों के साथ समूची दुनिया प्रभावित हुई है। युद्ध के आघात से तात्पर्य युद्ध के दौरान होने वाली दर्दनाक घटनाओं के परिणामस्वरूप व्यक्तियों द्वारा अनुभव किए जाने वाले मनोवैज्ञानिक संकट और शारीरिक-भावनात्मक पीड़ा से है, जैसे कि हिंसा का शिकार होना, दूसरों को नुकसान पहुंचाना, या संघर्ष के कारण प्रियजनों को खोना। युद्ध सामाजिक विश्वास को तोड़ता है, सामाजिक सामंजस्य को कम करता है और सामाजिक एवं राष्ट्रीय पूंजी को नुकसान पहुंचाता है। सशस्त्र संघर्ष के बाद, समाज उपसमूहों में गहराई से विभाजित हो जाता है जो युद्ध विराम के समझौते के बावजूद बाद के दौर में एक दूसरे से डरते हैं और नफरत करते हैं और लड़ाई जारी रखने के लिए तैयार रहते हैं। युद्ध के आघात से पीड़ित लोगों में अक्सर दूसरे पक्ष के साथ मेल-मिलाप करने और शांतिपूर्ण समाधान खोजने की इच्छा कम हो जाती है। कमजोर नागरिक समाज और कम सरकारी क्षमताएं लोगों को बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ बना सकती हैं और राज्य के बिगाड़ने वालों या राजनीतिक विरोधियों द्वारा आसानी से हेरफेर किया जा सकता है। यह स्थिति अक्सर हिंसा के निरंतर चक्रों के लिए मंच तैयार करती है।

हालांकि, अक्तूबर, 2023 में हमास के हमले से आहत इस्राइल कई मोर्चों पर लगातार युद्ध से थक चुका है, लेकिन अभी भी अरब जगत उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहा है। ऐसी आशंका इसीलिए भी है कि कई बार बातचीत अंतिम दौर पर पहुंचते-पहुंचते पटरी से उतरती गई है। बात और घात लगातार चलते रहे हैं। अब भविष्य में देखना होगा कि दोनों पक्ष समझौते के अमल के प्रति कितनी ईमानदारी से प्रतिबद्ध नजर आते हैं। हालांकि, अपने बंधकों की जल्द रिहाई को लेकर इस्राइल के विपक्षी राजनीतिक दलों व मंत्रिमंडल में भी मतभेद उभर रहे हैं, लेकिन इतनी लंबी लड़ाई के बाद थक चुकी इस्राइली सेना को भी राहत देने की मांग की जाती रही है। बहरहाल, युद्ध विराम के प्रश्न पर इस्राइल व हमास के बीच सहमति से शांति की उम्मीदें प्रबल हुई हैं। जहां एक ओर अमेरिका में वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन व नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समझौते के लिए श्रेय ले रहे हैं, वहीं ईरान इसे फलस्तीनी प्रतिरोध की जीत बता रहा है।

अभी गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को भी दूर किया जाना है। दरअसल, सात अक्तूबर 2023 को हमास के क्रूर हमलों में इस्राइल के बारह सौ लोग मारे गए थे और करीब ढाई सौ लोगों को हमास के लड़ाके सौदेबाजी के लिये बंधक बनाकर ले गए थे। साफ था कि इस अपमानजक घटना का इस्राइल प्रतिशोध लेगा, लेकिन संघर्ष करीब डेढ़ वर्ष तक चलेगा, इसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। हालांकि, कुछ इस्राइली बंधक रिहा किए गए, कुछ युद्ध के बीच मारे गए, लेकिन बचे बंधकों की रिहाई का भारी दबाव नेतन्याहू सरकार पर लगातार बना रहा। संघर्ष में वास्तव में हमास के कितने लड़ाके मारे गए यह कहना कठिन है, लेकिन बड़ी संख्या में बच्चों-महिलाओं ने युद्ध में जान गवांई। एक अनुमान के अनुसार गाजा संघर्ष में उपजी मानवीय त्रासदी में करीब बीस लाख लोग विस्थापित हुए हैं। इस्राइली हमलों में अस्पताल-स्कूल भी निशाना बने, जिन्हें शरणार्थियों की सुरक्षित पनाहगाह माना जाता है। इस्राइल पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में युद्ध अपराध तक के आरोप लगाए गए। निश्चित रूप से युद्ध शांति का विकल्प नहीं हो सकता। हालांकि, इस बात को लेकर शंकाएं व्यक्त की जा रही हैं कि इस समझौते से फिलस्तीनी संकट का स्थायी समाधान हो सकेगा। इस युद्ध मसले का हल कूटनीति और आपसी बातचीत से ही निकालने के प्रयास किये जाने की आवश्यकता भारत लगातार व्यक्त करता रहा है।

ट्रंप टीम को लेकर आशा और आशंका

डॉ. दिलीप चौबे

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति का पद संभालने के ठीक पहले दुनिया में नई शक्ति समीकरण बन रहे हैं। जहां तक भारत और अमेरिका के संबंधों की बात है, खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू प्रकरण का पटाक्षेप होने वाला है। निवर्तमान बाइडन प्रशासन ने पन्नू को लेकर भारत पर दबाव बनाने की कोशिश की थी जिसे विदेश मंत्रालय ने अपने कूटनीतिक कौशल और सूझबूझ से निपटाया। पन्नू प्रकरण में केंद्र सरकार ने जहां अपनी कुछ कमजोरियों को स्वीकार किया वहीं अमेरिका के निराधार आरोपों को खारिज कर दिया। देश की उच्चस्तरीय जांच समिति ने सरकारी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय और उन पर नियंत्रण की बात स्वीकार की ताकि भविष्य में ऐसे मामलों को जल्दी से सुलझाया जा सके। यह स्पष्ट है कि आने वाले दिनों में ट्रंप प्रशासन पन्नू जैसे खालिस्तानी आतंकवादियों पर लगाम लगाएगा।

अमेरिका में इस बीच राष्ट्रपति ट्रंप की टीम के सहयोग सदस्यों का अनुमोदन करने के लिए सीनेट में सुनवाई

चल रही है। सीनेट में रिपब्लिकन पार्टी का मामूली बहुमत है। इस कारण यह आशंका व्यक्त की जा रही है कि ट्रंप टीम के कुछ सदस्यों को अनुमोदन हासिल करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। सुनवाई के प्रारंभिक दौर से यह जाहिर हुआ कि मंत्री पद के जो उम्मीदवार नीतियों में निरंतरता कायम रखने के पक्ष में हैं उन्हें डेमोक्रेटिक पार्टी के सीनेटर का भी समर्थन हासिल होगा। वहीं जो मंत्री और अधिकारी बाइडन प्रशासन की नीतियों में बड़ा बदलाव चाहते हैं करना चाहते हैं उन्हें विरोध का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप प्रशासन की ओर से नामांकित एटार्नी जनरल पाम बॉन्ड्री की सुनवाई के दौरान डेमोक्रेटिक सदस्यों ने उन्हें कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की। उन्हें अगले चार वर्षों तक अमेरिका के विधि मंत्रालय (डिपार्टमेंट आफ जस्टिस) का कामकाज संभालना है। डेमोक्रेटिक सदस्यों को आशंका है कि बॉन्ड्री बाइडन प्रशासन के अधिकारियों और समर्थकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकती हैं। बाइडन समर्थक और मुख्यधारा की मीडिया के लोग संघीय जांच ब्यूरो के प्रमुख के रूप में कश्यप पटेल (काश पटेल) को लेकर सबसे अधिक भयभीत हैं। काश पटेल को पाम बॉन्ड्री की देखरेख में काम करना है। यही कारण है कि सुनवाई के दौरान कई सदस्यों ने पाम बॉन्ड्री से जानना चाहा कि वह काश पटेल पर कैसे काबू रखेंगी। पटेल पूरी तरह ट्रंप के प्रति निष्ठावान हैं। उनके कामकाज की शैली और तेवर बहुत आक्रामक हैं। फिलहाल अनुमान है कि डेमोक्रेटिक सदस्यों के तीव्र विरोध के बावजूद उन्हें अनुमोदन हासिल हो जाएगा। सबसे अधिक दुविधा तुलसी गवार्ड. को लेकर है। उन्हें अमेरिका की 17 खुफिया एजेंसियों पर निगरानी रखने वाले राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (डीएनआई) के रूप में मनोनीत किया गया है। वास्तव में डीएनआई अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए आंख और कान का काम करता है। तुलसी गवार्ड युद्ध विरोधी हैं तथा दूसरे देशों में सैनिक हस्तक्षेप करने के खिलाफ हैं। वह वैष्णव हैं और हरे कृष्ण संप्रदाय से जुड़ी हैं। स्वाभाविक है कि वह बांग्लादेश में हरे कृष्ण संप्रदाय के धार्मिक नेता चिन्मय प्रभु के उत्पीड़न और हिन्दू अल्पसंख्यकों पर अत्याचार को लेकर चिंतित होंगी। उनकी नियुक्ति भारत के लिए भी अनुकूल सिद्ध होगी।

अमेरिका में युद्ध समर्थक लॉबी हरसंभव कोशिश कर रही है कि तुलसी के नामांकन को सीनेट नामंजूर कर दे। रिपब्लिकन पार्टी के दो या तीन सदस्य यदि पाला बदलते हैं तो तुलसी की नियुक्ति खटाई में पड़ जाएगी। यह ट्रंप के लिए भी बड़ा झटका होगा। अमेरिका की राजनीति में इस्राइल समर्थक नेताओं का बोलबाला है। इन दिनों वहां आम चर्चा है कि ट्रंप प्रशासन के कार्यकाल में अमेरिका और इस्राइल मिलकर ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला करेंगे। फिलिस्तीन में हमास और लेबनान में हिजबुल्ला की कमर तोड़ने के बाद इस्राइल ईरान को निशाना बनाना चाहता है। इसी खतरे का मुकाबला करने के लिए ईरान और रूस ने हाल में राजनीतिक सहयोग का समझौता किया है। राष्ट्रपति ट्रंप शांति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्राथमिकता देते हैं अथवा पश्चिम एशिया के दलदल में फंसने का जोखिम उठाते हैं इससे आने वाला अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम निर्धारित होगा।

विघ्नहर्ता गणेश को ऐसे मनाएं

विघ्नहर्ता विनायक भगवान गणेश की पूजा यदि सच्चे मन से की जाए तो हर समस्या का समाधान संभव है। बुधवार भगवान गणेश का दिन होता है। बुधवार को गणेश की पूजा करें तो संतान, शिक्षा और भाग्य समृद्ध होता है। गणपति की उपासना से कुंडली के अशुभ योग भी खत्म हो जाते हैं। इसीलिए कलयुग में उन्हें विघ्नविनाशक के रूप में पूजा जाता है। श्रीगणेश जी की बुधवार को पूजा करने का विधान हमारे धर्मग्रंथों में मौजूद है।

बुधवार को प्रातःकाल में स्नानादि से निवृत होकर ताम्र पत्र के श्री गणेश यन्त्र को नमक, नींबू से अच्छे से साफ करें। यंत्र को शुद्ध जल से धोने के बाद पूजा स्थल पर पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख कर के आसान पर विराजमान हो कर सामने श्री गणेश यन्त्र की स्थापना करें। आसान पर बैठने के बाद दांयी हथेली में जल ले कर आसान व भूमि पर जल छिड़कते हुए नीचे लिखे मंत्र को पढ़ें....

ऊं अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोपि वा।
यः स्मरेत पुण्डरीकाक्षं स बाह्यभ्यन्तरः शुचिः।।

अब गणेश यंत्र को शुद्ध जल चढ़ाते हुए मंत्र बोले

गंगे च यमुने चैव गोदावरि सरस्वति ।
नर्मदे सिन्धु कावेरि जलऽस्मिन्सन्निधिं कुरु।।

यदि आप इस मंत्र की आराधना सच्चे मन से करते हैं तो आपकी मनोकामना जरूर पूरी होती है।

फलदायी होती हैं हनुमान चालीसा की ये चौपाइयां

हनुमानजी की स्तुति हनुमान चालीसा से हम सभी परिचित हैं। हनुमान चालीसा की रचना गोस्वामी तुलसीदास जी ने की थी। हिंदू धर्म ग्रंथों में उल्लेखित है कि बाल्यकाल में जब हनुमानजी ने सूर्य को मुंह में रख लिया तब सूर्य को मुक्त कराने के लिए देवराज इंद्र ने हनुमानजी पर शस्त्र से प्रहार किया। इसके बाद हनुमान जी मूर्छित हो गए। हनुमानजी के मूर्छित होने की बात जब वायु देव को पता चली तो काफी नाराज हुए। लेकिन जब सभी देवताओं को पता चला कि हनुमानजी भगवान शिव के रुद्र अवतार हैं, तब सभी देवताओं ने हनुमानजी को कई शक्तियां दीं। देवताओं ने जिन मंत्रों और हनुमानजी की विशेषताओं को बताते हुए उन्हें शक्ति प्रदान की थी, उन्हीं मंत्रों के सार को गोस्वामी तुलसीदास ने हनुमान चालीसा में वर्णित किया है। हनुमान चालीसा में मंत्र नहीं हैं लेकिन हनुमानजी की पराक्रम की विशेषताएं बताई गईं हैं। हनुमान चालीसा में ही ऐसी 5 चौपाईयां हैं, जिनका यदि नियमित सच्चे मन से वाचन किया जाए तो यह परम फलदायी सिद्ध होती हैं। हनुमान चालीसा का वाचन मंगलवार या शनिवार करना शुभ होता है। ध्यान रखें हनुमान चालीसा की इन चौपाइयों को पढ़ते समय उच्चारण की त्रुटि न करें।

भूत-पिशाच निकट नहीं आवे। महावीर जब नाम सुनावे।।

उपाय- यदि व्यक्ति को किसी भी प्रकार का भय सताता है तो नित्य रोज प्रातः और सायंकाल में 108 बार इस चौपाई का जाप किया जाये तो सभी प्रकार के भय से मुक्ति मिलती है।

नासै रोग हरै सब पीरा। जपत निरंतर हनुमत बल बीरा।।

उपाय- यदि व्यक्ति बीमारियों से घिरा रहता है तो निरंतर सुबह-शाम 108 बार जप करके तथा मंगलवार को हनुमान जी की मूर्ति के सामने पूरी हनुमान चालीसा के पाठ से रोगों की पीड़ा खत्म हो जाती है।

अष्ट-सिद्धि नवनिधि के दाता। अस बर दीन जानकी माता।।

उपाय- यदि जीवन में व्यक्ति को शक्तियों की प्राप्ति करनी है ताकि जीवन निर्वाह में मुश्किलों का कम सामना करना पड़े तो नित्य रोज, ब्रह्म मुहूर्त में आधा घंटा इन पंक्तियों के जप से लाभ प्राप्त हो सकता है।

विद्यावान गुनी अति चातुर। रामकाज करीबे को आतुर।।

उपाय- यदि किसी व्यक्ति को विद्या और धन चाहिए तो इन पंक्तियों के जप से हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त हो जाता है। प्रतिदिन 108 बार ध्यानपूर्वक जप करने से व्यक्ति के धन सम्बंधित दुःख दूर हो जाते हैं।

भीम रूप धरि असुर संहारे। रामचंद्रजी के काज संवारे।।

उपाय- यदि कोई व्यक्ति शत्रुओं से परेशान हैं या व्यक्ति के कार्य नहीं बन पा रहे हैं तो हनुमान चालीसा की इस चौपाई का कम से कम 108 बार जप करना चाहिए।

जैन मुनि को केश-लोचन करना अनिवार्य होता है

हाल ही में गुजरात 12वीं बोर्ड में 99.99 प्रतिशत हासिल करने वाले वर्शिल शाह जैन, जैन संत बन गए हैं। वर्शिल महज 17 साल के हैं और गुजरात के ही पालड़ी के रहने वाले हैं। दर्शिल अब जैन मुनि सुवीर्य रत्न विजयजी महाराज के नाम से जाने जाएंगे। पिछले वर्षों में गौर किया जाए तो युवाओं द्वारा संन्यास लेने की सिलसिला काफी बड़ा है। जैन धर्म के अनुयायियों के लिए भले ही यह पूरा घटनाक्रम सकारात्मक हो, लेकिन जैन धर्म के इतिहास पर नजर डालें तो पाएंगे कि जैन धर्म में संन्यास लेने वाले अनुयायी को मुनि की उपाधि दी जाती है। संन्यास लेने के बाद जैन मुनि को निर्ग्रन्थ भी कहा जाता है। मुनि शब्द पुरुषों के लिए तो आर्यिका शब्द स्त्री संन्यासियों को संबोधित किया जाता है। प्रत्येक जैन मुनि को केश-लोच करना अनिवार्य होता है।

तो क्या इतना प्राचीन है जैन धर्म

जैन धर्म ग्रंथों के अनुसार यह धर्म अनादि और सनातन है। यदि आर्यों के भारत आने के बाद से भी देखा जाये तो ऋषभदेव और अरिष्टनेमि को लेकर जैन धर्म की परंपरा वेदों तक पहुंचती है। पुराणों में वर्णित है महाभारत के युद्ध के समय इस संप्रदाय के प्रमुख नेमिनाथ थे, जो जैन धर्म में मान्य तीर्थंकर हैं। आठवीं सदी में 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ हुए, जिनका जन्म काशी में हुआ था। काशी के पास ही 11वें तीर्थंकर श्रेयांसनाथ का जन्म हुआ था। इन्हीं के नाम पर सारनाथ का नाम प्रचलित है। जैन धर्म में श्रमण संप्रदाय का पहला संगठन पार्श्वनाथ ने किया था। ये श्रमण वैदिक परंपरा के विरुद्ध थे। महावीर तथा बुद्ध के काल में ये श्रमण कुछ बौद्ध तथा कुछ जैन हो गए थे। इन दोनों ने अलग-अलग अपनी शाखाएं बना लीं। भगवान महावीर जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर थे, जिनका जन्म लगभग ई.पू. 599 में हुआ और जिन्होंने 72 वर्ष की आयु में देहत्यागी। महावीर स्वामी ने शरीर त्यागने से पहले जैन धर्म की नींव काफी मजबूत कर दी थी। अहिंसा को उन्होंने जैन धर्म में अच्छी तरह स्थापित कर दिया था। सांसारिकता पर विजयी होने के कारण वे जिन (जयी) कहलाए। उन्हीं के समय से इस संप्रदाय का नाम जैन हो गया।

क्या आप भी भगवान को फूल चढ़ाते हैं

राजा राम मोहन राय के बगीचे में बड़े ही सुंदर फूलों के पेड़ लगे थे। एक व्यक्ति था जो हर रोज वहां आता और उनसे पूछे बिना ही पूजा के लिए फूल तोड़ कर ले जाता। यह सिलसिला लगातार कई दिनों तक चलता रहा। रोज की तरह ही एक दिन उस व्यक्ति ने फूल तोड़ने के लिए अपनी चादर उतारी और पेड़ पर लटका कर फूल तोड़ने लगा। उसी समय राजा राम मोहन राय के आदेशानुसार एक सेवक ने उस व्यक्ति की वह चादर उठा ली और राजा राम मोहन राय को दे दी।

फूल तोड़ने के बाद जब वह व्यक्ति अपनी चादर लेने के लिए उस पेड़ के पास गया, जहां उसने उसे लटकाई थी, तो वहां चादर न देख वह हैरान रह गया और सोचने लगा कि आखिर उसकी चादर गई कहां? वह गुस्से से आग-बबूला हो गया। कुछ देर बाद राजा राम मोहन राय आए और उन्होंने उस व्यक्ति को उसकी चादर लौटाते हुए कहा, 'अब तो खुश हैं आप, आपको आपकी चादर वापस मिल गई।

उस व्यक्ति ने गुस्से में ही जवाब दिया, खुश? इसमें खुश होने वाली कौन-सी बात है, मुझे अपनी ही वस्तु मिली है।''

राजा राम मोहन राय ने उस व्यक्ति से पूछा, आप रोज फूल तोड़कर कहां ले जाते हैं?

उस व्यक्ति ने जवाब दिया, मैं ये फूल तोड़कर मंदिर में ले जाता हूं। भगवान को खुश करने के लिए उनको ये फूल अर्पित करता हूं।

राजा राम मोहन राय ने उस व्यक्ति का यह जवाब सुनकर कहा, पहली बात तो यह कि आप बिना पूछे ही फूल तोड़कर ले जाते हैं। चलो कोई बात नहीं, लेकिन आप भगवान की दी हुई वस्तु भगवान को अर्पित करते हैं, तो इससे भगवान खुश होते हैं क्या?

उस व्यक्ति ने कहा, क्यों नहीं, भगवान को फूल ही तो पसंद हैं, भगवान को फूलों से खुशी मिलती है।

राजा राम मोहन राय ने उस व्यक्ति से कहा, तो आपको चादर मिलने पर खुशी क्यों नहीं हुई?

राजा राम मोहन राय की यह बात सुनकर वह व्यक्ति सोच में पड़ गया और राजा राम मोहन राय बिना कुछ और कहे लौट गए।

संसार का हर धर्म शुभ-अशुभ और पाप-पुण्य के इर्द-गिर्द घूमता रहता है। अच्छे-बुरे या पाप-कर्म और पुण्य कर्म का चयन मनुष्य स्वयं करता है। यदि हम हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार विचार करें तो सगुण ईश्वर का अवतार अशुभ के विनाश के लिए ही होता है। जैसा कि गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं जब-जम अधर्म का विस्तार होता है मैं धर्म की स्थापना के लिए अवतार ग्रहण करता हूं।

पाप-कर्म और पुण्य-कर्म का चयन मनुष्य स्वयं करता है

शुभ और अशुभ व पुण्य और पाप की समस्या कर्म-फल-सिध्दांत पर आधारित हैं। जीव यदि अशुभ कर्मों की ओर प्रेरित होता है तो इसके पीछे उसकी अल्पज्ञता, अज्ञान होता है। संसार का हर धर्म शुभ-अशुभ और पाप-पुण्य के इर्द-गिर्द घूमता रहता है। ईसाई धर्म में ईश-चिंतन के संदर्भ में उक्त विचारधारा प्राप्त होती है। ईश्वर परम शुभ है। अतः उस पर पाप या अशुभ का आरोपण नहीं किया जा सकता। बाइबिल में काम-वासना को पाप या अशुभ की संज्ञा दी गई है और उसका शैतान कहा गया है। ईसाई नीतिशास्त्र में पाप या अशुभ पर विचार करते हुए कतिपय महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए गए हैं। इस संसार का निर्माण परमेश्वर ने किया, किन्तु संसार में सर्वत्र पाप ही पाप है। यदि ईश्वर ने सृष्टि की रचना की और ईश्वर शुभ और सर्वशक्तिमान है तो सृष्टि में शुभ ही शुभ होना चाहिए। ईसाई धर्म के अनुसार ईश्वर ने मनुष्य को कर्म की स्वतंत्रता प्रदान की है। अतः अच्छे-बुरे या पाप-कर्म और पुण्य कर्म का चयन मनुष्य स्वयं करता है। यदि हम हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार विचार करें तो सगुण ईश्वर का अवतार अशुभ के विनाश के लिए ही होता है। जैसा कि गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं जब-जम अधर्म का विस्तार होता है मैं धर्म की स्थापना के लिए अवतार ग्रहण करता हूं। बाइबिल में ईसा मसीह को पुत्रेश्वर कहा गया है। परमेश्वर के पुत्र के रूप में ईसा मसीह संसार के पापों को दूर करने के लिये-ही धरती पर आए थे।

मालवा की वैष्णो देवी नीमच की भादवा माता

गुप्त नवरात्र शुरू हो गए हैं। इस मौके पर हम आपको एक ऐसे शक्तिपीठ के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके बारे में कहा जाता है कि उनकी कृपा से शहर में कोई भूखा नहीं सोता। किसी के पास पैसे की तंगी नहीं रहती है। लोक कथाओं के अनुसार, हरसिद्धि मंदिर में उज्जैन के राजा रहे विक्रमादित्य की आराध्य देवी का वास है। शिवपुराण के अनुसार दक्ष प्रजापति के हवन कुंड में माता के सती हो जाने के बाद भगवान भोलेनाथ सती को उठाकर ब्रह्मांड में ले गए थे। इस दौरान माता सती के अंग जिन स्थानों पर गिरे, वहां शक्तिपीठ स्थापित हो गए। कहा जाता है इस स्थान पर माता के दाहिने हाथ की कोहनी गिरी थी और इसी कारण से यह स्थान भी एक शक्तिपीठ बन गया है। स्कंद पुराण के अनुसार, देवी को चंड एवं मुंड नामक राक्षस के वध के लिए भगवान शिव से सिद्धि मिली थी, इसीलिए वह हरसिद्धि कहलाईं। गर्भगृह में एक शिला पर श्रीयंत्र उत्कीर्ण है, जो शक्ति का प्रतीक है। यहां माता लक्ष्मी, महासरस्वती के साथ ही अन्नपूर्णा माता विराजमान हैं। यह स्थान उज्जैन के प्राचीन देवी स्थानों में अपना विशेष महत्व रखता है। वर्तमान में मंदिर के पुनर्निर्माण का श्रेय मराठों को जाता है। मंदिर के सामने मराठा वास्तुकला के अनुसार दीप स्तंभ स्थापित किए गए हैं, जिनमें 1001 दिये बने हुए हैं। दक्षिण में बनी एक बावड़ी पर 1447 संवत का एक शिलालेख भी उत्कीर्ण है। मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित शेषनारायण गोस्वामी ने बताया कि गर्भगृह में सबसे ऊपर विराजमान हैं मां अन्नपूर्णा, जिनकी वजह से उज्जैनी में हमेशा भंडारे चलते रहते हैं। कहा जाता है कि उनकी कृपा से उज्जैन में कोई भूखा नहीं सोता है। बीच में मां लक्ष्मी के स्वरुप में है, जिनकी वजह से किसी को भी लक्ष्मी की कमी नहीं आती। सबसे नीचे विराजित हैं महाकाली।

संक्षिप्त खबरें

महिला की संदिग्ध हालत में मौत, हत्या का आरोप

मोतिहारी। मुफस्सिल थाने के कटहां गांव की एक महिला की संदिग्ध हालत में मौत हो गयी। मृतका शबनम खातून कटहां के शमीम अंसारी की पत्नी थी। सुबह में ससुराल वालों ने उसके मायके में फोन कर बताया कि शबनम की मौत हो गयी है। तबीयत बिगड़ने पर उसे निजी नर्सिंग होम लेकर गये थे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। आनन-फानन में परशुरामपुर से उसके मायके वाले अस्पताल पहुंचे।

जमीन विवाद : दो गुटों में झड़प, एक को लगी गोली

सीतामढ़ी/परसौनी। जिले के परसौनी थाना क्षेत्र के कठौर गांव के वार्ड नंबर 10 में रविवार को पूर्व के जमीन संबंधी विवाद को लेकर झड़प हो गयी। इसमें एक गुट के लोगों ने गोली चला दी। इसमें एक भाई गोली लगने से बुरी तरह जख्मी हो गया, जबकि दूसरे भाई को रॉड से प्रहार कर बुरी तरह लहूलुहान कर दिया गया। गोली से जख्मी अशर्फी साह के पुत्र गोपाल साह (38) व रॉड से जख्मी पंकज साह (35) को इलाज के लिए पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने सदर अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन ने दोनों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया है।

अस्पताल से बच्ची को ले उड़ीं दो महिलाएं

नरकटियागंज (पचं)। अनुमंडलीय अस्पताल परिसर से एक माह की बच्ची को दो महिलाएं मिलकर ले उड़ी हैं। बच्ची के गायब होने के बाद परिजनों समेत अस्पताल में हड़कम्प मच गया। बच्ची के गायब किये जाने के बाद अस्पताल प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो गये हैं। मामले में बच्ची के पिता सीतापुर बलुआ गांव निवासी गुड्डू कुमार ने शिकारपुर पुलिस को घटना से अवगत कराते हुए शिकायत की है। थानाध्यक्ष अवनीश कुमार ने बताया कि मामला गंभीर है। जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है। एसआई अनिल कुमार को जांच की जिम्मेवारी सौंपी गयी है।

मुखिया से लेवी मांगने का आरोपी नक्सली अरेस्ट

सोनो (जमुई)। चरकापत्थर थाना क्षेत्र अंतर्गत छुछनरिया पंचायत के मुखिया से लेवी मांगने का आरोपित नक्सली को पुलिस ने शनिवार रात शेखपुरा जिला अंतर्गत कसार थाना क्षेत्र के ससबहना से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार नक्सली ससबहना निवासी पवन हंस है। पवन पर छुछुनरिया पंचायत के मुखिया से आठ लाख रुपये लेवी मांगने का आरोप है। चरकापत्थर थानाध्यक्ष अनिरुद्ध कुमार ने बताया कि बीते नौ जनवरी को छुछुनरिया पंचायत के मुखिया के मोबाइल पर कॉल कर आठ लाख रुपये लेवी मांगी गयी व राशि नहीं देने पर जान मारने की धमकी दी गयी थी।

मंत्री के भाई पिन्नू के आवास से पिस्टल बरामद

बेतिया। मंत्री के भाई रवि कुमार पिन्नू के निशानदेही पर पावर हाउस स्थित आवास से पिस्तौल बरामद कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि यह लाइसेंसी पिस्टल है। जिसका लाइसेंस श्रद्धा रवि के नाम पर निर्गत है। साथ में 7।62 एमएम का आठ कारतूस भी बरामद किया गया है। एसडीपीओ विवेक दीप ने बताया कि मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महनागनी स्थित एक राइस मिल से विगत 11 जनवरी को दिनदहाड़े मजदूर शिवपूजन महतो को जबरन ले आने में इसी पिस्टल का उपयोग किया गया था।

मां ने लगायी फटकार, तो युवती ने दी जान

गोपालगंज। मांझा थाना क्षेत्र के गौसिया गांव में फोन से बात करने पर मां ने युवती को फटकार लगायी जिससे नाराज युवती ने गले में फंदा लगाकर जान दे दी। इसकी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने युवती का शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया, तथा मामले की जांच में जुट गई। जानकारी के अनुसार मांझा थाना क्षेत्र के गौसिया गांव के बिरबर यादव की पुत्री 18 वर्षीय सविता कुमारी कही फोन से बात कर रही थी। फोन से बात करते हुए देख उसकी मां ने युवती को फटकार लगायी, तो नाराज होकर युवती ने शनिवार की देर रात में गले में फंदा लगाकर जान दे दी।

कटिहार: गंगा नदी में पलटी नाव, तीन लोगों की हुई मौत

पातः नागपुरी प्रतिनिधि

कटिहार। बिहार के कटिहार जिले में रविवार सुबह गंगा नदी में एक बड़ा हादसा हो गया। गोलाघाट से झारखंड के सकरी गली की ओर जा रही एक नाव बीच नदी में पलट गई। नाव पर करीब 18 लोग सवार थे। इस दुर्घटना में अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें एक बच्चा भी शामिल है। चार लोगों को बचा लिया गया है, जबकि चार अन्य अब भी लापता हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, रविवार सुबह करीब 8:30 बजे, डेंगी नाव गोलाघाट से सकरी गली के लिए रवाना हुई। नदी के बीच धारा में पहुंचते ही नाव का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गई। हादसे के बाद यात्रियों में हड़कंप मच गया। कुछ लोग तैरकर किनारे तक पहुंचने में सफल रहे, लेकिन कई यात्री डूब गए।

राहत और बचाव कार्य शुरू : घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग और प्रशासन तुरंत हरकत में आ गए। बचाव कार्य के लिए गोताखोरों की मदद ली जा रही है। अब तक तीन शव बरामद किए गए हैं, जिनमें एक बच्चे का शव भी शामिल है। चार लोगों को सुरक्षित निकालकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। लापता चार लोगों की खोजबीन अभी भी जारी है।

नाव हादसे की वजह क्या : स्थानीय लोगों का कहना है कि नाव पर क्षमता से अधिक लोग सवार थे, जिसके चलते नाव का संतुलन बिगड़ गया। प्रशासन मामले की जांच कर रहा है। घटना ने नावों की सुरक्षा और क्षमता से अधिक भार उठाने की समस्याओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मामले पर क्या कहना है अधिकारियों का : घटनास्थल पर बीडीओ दुर्गेश कुमार, सीओ स्नेहा कुमारी और थानाध्यक्ष कुंदन कुमार राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। थानाध्यक्ष कुंदन कुमार ने बताया, 'नाव पर कुल 18 लोग सवार थे। इनमें से 11 लोग तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आए। तीन शव बरामद किए गए हैं और बाकी चार लोगों की तलाश जारी है।'

माहौल गमगीन : इस हादसे के बाद इलाके में शोक की लहर है। प्रशासन ने पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है। यह घटना क्षेत्र में नावों की सुरक्षा व्यवस्था पर ध्यान देने की सख्त जरूरत को उजागर करती है।

डिजिटल अरेस्ट कर डॉक्टर से 15 लाख की साइबर ठगी

सिकंदरा (जमुई)। साइबर ठगी का एक ताजा मामला सिकंदरा के एक प्रसिद्ध चिकित्सक केपी शर्मा के साथ सामने आया है। साइबर अपराधियों ने माता सुग्गिवती मेमोरियल हॉस्पिटल के संचालक एमबीबीएस चिकित्सक डॉ कैलाश प्रसाद शर्मा उर्फ केपी शर्मा को डिजिटल अरेस्ट कर 15 लाख रुपये की ठगी कर ली। चार जनवरी को डॉ शर्मा के मोबाइल पर कॉल कर साइबर अपराधियों ने खुद को मुंबई पुलिस का अधिकारी बताते हुए कहा कि आपके मोबाइल में यूज हो रहे सिम से लड़की का अश्लील फोटो भेजा जा रहा है। मोबाइल से लड़की को वीडियो कॉल किया जा रहा है। साथ ही डॉ केपी शर्मा के ऊपर मुंबई थाने में विदेश से सामान मंगवाने, मनी लॉन्ड्रिंग समेत 17 आरोपों को लेकर प्राथमिकी दर्ज होने व उक्त मामलों में गिरफ्तारी वारंट जारी होने की धमकी भी साइबर अपराधियों के द्वारा दी गयी। इन सभी चीजों का भय दिखाकर साइबर ठगों ने बोला कि मैं मुंबई पुलिस का अधिकारी बोल रहा हूं। आपके खिलाफ वारंट जारी हो गया है, लेकिन मैं आपको गिरफ्तारी से बचा सकता हूं। मैं जैसा कहूंगा वैसा आपको करना पड़ेगा। अपराधियों ने चिकित्सक से कहा कि आपके खाते में जितनी राशि है, हमारे अकाउंट पर भेजिए। जांच के बाद पैसे की वापसी कर दी जायेगी। साइबर अपराधियों द्वारा मुंबई पुलिस का फर्जी आइडी, फर्जी वर्दी की फोटो एवं सारा फर्जी सबूत देकर डॉ केपी शर्मा को धमकाया गया। इसके बाद साइबर अपराधियों द्वारा भेजे गये बैंक खाता पर चिकित्सक ने दो बार में 15 लाख रुपये दो अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिया। इस दौरान चिकित्सक ने विकास अनंता के खाते में 11 लाख व सिटी यूनियन बैंक जोधपुर शाखा के अकाउंट हितेश कुमार के नाम पर चार लाख रुपया भेजा। उसके बाद साइबर अपराधियों ने डॉ। केपी शर्मा पर और पैसा भेजने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। पैसा नहीं भेजने की स्थिति में सीबीआई रेड होने का भी भय दिखाया गया।

पश्चिम चंपारण में पिछले 36 घंटों में पांच की संदिग्ध हालात में मौत

पटना। बिहार के पश्चिम चंपारण जिले में पांच लोगों की संदिग्ध हालात में मौत हो गयी है। यह आंकड़ा पिछले 36 घंटे का है। यह घटना जिले के लौरिया थाना क्षेत्र के मठिया गांव की है।

बताया जा रहा है कि लौरिया थाना के मठिया गांव में 36 घंटे में एक-एक कर पांच लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतकों में मठिया पंचायत के वार्ड छह निवासी मनीष चौधरी (30), सुरेश चौधरी (50), नेयाज साह (35), वार्ड चार निवासी प्रदीप कुमार गुप्ता (30) और वार्ड 9 निवासी शिव राम (58) हैं। सभी ने एक साथ कुछ खाया-पीया था। सभी मृतकों का अंतिम संस्कार कर दिया गया है।स्वास्थ्य विभाग की टीम मृतकों के परिजनों से बात कर जानकारी जुटा रही है। पता लगाया जा रहा है कि मौत से पहले उनमें कौन से लक्षण दिखे थे।प्रशासनिक अधिकारी मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए अभी पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। मामले में पुलिस की जांच भी चल रही है। मेडिकल टीम को सभी प्रभावित लोगों की जांच कराने का निर्देश दिया गया है।

गया-किऊल रेलखंड की दोनों लाइनों पर फरवरी से शुरू होगा ट्रेनों का परिचालन

गया। गया-किऊल रेलखंड के अप और डाउन के दोनों लाइनों पर ट्रेनों का परिचालन शुरू होनेवाला है। सब कुछ ठीक-ठाक रहा, तो फरवरी में दोनों लाइन चालू होने की संभावना जतायी गयी है। यही नहीं, गया-किऊल रेलखंड पर कामकाज काफी तेजी से की जा रही है। ताकि, समय सीमा के अंदर पूरा हो सकें। गया-किऊल रेलखंड पर ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों की सुविधाओं में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। यात्रियों को सफर में परेशानी नहीं हो, इस पर विशेष नजर रखी जा रही है।

सारण के क्रिकेट प्रेमियों को मिली सौगात : बॉक्स क्रिकेट स्टेडियम का सांसद रूडी ने किया उद्घाटन

- स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया के सहयोग से राजेंद्र स्टेडियम में हुआ निर्माण

छपरा (सारण)। नववर्ष में सारण जिला के क्रिकेट खिलाड़ियों को एक अनुपम तोहफा मिला है। यह तोहफा बॉक्स क्रिकेट स्टेडियम के रूप में मिला है। रविवार को राजेन्द्र स्टेडियम के परिसर में नवनिर्मित बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड, क्रिकेट पिच एवं प्रैक्टिस टेनिस बॉल का उद्घाटन सारण के सांसद राजीव प्रताप रूड़ी ने किया। जिलाधिकारी अमन समीर की पहल से इस बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड का निर्माण स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया (सेल) द्वारा उपलब्ध कराई गई सीएसआर निधि से कराया गया है।

90 लाख लागत से हुआ तैयार : डीएम अमन समीर ने बताया कि सारण के क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए यह मिल का पत्थर साबित होगा। खिलाड़ी इस क्रिकेट स्टेडियम बॉक्स में प्रैक्टिस कर सकेंगे। इसके निर्माण में लगभग 90 लाख रुपये की लागत आई है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष, सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं क्रिकेट प्रेमी मौजूद थे।

क्या है बॉक्स क्रिकेट : सरल शब्दों में कहें तो बॉक्स क्रिकेट एक प्रकार का क्रिकेट है जो घर के अंदर खेला जाता है। आमतौर पर नेट की सीमा के अंदर। बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड एक मिनी क्रिकेट स्टेडियम की तरह दिखता है। इन सीमाओं के भीतर खेला जाने वाला क्रिकेट आम तौर पर मौज-मस्ती के लिए होता है। जिसमें अपरंपरागत नियम होते हैं। जो पारंपरिक क्रिकेट से अलग होते हैं। उदाहरण के लिए बॉक्स क्रिकेट 6 बनाम 6 या 8 बनाम 8 की टीमों में खेला जाता है। यदि टीमें मिश्रित लिंग वाली हैं तो दोनों टीमों में महिला खिलाड़ियों की संख्या समान होनी आवश्यक है। समय की पाबंदी के कारण बॉक्स क्रिकेट तीन से 12 ओवर तक चलता है। जिससे खेल में रक्षात्मक बल्लेबाजी या डॉट बॉल के लिए कोई जगह नहीं बचती। इस तथ्य के बावजूद कि बॉक्स क्रिकेट आमतौर पर मनोरंजन के लिए खेला जाता है। इसे सीखने के कुछ स्पष्ट लाभ हैं। जो संभवतः आपको एक महान क्रिकेट खिलाड़ी बना सकते हैं।

सीएम नीतीश कुमार आज आयेंगे सुपौल, तैयारी पूरी

एजेंसियां

सुपौल। प्रगति यात्रा के दौरान सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सुपौल आयेंगे। सीएम के साथ उप मुख्यमंत्री सहित अन्य मंत्री व विभिन्न विभागों के सचिव भी आयेंगे। सीएम के आगमन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सारी तैयारियां पूरी कर ली गयी है। सीएम के कार्यक्रम स्थल सदर प्रखंड के बकौर पंचायत स्थित वार्ड नंबर 05 परसौनी पुनर्वास, त्रिवेणीगंज, पिपरा, सुधा डेयरी, नवनिर्मित टाउन हॉल भवन, समाहरणालय में तैयारी एवं सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। समाहरणालय स्थित लहटन चौधरी सभागार भवन को दुल्हन की तरह सजाया गया है। प्रगति यात्रा के दौरान सीएम 29 हजार 807।29 करोड़ रुपये का सौगात देंगे। यात्रा के क्रम में सीएम 16 हजार 384।54 करोड़ की लागत से 158 योजनाओं का शिलान्यास करेंगे। वहीं 13 हजार 422।75 करोड़ की लागत से 52 पूर्ण योजनाओं का उद्घाटन करेंगे। यात्रा के क्रम में सीएम सुपौल में 04 घंटे 10 मिनट का वक्त बितायेंगे।

पेज एक का शेष

डोनाल्ड ट्रंप की...

पहली बार शपथ ग्रहण में विदेशी मेहमान शामिल होंगे। डोनाल्ड ट्रंप वॉशिंगटन पहुंच चुके हैं, वो फ्लोरिडा से स्पेशल विमान से परिवार समेत वॉशिंगटन पहुंचे। इस फ्लाइट को स्पेशल एयर मिशन-47 नाम दिया गया था। मिशन-47 का मतलब है कि डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति होंगे। ट्रंप के शपथ ग्रहण को लेकर एक तरफ उनके विरोधी गुस्से में हैं, जबकि उनके समर्थक निराश हैं। निराशा की वजह संसद के अंदर होने वाला शपथ ग्रहण है। ट्रंप के शपथ ग्रहण में शामिल होने के लिए उनके समर्थक जोश में था। बड़ी संख्या में उन्हें शामिल भी होना था, लेकिन प्रोग्राम संसद के अंदर होने से उनके अरमानों पर पानी फिर गया।

अमेरिका की राजनीति में व्हाइट हाउस छोड़ने के 4 साल बाद वापसी करना करीब-करीब असंभव माना जाता है, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप इस नामुमकिन लक्ष्य को मुमकिन बनाकर इतिहास रचने जा रहे हैं। ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दोबारा शपथ लेकर एक पूर्व राष्ट्रपति के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे। ग्रोवर क्लीवलैंड पहले अमेरिकी राष्ट्रपति थे, जिन्होंने व्हाइट हाउस से 4 साल बाहर होने के बाद जोरदार वापसी का 131 साल पहले रिकॉर्ड बनाया था। ग्रोवर क्लीवलैंड 1885 से 1889 और 1893-1897 तक अमेरिका के 2 बार राष्ट्रपति रहे। उनके बाद डोनाल्ड ट्रंप दूसरे ऐसे नेता हैं, जिन्होंने 4 साल के अंतराल के बाद सत्ता में वापसी की है।

महाकुंभ मेले...

महाकुंभ मेला क्षेत्र को फायर फ्री बनाने के लिए यहां 350 से ज्यादा फायर ब्रिगेड, 2000 से ज्यादा ट्रेंड मैनपावर, 50 अग्निशमन केंद्र और 20 फायर पोस्ट बनाए गए हैं। अखाड़ों और टेंट में फायर प्रोटेक्शन इक्विपमेंट लगाए गए हैं।

छोटे सिलेंडर से चाय बनाते समय आग लगी : गीता प्रेस की रसोई में छोटे सिलेंडर से चाय बनाते समय सिलेंडर लीक होने से आग लगने की बात सामने आई है। आग लगने से रसोई में रखे 3 गैस सिलेंडर फट गए और 40 घास-फूस की झोपड़ियां, संजीव प्रयागवाल के टेंट जल गए। आग के दौरान भागते समय जसप्रीत पैर में चोट लगने से घायल होकर अचेत हो गए। उन्हें इलाज के लिए एंबुलेंस से महाकुंभ मेला के केंद्रीय चिकित्सालय में लाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद स्वरूपरानी मेडिकल कॉलेज, प्रयागराज भेज दिया गया है। आग लगने से टेंट में रखे दैनिक उपयोग की वस्तुएं, बिस्तर, चारपाई, कंबल, कुर्सी आदि जल कर नष्ट हो गए।

गीता प्रेस के ट्रस्टी बोले-180 कॉटेज जले हैं : गीता प्रेस के ट्रस्टी कृष्ण कुमार खेमका ने बताया, लगभग 180 कॉटेज बने हुए थे। हमने बहुत सावधानी से बनाया था। सभी को मना किया गया था कि किसी प्रकार का अग्नि का कोई काम ना करें। जहां हमने सीमा बनाई उसके पार सर्कुलेटिव एरिया घोषित किया गया था। पता नहीं प्रशासन ने वह जगह किसे दी... उस तरफ से अग्नि की कोई चीज हमारे तरफ आई और आग फैल गई। हमारा कुछ नहीं बचा सब खत्म हो गया। हमारी रसोई टीन शेड की थी, पक्की थी।

मंत्री एके शर्मा ने गीता प्रेस से की बात : उत्तर प्रदेश सरकार के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने गीता प्रेस से जुड़े लोगों से मुलाकात की। उन्होंने अग्निकांड से हुए नुकसान का भी जायजा लिया।

पूरे मेला क्षेत्र की काटी गई बिजली : डिप्टी कमांडेंट ने बताया कि फाइनल जांच चल रही है। अभी तक किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। गीता प्रेस के पास कुछ कैंप में आग लगी थी, उसको काबू कर लिया गया है। अंतिम जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

हजारीबाग में सड़क...

इनमें से तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जिनमें कई घायल लोगों की हालत नाजुक बताई जा रही है।

ये लोग हुए घायल : हादसे में घायलों में बस का कंडक्टर फुसरो निवासी मनोज कुमार पंडित, अरजरी गांव निवासी सन्नी कुमार पिता सुरेश लाल, फुसरो निवासी बजरंग नोनिया, खरिका गांव निवासी शांति देवी, बीरबल नोनिया, रूनिया देवी, हीरालाल हांसदा आदि शामिल हैं। घायलों को इलाज के लिए हजारीबाग स्थित शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज में दाखिल कराया गया है। तीनों मृतकों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजे गए हैं।

राहुल गांधी के...

राहुल का यह बयान अब उनपर भारी पड़ता जा रहा है। राहुल गांधी ने यह बयान 15 जनवरी 2025 को दिल्ली के कोटला रोड स्थित नए कांग्रेस पार्टी मुख्यालय के उद्घाटन के दौरान दिया था। यह एफआईआर बीएनएस की धारा 152 और 197(1)डी के तहत दर्ज की गई है।

क्या है पूरा मामला : लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा, ऐसा मत सोचिए कि हम निष्पक्ष लड़ाई लड़ रहे हैं। इसमें कोई निष्पक्षता नहीं है। अगर आप मानते हैं कि हम बीजेपी या आरएसएस से लड़ रहे हैं, तो आप समझ नहीं पाए हैं कि क्या हो रहा है। भाजपा और आरएसएस ने हमारे देश की हर संस्था पर कब्जा कर लिया है। अब हम बीजेपी और आरएसएस से ही नहीं, बल्कि इंडिया स्टेट से लड़ रहे हैं।

शिकायतकर्ता ने क्या लगाया है आरोप : शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी के बयान से भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरा हो सकता है। मोनजीत चेतिया के अनुसार, राहुल गांधी ने स्वतंत्रता की सीमा का उल्लंघन किया और उनका बयान राष्ट्रीय सुरक्षा तथा सार्वजनिक व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करता है। चेतिया ने यह भी आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने जानबूझकर विध्वंसक गतिविधियों और विद्रोह को बढ़ावा देने की कोशिश की है। उनका कहना है कि इस प्रकार की टिप्पणियाँ अलगाववादी भावनाओं को भड़काने और अशांति पैदा करने का प्रयास कर सकती हैं।

साइबर क्राइमः बोकारो..

ढाई घंटे तक बातचीत में अपराधी ने डॉक्टर को नासिक जाकर एफआईआर दर्ज कराने या ऑनलाइन काउंटर एफआईआर का सुझाव दिया। डॉक्टर ने नासिक जाने में असमर्थता जताई, जिसके बाद अपराधी ने उन्हें ऑनलाइन एफआईआर का विकल्प दिया।

फर्जी बैंक खातों और मनी लॉन्ड्रिंग का हवाला : इसके बाद शातिर ने चिकित्सक को झांसे में लेने के लिए स्पीकर पर फोन रखकर किसी और से बात कराई। उधर से जवाब आया कि इस नंबर से पांच प्रदेशों में अवैधानिक कार्य चल रहा है। अपराधी ने डॉक्टर को फर्जी बैंक खाता खोलने और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों का डर दिखाया। उसने दावा किया कि डॉक्टर के नाम से केनरा बैंक में खाता खोला गया है, जिससे नरेश गोयल के मनी लॉन्ड्रिंग मामले का कनेक्शन है।

अपराधी ने गैर-जमानती वारंट की कॉपी भेज कर डराया : डर दिखाने और भ्रमित करने के बाद, अपराधियों ने डॉक्टर से कहा कि 247 संदिग्ध खातों में से एक में उन्हें 20,86,947 रुपये आरटीजीएस करना होगा, जो तीन दिनों में उनके खाते में वापस आ जाएगा। डॉक्टर को यकीन दिलाने के लिए अपराधियों ने कहा कि यह राशि कोर्ट में जमा हो रही है। 25 लाख रुपये और मांगने पर डॉक्टर को संदेह हुआ।

धमकी के बाद पुलिस का सहारा : अपराधियों ने डॉक्टर से सादे कागज पर लिखवाया कि वह इस घटना की जानकारी किसी को नहीं देंगे। जब डॉक्टर ने राशि देने से इनकार किया, तो उन्हें धमकी दी गई। इसके बाद डॉक्टर ने नंबर ब्लॉक कर पुलिस से मदद मांगी। साइबर थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इजरायल-हमास में...

इजरायल ने हमास पर सीजफायर की शर्तों को पालन नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा था कि हमास ने आज रिहा होने वाले 3 इजराइली बंधकों के नाम नहीं दिए हैं। अब हमास ने आज रिहा होने वाले बंधकों की सूची इजराइल को भेज दी है।

सीजफायर के बाद बड़े बदलाव : इस वजह से मध्य पूर्व में तबाही और राजनीतिक परिवर्तन आया है। गाजा में निवासियों और एक चिकित्सा कर्मचारी ने कहा कि उन्होंने इसे अंतिम रूप से लागू होने से लगभग आधे घंटे पहले से कोई नई लड़ाई या सैन्य हमले के बारे में नहीं सुना है। इस बीच एक फलस्तीनी अधिकारी ने कहा, देरी इसलिए हुई क्योंकि मध्यस्थों ने युद्धविराम के प्रोसेस से पहले 48 घंटे की 'शांति' मांगी थी, लेकिन समय सीमा समाप्त होने तक इजरायली हमले जारी रहे, जिससे लिस्ट भेजना मुश्किल हो गया।

हमास ने सौंपी बंधकों की लिस्ट : समय सीमा के दो घंटे बाद, हमास ने कहा कि उसने नामों की लिस्ट भेज दी है, और इजरायली अधिकारियों ने प्राप्ति की पुष्टि की। हमास ने जिन बंधकों को रविवार को रिहा करना था, उनके नाम रोमी गोनेन, डोरोन स्टीनब्रेचर और एमिली दामारी रखे हैं। इजरायल ने तुरंत नामों की पुष्टि नहीं की। युद्धविराम समझौते से गाजा युद्ध को समाप्त करने में मदद मिल सकती है, जो छोटे तटीय क्षेत्र को नियंत्रित करने वाले हमास की तरफ से अक्टूबर में इजरायल पर हमला करने के बाद शुरू हुआ था।

खनौरी बॉर्डर पर...

जारी रहेगा डल्लेवाल का अनशन : अनशन खत्म करने वाले किसानों को हरियाणा सीमा में से वापस मोर्चा स्थल पर लाया गया। किसानों ने जयकारे व नारे लगाते हुए मरणव्रत समाप्त किया। काका सिंह कोटड़ा ने स्पष्ट किया कि जगजीत सिंह डल्लेवाल का अनशन जारी है व मेडिकल ट्रीटमेंट आरंभ कर दिया गया है।

अभी आंदोलन समाप्त नहीं हुआ है- कोटड़ा : कोटड़ा ने कहा कि एमएसपी गारंटी कानून समेत अन्य दर्जन भर मांगों को पूरा करवाने के लिए गत वर्ष फरवरी माह से चल रहे आंदोलन का जीत की तरफ यह पहला कदम है। अभी आंदोलन समाप्त नहीं हुआ है, बल्कि केंद्र से बातचीत का दौर दोबारा शुरू होने जा रहा है, जो गत वर्ष फरवरी से बंद पड़ा था। किसानों के संघर्ष के दबाव के आगे केंद्र सरकार ने झुकते हुए गतिरोध को तोड़ते हुए बातचीत का प्रस्ताव भेजा है।

11 माह से खनौरी व शंभू बार्डर पर आंदोलन कर रहे किसान : केंद्र से किसानी मुद्दों पर 14 फरवरी को बातचीत का प्रस्ताव मिलने के बावजूद इन मोर्चों पर डटे रहेंगे। 26 जनवरी को देशभर में ट्रैक्टर मार्च का कार्यक्रम भी ज्यों का त्यों है, परंतु 20 जनवरी को देशभर में सांसदों के आवास पर प्रदर्शन का कार्यक्रम वापस ले लिया गया है। 21 जनवरी को 101 किसानों के शंभू बार्डर से दिल्ली कूच पर निर्णय सोमवार को दोनों फोरम की बैठक में होगा। इसी बैठक में 13 फरवरी को आंदोलन की वर्षगांठ मनाने तथा 21 फरवरी को युवा किसान शुभकरण की पहली बरसी की रूपरेखा घोषित की जाएगी। शुभकरण की दिल्ली कूच में गोली लगने से मौत हो गई थी।

बातचीत के प्रस्ताव के बाद 55 दिनों से आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने शनिवार मध्यरात्रि से मेडिकल ट्रीटमेंट लेना आरंभ कर दिया है तथा खनौरी बार्डर पर हरियाणा सीमा में अनशन पर बैठे 121 किसानों ने डल्लेवाल के आग्रह के बाद मरणव्रत समाप्त कर दिया है तथा वापस लौट आए हैं।

एकता, समता...

प्रधानमंत्री ने इस दौरान संविधान सभा में बहस के दौरान बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर, राजेन्द्र प्रसाद और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के संबोधनों के ऑडियो क्लिप का कुछ अंश भी सुनाया।

चुनाव आयोग को इस काम के लिए दिया धन्यवाद : प्रधानमंत्री ने इस दौरान 25 जनवरी को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय मतदाता दिवस का जिक्र करते हुए कहा कि यह दिन इसलिए अहम है, क्योंकि इसी दिन भारतीय निर्वाचन आयोग की स्थापना हुई थी। उन्होंने कहाकि हमारे संविधान निर्माताओं ने संविधान में हमारे चुनाव आयोग को, लोकतंत्र में लोगों की भागीदारी को, बहुत बड़ा स्थान दिया है। मैं चुनाव आयोग का भी धन्यवाद दूंगा, जिसने समय-समय पर, हमारी मतदान प्रक्रिया को आधुनिक बनाया है, मजबूत किया है। आयोग ने जन-शक्ति को और शक्ति देने के लिए, तकनीक की शक्ति का उपयोग किया। उन्होंने देशवासियों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में अपने-अपने मताधिकार का उपयोग करने और देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया सशक्त बनाने का भी आह्वान किया।

भारतीय महिला टीम...

भारत ने शुरुआत से बना लिया था दबाव : नेपाल ने टॉस जीतकर भारत को अटैक करने का न्योता दिया। कप्तान प्रियांक इंगले के नेतृत्व में भारतीय खिलाड़ियों ने शुरुआती टर्न में नेपाल को एक बार भी ड्रीम रन करने का मौका नहीं दिया और 34-0 की बढ़त बना ली। नेपाल ने दूसरे टर्न में अटैक करते हुए 24 अंक बनाकर वापसी की लेकिन इस दौरान बी चैत्रा ने ड्रीम रन पूरा कर भारत को भी एक अंक दिलाया। मध्यांतर के बाद भारत की बढ़त 35-24 की हो गई। भारतीय टीम तीसरे टर्न में अटैक करते हुए मैच पर पूरी तरह से हावी हो गई। टीम ने 73-24 की बढ़त के साथ जीत को लगभग पक्का कर लिया। चैत्रा ने चौथे टर्न में भी ड्रीम रन से पांच अंक जुटा कर नेपाल के खिलाड़ियों को परेशान किया। नेपाल की टीम इस टर्न में 16 अंक ही जुटा सकी।

इन टीमों पर भी भारत दर्ज कर चुका जीत : भारतीय महिला टीम ने ग्रुप चरण में दक्षिण कोरिया, ईरान और मलयेशिया पर शानदार जीत दर्ज करने के बाद क्वार्टर फाइनल में बांग्लादेश और सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका को एकतरफा अंदाज में हराया था।

पीएम मोदी ने दी बधाई : महिलाओं की ऐतिहासिक जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी। पीएम ने एक्स पर लिखा- 'भारतीय महिला टीम को पहली बार खो-खो विश्व कप जीतने पर बधाई! यह ऐतिहासिक जीत उनके अद्वितीय कौशल, दृढ़ संकल्प और टीम वर्क का परिणाम है। इस जीत ने भारत के सबसे पुराने पारंपरिक खेलों में से एक को और अधिक सुर्खियों में ला दिया है, जिससे देश भर के अनगिनत युवा एथलीटों को प्रेरणा मिली है। उम्मीद है कि यह उपलब्धि आने वाले समय में और अधिक युवाओं के लिए इस खेल को अपनाने का मार्ग प्रशस्त करेगी।'

तीन मंजिली बिल्डिंग...

कैसे लगी आग : तीन मंजिली बिल्डिंग के दो फ्लोर्स में कपड़ों का कारखाना चल रहा था, जहां लोअर तैयार किए जाते थे। तीसरी मंजिल पर शहनवाज और शमशाद अपने परिवार के साथ रहते थे। सुबह 6 बजे अचानक सेकेंड फ्लोर में आग लग गई, और कपड़ों के कारण आग तेजी से फैल गई।

बिल्डिंग में कौन-कौन था : बिल्डिंग में दो भाई अपने परिवार के साथ रहते थे। शाहनवाज अपनी पत्नी गुलबहार और बेटे जान और शान के साथ रहता था। वहीं शमशाद अपनी पत्नी आयशा और बेटे जीशान और अयान के साथ रहते थे। कुल आठ लोग बिल्डिंग के अंदर थे।

आग लगने से शाहनवाज की 32 वर्षीय पत्नी गुलबहार और दोनों बेटे (जान और शान) काल के गाल में समा गए। जान और शान की उम्र महज 9 साल थी। इनके साथ शमशाद का सात साल का बेटा जीशान भी आग में झुलस गया और उसकी मौत हो गई। इनके साथ शाहनवाज और शमशाद भी घायल हो गए।

हाइवे पर छाया घना कोहरा कई वाहनों के आपस में टकराने से मची चीख-पुकार

-वाहनों की लग गई लंबी लाईन, पुलिस ने क्रेन से हटवाए क्षतिग्रस्त वाहन

करनाल। हरियाणा के करनाल में नेशनल हाइवे पर कोहरे के कारण कई वाहन आपस में टकरा गए। हाइवे पर विजिबिलिटी काफी कम थी जिस वजह से यह घटना हुई। सूचना के बाद पुलिस टीमें मौके पर पहुंचीं और क्रेन की मदद से वाहनों को साइड में किया। इसके बाद यातायात शुरु हो सका। गनीमत रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। हालांकि कई वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक यह हादसा नेशनल हाइवे झंझाडी फ्लाईओवर पर हुआ। घने कोहरे की वजह से विजिबिलिटी काफी कम थी। इसी वजह से करनाल नेशनल हाइवे पर एक-एक कर 8 से 10 वाहन आपस में टकरा गए। इससे वाहनों में सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने मौके पर पहुंचकर मदद की। इस घटना के बाद हाइवे पर कुछ देर के लिए जाम की स्थिति बन गई। लोगों ने घटना के बारे में पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और जायजा लिया। पुलिस ने क्रेन की मदद से हादसे में क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया और यातायात बहाल करवाया। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि कोहरा काफी घना था। इस दौरान सड़क पर आगे चल रहे वाहन का अचानक ब्रेक लगा, जिससे पीछे चल रहे वाहनों को संभलने का मौका नहीं मिला और कई वाहन आपस में टकरा गए। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। हादसे में हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

सीसीटीवी में कैद हुई शिक्षक और शिक्षिका की अश्लील हरकतें, दोनों निलंबित

-जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम गठित, रिपोर्ट आने के बाद होगी कार्रवाई

चित्तौड़गढ़। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में एक स्कूल का वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक शिक्षक और शिक्षका अश्लील हरकतें करते दिख रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद दोनों को शिक्षकों को निलंबित कर दिया गया है। मामले की जांच के लिए तीन सदस्यों की टीम गठित की गई है। टीम की रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि दोनों ही शिक्षकों को निलंबित कर दिया है। दोनों अलग-अलग जगह उपस्थिति देने को कहा गया है। जानकारी के मुताबिक शनिवार को गंगरार थाना क्षेत्र के एक गांव के स्कूल में शिक्षक और शिक्षिका का आपत्तिजनक हालत में वीडियो सामने आया था। ग्रामीणों के मुताबिक शिक्षक करीब 14 साल से उस स्कूल में कार्यरत है। शिक्षिका के साथ उसके संबंधों को लेकर लंबे समय से गांव में चर्चाएं हो रही थीं। स्कूल मैनेजमेंट कमेटी के पदाधिकारी ने भी इस पर आपत्ति जताई थी। दोनों पर आरोप हैं कि शिक्षक ग्रामीणों को सरकारी काम में बाधा डालने की शिकायत पुलिस से करने की धमकी देता था। इस कारण ग्रामीण भी उसके खिलाफ शिकायत नहीं कर पाते थे। समझाइश के बाद भी संस्था प्रधान अपनी हरकत से बाज नहीं आया। ऐसे में ग्रामीणों ने स्कूल में सीसीटीवी कैमरे लगवाए, जिसमें दोनों की हरकत कैद हो गई। पुख्ता सबूत हाथ लगने के बाद ग्रामीणों ने इसकी शिकायत पुलिस से की। उन्होंने शिक्षक-शिक्षिका को तत्काल प्रभाव से हटाने और मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाने की मांग की।

युवक की हत्या कर शव बोरे में भरकर कचरे में फेंका, इलाके में फैली सनसनी

पटना। पटना के बेगमपुर में नीतीश कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोपियों ने हत्या के बाद शव को बोरे में भरकर कचरे के ढेर में फेंक दिया। पुलिस को सूचना मिली की बेगमपुर पार पोखरा के नजदीक एक बोरे में शव पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान नीतीश कुमार के रूप में की। शुरुआती जांच में यह मामला गोली मारकर की हत्या करने का लग रहा है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एफएसएल टीम और डॉग स्क्वॉड को मौके पर बुलाया। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है। हत्या के कारणों का पता लगाने के लिए गहन जांच जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही हत्यारों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

भारतीय उच्चायोग ने सिंगापुर में प्रवासी श्रमिकों के लिए की पोंगल उत्सव की मेजबानी

सिंगापुर। सिंगापुर में भारतीय उच्चायोग ने रविवार को 2,000 से अधिक भारतीय प्रवासी कामगारों के साथ एक प्रमुख फसल उत्सव पोंगल का एक दिवसीय उत्सव मनाया। उच्चायोग ने शहर-राज्य के सुदूर उत्तरी औद्योगिक क्षेत्र में क्रांजी मनोरंजन केंद्र में एक भव्य मनोरंजन मेले का आयोजन किया। यह त्यौहार तमिल महीने की शुरुआत का भी प्रतीक है। उप-उच्चायोग पूजा एम. टिल्लू ने कहा, यह सिंगापुर में भारतीय प्रवासियों तक पहुंचने के लिए आयोजित किया गया पहला बड़े पैमाने का मनोरंजन मेला था। उन्होंने शहर के राज्य की आर्थिक वृद्धि का समर्थन करने वाले निर्माण, समुद्री और अन्य भारी-भरकम उद्योगों में कार्यरत प्रवासी श्रमिकों को गुडी बैग भेंट किए। उन्होंने कहा, "हम कई वर्षों से छोटे पैमाने पर ही सही, इस तरह के आयोजन करते रहे हैं, लेकिन अब भारत के श्रमिकों तक पहुंचने के लिए बड़े पैमाने पर सभाएं आयोजित की जाएंगी।" उन्होंने कहा कि इस साल ऐसे तीन और आयोजनों की योजना बनाई गई है। प्रमुख भारतीय त्योहारों के साथ मेल खाना। जनशक्ति मंत्रालय में विदेशी श्रमिकों के लिए आश्वासन, देखभाल और जुड़ाव के प्रमुख तुंग युई फई ने कहा, सिंगापुर श्रम-केंद्रित उद्योगों में दस लाख से अधिक विदेशी श्रमिकों की मेजबानी करता है, जिनमें से बड़ी संख्या में भारत और बांग्लादेश से हैं ऐसे में उनकी खुशी के लिए इस प्रकार के आयोजन में सहभागिता से काफी खुशी हुई।

राहुल गांधी को हर चीज नजर आती है फर्जी, वह खुद फर्जीवाड़े के सरदार

जातीय गणना और पेपर लीक मामले वाले बयान पर जेडीयू ने किया पलटवार

पटना (एजेंसी)। राहुल गांधी द्वारा जातीय गणना पर उठाए गए सवाल और पेपर लीक मामले पर केंद्रीय मंत्री और जेडीयू नेता ललन सिंह ने कहा है कि कांग्रेस ने देश में संविधान की धज्जियां उड़ाई हैं। पेपर लीक मामले पर उन्होंने कहा कि सभी के तार झारखंड से जुड़ रहे हैं। ललन सिंह के बयान का बीजेपी ने भी समर्थन किया है। बीजेपी प्रवक्ता आसितनाथ तिवारी ने कहा कि राहुल गांधी बिहार में जातीय आग से खेल रहे हैं। वहीं कांग्रेस ने भी केंद्रीय मंत्री ललन सिंह पर निशाना साधा है। कांग्रेस प्रवक्ता ज्ञान रंजन ने कहा है कि यह लोग राहुल गांधी से डरे हुए हैं।

ललन सिंह ने कहा कि राहुल गांधी को हर चीज फर्जी नजर आती है। वह खुद ही फर्जीवाड़े के सरदार हैं। बिहार में जो जाति आधारित सर्वे कराया गया, उसके आधार पर जातीय जनगणना की मांग कर रहे थे। तब वह लोग मुंह में टेप लगाए हुए थे? किसके दबाव में आकर कुछ नहीं बोल रहे थे? वह संविधान की बात करते हैं, उनको संविधान के बारे में पता है कि कितने शेड्यूल है, कितनी धाराएं हैं।

ललन सिंह ने आगे कहा कि अगर इस देश में किसी ने संविधान की धज्जियां उड़ाई तो वह कांग्रेस है। देश में आपातकाल लाकर देश की जनता को अपमानित करने का काम किया। पेपर लीक मामले में ललन सिंह ने कहा कि जब उनकी सरकार राजस्थान में थी तब वह बताएं कि कितना पेपर लीक हुआ है। जो पेपर लीक हो रहे हैं सबके तार झारखंड से जुड़ है, जहां उनकी सरकार है।

ललन सिंह के बयान पर कांग्रेस प्रवक्ता ज्ञान रंजन ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह लोग राहुल गांधी से डरे हुए हैं। उन्हें लगता है कि अति पिछड़ों और पिछड़ों को राहुल गांधी न्याय दिलाकर ही मानेंगे। ज्ञान रंजन ने कहा इनका सिंहासन डोलता नजर आ रहा है इसलिए कुछ भी अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। रंजन ने कहा कि बिहार में एक साल में 10 बार पेपर लीक हुआ है और अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है, अगर कोई गिरफ्तारी हुई है तो आंकड़ा जारी करें। बीजेपी प्रवक्ता आसितनाथ तिवारी ने कहा कि बिहार ने जातीय हिंसा का बड़ा दौर देखा है। बिहार में कई नरसंहार हुए, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए। ऐसी घटनाएं राजद और कांग्रेस के काल में हुई। राहुल गांधी इस गुट के सरदार हैं, जिनके दौर में ऐसी घटनाएं हुई। राहुल गांधी को यह अंदाजा नहीं है कि वह एक बार फिर से जातीय आग से खेल रहे हैं। बिहार को जातीय आग में झोंकना चाहते हैं। उन्हें पता नहीं है कि यह आग एक दिन उन्हें भी जला देगी।

बता दें पटना में शनिवार को कांग्रेस के संविधान सुरक्षा सम्मेलन में राहुल गांधी ने कहा था कि बिहार पेपर लीक का सेंटर बन चुका है।

युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। मंहगाई बढ़ रही है। देश की वास्तविक स्थिति को समझने के लिए जाति जनगणना होनी चाहिए। यह बिहार में की गई फर्जी जाति जनगणना की तरह नहीं होगी। जाति जनगणना के आधार पर नीति बनाई जानी चाहिए। कांग्रेस जाति जनगणना को लोकसभा और राज्यसभा में पारित करेगी। हम 50 फीसदी आरक्षण की बाधा को ध्वस्त कर देंगे।

मनीष सिसोदिया ने लिया निजी लोगों से 1.50 करोड़ का ऋण, बीजेपी ने मांगा जवाब

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया से निजी लोगों से 1.50 करोड़ रुपए के शिक्षा ऋण के मामले में जवाब मांगा है। बीजेपी ने आरोप लगाया है कि यह ऋण सिसोदिया के बेटे की विदेश में शिक्षा की पढ़ाई के लिए लिया गया था। बीजेपी पर पलटवार करते हुए आप ने बीजेपी से उसके नई दिल्ली के उम्मीदवार प्रवेश वर्मा की संपत्ति के बारे में सवाल किया है। आप ने एक बयान में कहा कि मनीष सिसोदिया ने बेटे की पढ़ाई के लिए ऋण लिया तो बीजेपी में हड़कंप मच गया, जबकि प्रवेश वर्मा ने 55 करोड़ रुपए निजी ऋण समेत 63 करोड़ रुपए की देनदारी घोषित की और बीजेपी इस पर चुप है। सिसोदिया के चुनावी हलफनामे का हवाला देते हुए बीजेपी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री को मिले 1.50 करोड़ रुपए के शिक्षा ऋण में तीन व्यक्तियों ने योगदान दिया था। उन्होंने कहा कि बीजेपी सिसोदिया को मिले ऋण की जांच के लिए एजेंसियों से संपर्क करेगी।

दिल्ली चुनाव के बाद भाजपा को मिल सकता है नया अध्यक्ष, तैयारियों में जुटा संगठन

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी को जल्द ही नया अध्यक्ष मिल सकता है। संगठन को फरवरी तक चयन प्रक्रिया पूरी होने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद बीजेपी के नए अध्यक्ष की घोषणा हो जाएगी। दिल्ली में 5 फरवरी को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होना है और 8 फरवरी को नतीजे आएंगे। ऐसे में बीजेपी का पूरा फोकस दिल्ली चुनाव पर है और जीत के लिए पूरा जोर भी पार्टी और संगठन लगा रहा है। जेपी नड्डा की अध्यक्षयता में ही ही बीजेपी दिल्ली विधानसभा चुनाव लड़ेगी।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि 10 फरवरी से 20 फरवरी के बीच बीजेपी अध्यक्ष का चुनाव हो सकता है। संगठन चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। मंडल से लेकर जिला और प्रदेश इकाई के अध्यक्ष चुने जा रहे हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय परिषद और प्रदेश परिषद के सदस्य भी चुने जा रहे हैं, जो राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में अहम भूमिका निभाएंगे और नए अध्यक्ष का चुनाव करेंगे। अभी तक सिर्फ चार राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों का ही चुनाव हुआ है।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए कम से कम 50 फीसदी राज्य इकाइयों में संगठन के चुनाव पूरे होने जरूरी हैं। बीजेपी नेताओं की माने तो पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक ही संगठन चुनाव चल रहा है और इसे समय पर पूरा करा लिया जाएगा। संगठन का कहना है कि सिर्फ महाराष्ट्र और हरियाणा में विधानसभा चुनावों के कारण सदस्यता अभियान देर से शुरू हुआ है। फिलहाल, जेपी नड्डा ने अपना तीन साल का कार्यकाल पूरा कर लिया है। बतौर अध्यक्ष नड्डा का कार्यकाल पिछले साल जनवरी में ही खत्म हो गया था, लेकिन लोकसभा चुनाव के चलते उनका कार्यकाल बढ़ा दिया गया था। नड्डा ने फरवरी 2020 में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभाला था। वह इस समय मोदी कैबिनेट में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। नए बीजेपी अध्यक्ष नड्डा की जगह लेंगे।

बांग्लादेश की बढ़ेंगी मुश्किलें, बिहार ने कहा- जहां से गंगा निकलती है वहां पानी में हिस्सेदारी हो

पटना (एजेंसी)। बिहार की नीतीश सरकार ने केंद्र सरकार से अनुरोध किया है कि गंगा नदी जिन राज्यों से बहती है उन राज्यों को उसके पानी पर हक होना चाहिए। इसके अलावा बांग्लादेश को गंगा का पानी देने पर भी आपत्ति जाहिर की है।बता दें कि बांग्लादेश को गंगा नदी से मिलने वाले पानी का अधिकतर भाग की आपूर्ति बिहार से बिहार के हिस्से से होती है और इस कारण बिहार में ही जल संकट की स्थिति आ जाती है। अब बिहार सरकार में इस ओर ध्यान दिया है और जल संसाधन मंत्री ने कहा है कि इसको लेकर केंद्र सरकार से अनुरोध किया गया है।

बता दें कि भारत बांग्लादेश जल संधि का अगले साल नवीकरण (रीन्यूअल) होना है। वर्ष 1996 में भारत के प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा और बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना के बीच गंगाजल बंटवारे को लेकर समझौता हुआ था। इसके तहत दोनों देशों के बीच गंगाजल का बंटवारा किया गया था। भारत-बांग्लादेश गंगा जल संधि के 30 वर्षों बाद अब समीक्षा होनी है। यह 2026 में पूरी होगी। इस साल समस्या के बिंदुओं पर चर्चा शुरू हो गई है और जल्द ही दोनों देशों में तकनीकी वार्ता प्रारंभ होने वाली है।

बिहार के जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि

हमलोग आरंभ से 1996 के समझौते की समीक्षा की मांग कर रहे हैं। हमारा मानना है कि इस समझौते को अंतिम रूप देने से पहले हमारी राय नहीं ली गई थी। समझौते में बिहार की अपेक्षा की गई विरोध का बड़ा कारण फरक्का बराज भी है। जल संसाधन मंत्री ने कहा कि फरक्का बराज के कारण संपूर्ण बिहार में गाद की समस्या बढ़ती जा रही है। इससे बाढ़ की स्थिति भी विकराल हो रही है। चूंकि समझौते की समीक्षा का समय आ गया है इसलिए हम लोग चाहते हैं कि बिहार की आवश्यकताओं और गाद की समस्या को देखते हुए समझौते पर पुनर्विचार किया जाए।

दरअसल, बिहार का यह भी पक्ष है कि बांग्लादेश को गंगाजल की अधिकांश मात्रा बिहार देता है, जबकि गंगा नदी के किनारे वाले राज्य अपने यहां बेधड़क उसके पानी का उपयोग कर रहे हैं। वहां बिजली परियोजनाएं बनीं हैं, बराज बने हैं। यही नहीं सिंचाई के लिए भी गंगाजल का उपयोग कर रहे हैं, जबकि बिहार को हर कार्य के लिए केंद्र से अनुमति लेनी पड़ती है। बिहार का मानना है कि बांग्लादेश जाने वाले गंगा जल का कोटा बिहार के साथ-साथ यूपी उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल के लिए भी समान रूप से तय हो। बता दें भारत और बांग्लादेश के बीच जो समझौते हुए हैं उसके तहत गंगा के पानी का बंटवारा 70 हजार क्यूसेक पानी में 35 हजार क्यूसेक भारत को रहेगा और 35 हजार क्यूसेक बांग्लादेश को। अगर यह मात्रा 70 से 75 हजार क्यूसेक है तो शेष जो प्रवाह है वह भारत के पास रहेगा। बाकी 35 हजार कि उसे बांग्लादेश के पास 75 हजार क्यूसेक से अधिक होने पर 40 हजार क्यूसेक भारत के पास रहेगा और शेष प्रवाह बांग्लादेश को जाएगा।

सैफ अली खान पर हमले वाले आरोपी के बांग्लादेशी होने पर बीजेपी बोली, महाराष्ट्र सरकार घुसपैठियों का घर-घर जाकर लगाएगी पता और उन्हें वापस भेजेगी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर हमले के आरोपी को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार करने पर बीजेपी ने प्रतिक्रिया दी है। बीजेपी प्रवक्ता राम कदम और वरिष्ठ नेता किरीट सोमैया ने मांग की है कि सरकार मुंबई और महाराष्ट्र में रह रहे अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे। मुंबई पुलिस के डीसीपी जोन-9 ने खुलासा किया है यह आरोपी चोरी के इरादे से उस घर में घुसा था और उस वक्त पर यह घटना हुई। आरोपी बांग्लादेशी मूल का है। उसके पास से पुलिस को कोई भी भारतीय पहचान पत्र नहीं मिला है। राम कदम ने रविवार को मुंबई में कहा कि सैफ अली खान पर हमला करने वाले और चोरी के इरादे से घुसे आरोपी को मुंबई पुलिस ने दबोच लिया है। जांच के बाद क्या कारण था, सभी बातें सामने आएंगी। उन्होंने कहा कि कुछ अहम बातें सामने आई हैं कि मुंबई शहर की बिल्डिंगों में जो सुरक्षाकर्मी तैनात हैं वे 24-24 घंटे ड्यूटी करते हैं। राम कदम ने कहा कि 24 घंटे ड्यूटी करने वाला वॉचमैन सोएगा जरुर। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सरकार इस दिशा में उचित कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि जहां तब बांग्लादेशी घुसपैठियों की बात है तो महाराष्ट्र सरकार घर-घर जाकर उनका पता लगाएगी और जहां से वे आए हैं उन्हें वापस वहीं पहुंचाएगी।

कुमारी सैलजा ने साधा निशाना, कहा : एचकेआरएन कर्मियों के साथ वादा खिलाफी कर रही है सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि एक ओर जहां मुख्यमंत्री हरियाणा ने एचकेआरएन के तहत कार्यरत कर्मचारियों को नौकरी से न हटाने का वायदा किया था और अधिसूचना जारी कर जॉब सिक्योरिटी दी थी आज वहीं सरकार भर्ती किए गए नए कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए पहले से कार्यरत कर्मचारियों को निकालने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी संगठन वायदा याद दिलाते हुए न्याय की गुहार कर रहे है पर सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है, भाजपा को वोट देने वाला युवा आज पछता रहा है।

कुमारी सैलजा ने एक बयान में कहा है कि 19 नवंबर 2024 को हरियाणा में कौशल रोजगार निगम के तहत लगे कर्मचारियों को नायब सिंह सैनी सरकार ने कथित बड़ी सौगात देते हुए हरियाणा विधानसभा में जॉब गारंटी विधेयक पारित करवाया था। जिसे हर भाजपा नेता ने ऐतिहासिक कदम बताया था। सीएम ने भी दावा किया था कि उन्होंने 120000 युवाओं से किया गया वादा पूरा किया। कहा गया कि पहले ठेकेदारों के जरिए लगने पर युवाओं के भविष्य पर तलवार लटकी रहती थी, ठेकेदार बदलने पर उनके भविष्य पर भी खतरा पैदा हो जाता था। कुमारी सैलजा ने कहा कि एचकेआरएन में 37404 यानि 28 प्रतिशत कर्मचारी अनुसूचित जाति के 41376 कर्मचारी यानि 32 प्रतिशत कर्मचारी पिछड़ा वर्ग से हैं। पर सरकार की वायदा खिलाफी के चलते इनकी जॉब पर खतरा मंडरा रहा है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि नरवाना, चरखी दादरी, रोहतक सहित कई जिलों में कंप्यूटर ऑपरेटर, चौकीदार और अन्य पदों पर कार्यरत कर्मचारियों को बिना नोटिस के नौकरी से निकल दिया। ये कर्मचारी न्याय की उम्मीद में दफ्तरों के चक्कर लगा रहे है पर अधिकारी तो अधिकारी भाजपा के विधायक, मंत्री तक कोई सुनवाई नहीं कर रहे है और न ही इन कर्मचारियों की सरकार के समक्ष पैरवी कर रहे हैं। कुमारी

सैलजा ने कहा कि अधिकतर कर्मचारी एचकेआरएन के तहत नौकरी पाने पर उनके नाम बीपीएल सूची से कट गए थे, आज वे कहीं दूसरी जगह नौकरी मांगने जाएंगे तो वहां भी नहीं मिलेगी। सैलजा ने कहा कि सरकार को अपना वायदा निभाते हुए किसी भी कर्मचारी को नौकरी से नहीं हटाना चाहिए, जो पद आज भी रिक्त पड़े है उन पर नए भर्ती किए गए युवाओं को नियुक्ति दी जाए।

साइबर अपराधियों से भारत और अमेरिका मिलकर निपटेंगे, दोनों देशों में हुआ समझौता

नई दिल्ली (एजेंसी)। साइबर खतरों और अपराधों की जांच में सहयोग बढ़ाने के लिए भारत और अमेरिका ने वाशिंगटन डीसी में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। देश में इसका क्रियान्वयन गृह मंत्रालय के अधीन आने वाले भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) द्वारा किया जाएगा। जबकि अमेरिका में डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) और उससे जुड़ी हुई विभिन्न एजेंसियों जैसे यूएस इमीग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) और द होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशन साइबर क्राइम सेंटर (सी3) समझौते के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संभालेंगे। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। यहां बता दें कि बाइडन प्रशासन ने भारत के साथ इस

एमओयू पर अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 20 जनवरी को होने वाले शपथ ग्रहण से ठीक पहले हस्ताक्षर किए हैं।

मंत्रालय ने बताया कि इस एमओयू पर 17 जनवरी को भारत की तरफ से अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने हस्ताक्षर किए। अमेरिका से उनके गृह सुरक्षा विभाग की कार्यवाहक उप-सचिव क्रिस्टी कैनेगैलो ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता दोनों देशों की एजेंसियों को आपराधिक मामलों की जांच में साइबर खतरों से जुड़ी खुफिया जानकारी और डिजिटल फॉरेंसिक को लेकर सहयोग और प्रशिक्षण का स्तर बढ़ाने में मददगार साबित होगा। साइबर क्राइम के तार दोनों देशों की साझा सुरक्षा चुनौतियों जैसे आतंकवाद, हिंसक कट्टरता, आतंक को वित्तपोषण, ड्रग ट्रैफिकिंग, संगठित अपराध, मानव तस्करी, अवैध प्रवासन, मनी लॉन्ड्रिंग और यातायात सुरक्षा से जुड़ते हैं। इसलिए यह समझौता इन मामलों में भी अहम साबित होगा। साथ ही इसकी मदद से दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को और अधिक मजबूती प्रदान करने में मदद मिलेगी। जो भारत की व्यापक और वैश्विक सामरिक भागीदारी का हिस्सा है।

गणतंत्र दिवसः टी-90 टैंक और ब्रह्मोस मिसाइल से सेना दिखायेगी भारत की ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर मनाए जाने वाले 76 वें गणतंत्र दिवस परेड समारोह में भारतीय सेना के मार्चिंग दस्ते में टी-90 भीष्म टैंक, सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम, पिनाका रॉकेट और आकाश एयर डिफेंस सिस्टम जैसे वो बेहद मारक हथियार शामिल होंगे। जिनकी उपस्थिति मात्र से ही देश के दुश्मन थरथर कांपेंगे। इसके अलावा जवानों की मार्चिंग टुकड़ी में ब्रिगेड ऑफ द गार्डस, महार रेजिमेंट, जाट रेजिमेंट, गढ़वाल राइफल्स, जम्मू-कश्मीर राइफल्स और कॉर्प्स ऑफ सिग्नल्स जैसी सेना की 6 रेजिमेंट की प्रमुखता से भागीदारी देखने को मिलेगी। फिलहाल सेना का यह समूचा दस्ता कर्तव्य पथ पर परेड में शामिल होने के लिए अभ्यास में जुटा हुआ है। सेना ने शनिवार को बताया कि गणतंत्र दिवस परेड के लिए हमारी तैयारियां लगभग अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। इस बार हम परेड के दौरान सेना की सुव्यवस्थित परंपरा के साथ ही अनुशासन और आधुनिक तकनीक के मिश्रण को देश-दुनिया के सामने बखूबी प्रदर्शित करेंगे। कर्तव्य पथ पर सशस्त्र सेनाओं की सुप्रीम कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सामने सेना के मार्चिंग दस्ते के साथ सैन्य बैंड भी देशभक्ति की अपनी मनमोहक धुनों के साथ आगे बढ़ेंगे। इसके अलावा सेना द्वारा परेड के दौरान प्रदर्शित किए जाने वाले सैन्य हथियारों में टी-90 भीष्म टैंक, आईसीवी बीएमपी-2, नाग मिसाइल सिस्टम, क्विक रिएक्शन फाइटिंग व्हीकल (नंदीघोष), पिनाका रॉकेट लॉन्चिंग सिस्टम, शॉर्ट स्पैन ब्रिजिंग सिस्टम, बैटलफील्ड सर्विलांस सिस्टम (संजय), ऑल टेरेन व्हीकल (चेतक), आकाश एयर डिफेंस वेपन सिस्टम, ग्रेड बीएम-21 रॉकेट लांचर, लाइट स्ट्राइक व्हीकल (बजरंग) शामिल होंगे।

आत्मनिर्भर भारत को समर्पित परेड

सेना ने बताया कि इस वर्ष की परेड देश की सुरक्षा और प्रगति को समर्पित रहेगी। जिसमें स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भर भारत अभियान द्वारा प्रदान की गई गति की साफ तौर पर झलक देखने को मिलेगी। गौरतलब है कि इस बार परेड समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो शिरकत करेंगे।

ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर की दादी और मामा सड़क हादसे का शिकार, मौके पर तोड़ा दम

नईदिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खिलाड़ी मनु भाकर की दादी और मामा की रविवार 19 जनवरी को सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि यह दुर्घटना रविवार सुबह करीब 9 बजे महेंद्रगढ़ बाईपास रोड पर एक स्कूटर और ब्रेजा कार की टक्कर के कारण हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मनु भाकर की दादी और चाचा की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया।

अभी दो दिन पहले ही मनु भाकर को राष्ट्रपति से खेल रत्न पुरस्कार मिला था। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भिजवाया। शहर थाना प्रभारी और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गौर हो कि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर को शुक्रवार को राष्ट्रीय खेल पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद खेल रत्न से सम्मानित किया गया। भाकर स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी हैं जिन्होंने एक ओलंपिक में दो पदक जीते हैं। उन्होंने पेरिस ओलंपिक में यह कमाल किया था।

बोपन्ना-शुआई की जोड़ी ऑस्ट्रेलियाई ओपन मिश्रित युगल के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

मेलबर्न (एजेंसी)। अनुभवी भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और चीन की उनकी जोड़ीदार झांग शुआई ने रविवार को यहां दूसरे दौर के मैच में वॉकओवर मिलने के बाद ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के मिश्रित युगल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

बोपन्ना और शुआई का मुकाबला अमेरिका की टेलर टाउनसेंड और मोनाको के ह्यूगो निस से था, लेकिन यह चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी खेलने के लिए नहीं उतरी। इससे भारतीय-चीनी जोड़ी कोर्ट पर उतरे बिना ही अंतिम आठ में पहुंच गई। बोपन्ना और शुआई का अगला मुकाबला हंगरी की टिमिया बाबोस और अल साल्वाडोर के मार्सेलो अरेवलो तथा ओलिविया गैडेकी और जॉन पीयर्स की ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। बोपन्ना और शुआई की जोड़ी ने इससे पहले अपने शुरुआती मैच में फ्रांस की क्रिस्टीना म्लादेनोविच और क्रोएशिया के इवान डोडिक को 6-4, 6-4 से हराया था।

रवींद्र जडेजा ने अभ्यास सत्र में लिया हिस्सा, दिल्ली के खिलाफ में खेल सकते हैं रणजी ट्रॉफी मैच

नईदिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा राजकोट में टीम के अभ्यास सत्र में शामिल होने के बाद दिल्ली के खिलाफ आगामी रणजी ट्रॉफी मैच में सौराष्ट्र के लिए खेल सकते हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि जडेजा रविवार की सुबह सौराष्ट्र के नेट सत्र में थे और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट की कप्तानी वाली टीम के साथ प्रशिक्षण ले रहे थे। जडेजा को इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत की टीम में चुना गया था। जडेजा ने सौराष्ट्र के लिए आखिरी रणजी ट्रॉफी मैच जनवरी 2023 में तमिलनाडु के खिलाफ घुटने की चोट के बाद वापसी करते हुए खेला था और 8 विकेट लिए थे। उन्होंने हाल ही में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान पांच में से तीन टेस्ट मैचों में हिस्सा लिया था, जहां उन्हें 3-1 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके तुरंत बाद बीसीसीआई ने घरेलू क्रिकेट में भागीदारी को अनिवार्य बनाने के लिए 10-सूत्रीय नीति दस्तावेज पेश किया और कहा कि गैर-अनुपालन अंतरराष्ट्रीय चयन और केंद्रीय अनुबंध नवीनीकरण को प्रभावित कर सकता है।

साजिद व अबरार का कहर, पाक ने वेस्टइंडीज को हराया

साजिद खान 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे

मुल्तान (एजेंसी)। कप्तान शान मसूद (52) की अर्धशतकीय पारी के बाद साजिद खान (पांच विकेट) और अबरार अहमद (चार) की घातक गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान ने पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन रविवार को वेस्टइंडीज को दूसरी पारी में 123 के स्कोर पर ढ़ेर कर मुकाबला 127 रनों से जीत लिया हैं। मैच में कुल नौ विकेट लेने वाले साजिद खान को 'प्लेयर ऑफ द मैच' के खिताब से नवाजा गया।

251 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज पाकिस्तानी गेंदबाजी आक्रमण का सामना अधिक देर तक नहीं कर पायी और पूरी टीम 36.3 ओवर में 123 रन पर सिमट गई। वेस्टइंडीज के ऐलेक ऐथनेज ने सर्वाधिक (55) रनों की पारी खेली। टेविन इमलाक (14), मिकाइल लुईस (13), क्रेग ब्रैथवेट (12), केविन सिंक्लेयर (10) रन बनाकर आउट हुए। पाकिस्तानी गेंदबाजी आक्रमण के आगे वेस्टइंडीज के छह बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। पाकिस्तान की ओर से साजिद खान ने 15 ओवर में 50 रन देकर पांच विकेट लिए। अबरार अहमद ने 11.3 ओवर में 27 रन देकर चार विकेट झटके। नोमान अली ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

आज यहां इससे पहले गेंदबाजों की मददगार पिच पर जोमेल वारिकन (32 रन देकर सात विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को दूसरी पारी में 157 के स्कोर पर समेट दिया। वेस्टइंडीज को जीत के लिए 251 रनों का लक्ष्य मिला था। पाकिस्तान ने कल के दूसरी पारी में तीन विकेट 109 रन के आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में सऊद शकील (दो) रन बनाकर आउट हुये। उन्हें वारिकन ने ग्रीव्स के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद वारिकन ने मोहम्मद रिजवान(दो) को भी अपना शिकार बना लिया।

बल्लेबाजी करने आए आगा सलमान ने कामरान गुलाम के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 38वें ओवर में वॉरिकन ने कामरान गुलाम (27) को आउटकर पाकिस्तान को छठा झटका दिया। नोमान अली (दो), साजिद खान (पांच), खुर्रम शहजाद (शून्य) पर आउट हुये। 47वें ओवर में गुडाकेश मोती ने आगा सलमान (14) को आउटकर 157 के स्कोर पर पाकिस्तान की दूसरी पारी का अंत कर दिया। पहली पारी के आधार पर मिली बढ़त के आधार पर वेस्टइंडीज को जीत के लिए 251रनों का लक्ष्य मिला। वेस्टइंडीज की ओर जोमेल वारिकन ने 18 ओवरों में 32 रन देकर सात विकेट लिए। पाकिस्तान ने पहली पारी में 230 रन बनाये थे। वहीं वेस्टइंडीज की पहली पारी 137 के स्कोर पर सिमट गई थी।

पाकिस्तान दूसरी पारी - 109/3 (31 ओवर) - पाकिस्तान ने दूसरी पारी में दिन का खेल समाप्त होने तक तीन विकेट खोकर 109 रन बना लिए हैं। कप्तान शान मसूद ने मोहम्मद हुरैन के साथ मिलकर पहली विकेट के लिए 67 रन जोड़े। मोहम्मद 29 रन बनाकर आऊट हो गए। इस दौरान बाबर आजम फिर से विफल रहे और 5 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। शान मसूद ने टीम के लिए 52 रन बनाए। फिलहाल क्रीज पर गुलाम और सऊद शकील खड़े हैं।

विंडीज पहली पारी - 137 रन - विंडीज की शुरूआत बेहद खराब रही। स्पिनर साजिद खान ने शुरू से ही दबाव बनाते हुए विंडीज टीम के पहले 5 ओवर में ही 4 विकेट चटका लिए। इसके बाद नोमान अली सक्रिय हो गए। उन्होंने एलिक और जस्टिन ग्रीव्स के साथ केविन सिंक्लेयर और मोती (19) का विकेट निकाला। दोनों की घूमती गेंदों का विंडीज बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था। अंतिम विकेट के लिए जोमेल वारिकन और जेडन सील्स ने फाइट की और स्कोर 137 तक पहुंचाया। वारिकन ने 31 तो जेडन ने 22 रन बनाए।

पाकिस्तान पहली पारी -230 रन - बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान को वेस्टइंडीज के गेंदबाज जेडेन सील्स के कहर का समाना करना पड़ा। मैच में एक समय पाकिस्तान ने 13.3 ओवर में 46 के स्कोर पर अवने 4 विकेट गंवा दिए थे। मोहम्मद हुरैरा (6), कप्तान शान मसूद (11), कामरान गुलाम (5) और बाबर आजम (5) रन बनाकर आउट हुए। खराब रोशनी के कारण जब मैच रोका गया तो पाकिस्तान के 4 विकेट पर 143 रन थे। मैच के दूसरे दिन शकील (84) और मोहम्मद रिजवान (71) ने स्कोर आगे बढ़ाया लेकिन उनके आऊट होते ही टीम भी 230 रन पर ढेरी हो गई। वेस्टइंडीज के लिए जेडेन सील्स ने 27 रन देकर 3, वारीकेन ने 69 रन देकर 3 तो केविन ने 61 रन देकर 2 विकेट लिए।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11 -

वेस्टइंडीज - क्रैग ब्रैथवेट (कप्तान), मिकाइल लुइस, कीसी कार्टी, केवम हॉज, एलिक अथानाजे, जस्टिन ग्रीव्स, टेविन इमलाच (विकेटकीपर), गुडाकेश मोती, केविन सिंक्लेयर, जोमेल वारिकन, जेडन सील्स।

पाकिस्तान - शान मसूद (कप्तान), मुहम्मद हुरैरा, बाबर आजम, कामरान गुलाम, सऊद शकील, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), सलमान आगा, साजिद खान, नोमान अली, खुर्रम शहजाद, अबरार अहमद।

चैंपियंस ट्रॉफी में सूर्यकुमार यादव की कमी खलेगी, वह 'एक्स-फैक्टर' हो सकते थे : सुरेश रैना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व ऑलराउंडर सुरेश रैना को लगता है कि मध्यक्रम के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव की कमी आगामी चैंपियंस ट्रॉफी में खलेगी क्योंकि वह दुबई में 'एक्स-फैक्टर' साबित हो सकते थे, जहां रोहित शर्मा की टीम अपने सभी मैच खेलेगी। सूर्यकुमार और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज शनिवार को घोषित चैंपियंस ट्रॉफी टीम से गायब दो बड़े नाम थे। वे 2023 वनडे विश्व कप टीम में शामिल कुल छह खिलाड़ियों में शामिल हैं। अन्य खिलाड़ी प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दुल ठाकुर और ईशान किशन हैं, जबकि रविचंद्रन अश्विन ने हाल ही में खेल से संन्यास लिया है।

रैना ने कहा, सूर्या विश्व कप टीम का अभिन्न हिस्सा थे, वह 360 डिग्री के खिलाड़ी हैं जो खेल के किसी भी चरण में 9 रन प्रति ओवर की दर से रन बना सकते हैं। वह विपक्षी टीम पर हावी हो सकते हैं और अलग तरह से बल्लेबाजी कर सकते हैं। अगर सूर्या टीम में होते तो यह एक एक्स-फैक्टर होता, उनकी कमी खलेगी। अब जिम्मेदारी शीर्ष 3 पर होगी जो फॉर्म में नहीं हैं। सूर्या ऐसे खिलाड़ी हैं जो किसी भी स्थिति में बल्लेबाजी कर सकते हैं।

रैना ने यह भी कहा कि जसप्रीत बुमराह की फिटनेस और मोहम्मद

शमी के चोट से वापसी को लेकर अनिश्चितता के बीच सिराज बेहतर विकल्प होते, हालांकि उन्हें अब भी लगता है कि हैदराबाद का यह तेज गेंदबाज टीम में जगह बना सकता है। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलिया में सिराज अलग फॉर्म में थे, लेकिन आप 12 फरवरी तक टीम में बदलाव कर सकते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि अगर बुमराह पूरी तरह से फिट नहीं होते हैं तो सिराज टीम में वापस आ सकते हैं।

उन्होंने कहा, हर्षित राणा ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उनके पास अच्छी गति, अच्छी बम्पर, वैरिएशन, यॉर्कर और पेस है। वह और अर्शदीप सिंह दोनों डेथ ओवरों में गेंदबाजी कर सकते हैं, लेकिन मुझे अब भी लगता है कि अगर बुमराह नहीं होते हैं तो सिराज बेहतर विकल्प हैं।

रैना ने शुभमन गिल को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उप-कप्तानी देने का कदम दूरदर्शी बताया। उन्होंने कहा, %गिल को सही समय पर उप-कप्तानी मिली है। वह भारतीय क्रिकेट के अगले सुपरस्टार हैं और उन्होंने वनडे में शानदार प्रदर्शन किया है। रोहित जानते हैं कि किसी युवा खिलाड़ी को कैसे प्रशिक्षित करना है और शुभमन क्या मूल्य लेकर आएंगे।

दुबई की पिचें धीमी होती हैं और टर्न लेती हैं, इसलिए रैना ने कहा कि बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव और ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या गेंदबाजी विभाग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। रैना ने कहा, शमी को मैच अभ्यास की कमी है, बुमराह अभी भी अनिश्चित हैं और कुलदीप ऑपरेशन से वापस आ रहे हैं। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि स्पिन विभाग में कुलदीप का साथ कौन देगा।

भारत ने दो बार चैंपियंस ट्रॉफी जीती है पहला 2002 में और 2013 में, और रैना को कोई संदेह नहीं है कि रोहित और उनके साथी जीत सकते हैं। उन्होंने कहा, रोहित में क्षमता है, उनके पास टीम है लेकिन जो महत्वपूर्ण होगा वह 15 में से 11 खिलाड़ियों का संयोजन है। विकेट थोड़े धीमे होंगे, लेकिन हमारे पास क्षमता है।

रैना ने भी भारतीय टीम में पहली पसंद के विकेटकीपर के रूप में ऋषभ पंत का समर्थन किया, जिसमें केएल राहुल भी हैं। पूर्व क्रिकेटर ने कहा, निश्चित रूप से पंत, उनकी विकेटकीपिंग में सुधार हुआ है। लेकिन उन्हें 50 ओवर के खेल में अधिक जिम्मेदारी के साथ खेलना होगा। अगर वह 40-50 गेंदों तक टिके रहते हैं तो वह विपक्षी टीम से खेल छीन सकते हैं, लेकिन उन्हें क्रीज पर अधिक समय बिताने की जरूरत है।

श्रीलंका दौरे से पहले ऑस्ट्रेलिया को लगा झटका

कप्तान स्टीव स्मिथ की कोहनी में लगी चोट

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के टेस्ट दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ की कोहनी में चोट लग गई है, लेकिन उनके इस सप्ताह के अंत में दुबई में प्री-टूर कैंप में शामिल होने की उम्मीद है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने रविवार को यह जानकारी दी। सीए ने कहा कि बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू कुहनेमन बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलते समय अपने अंगूठे में हुए फ्रैक्चर की सर्जरी से उबर रहे हैं जबकि नियमित कप्तान पैट कमिंस के बाएं टखने के दर्द की रिकवरी पर विशेषज्ञ की सलाह के बाद निगरानी जारी रहेगी।

स्मिथ को शुक्रवार को बिग बैश लीग में सिडनी सिक्सर्स के लिए फील्डिंग करते समय दाहिनी कोहनी में चोट लग गई जिसके कारण सिडनी थंडर के खिलाफ मैच बारिश के कारण रद्द करना पड़ा। कुहनेमन के बारे में सीए ने कहा कि वह तब तक ऑस्ट्रेलिया में रहेंगे जब तक उनके फ्रैक्चर वाले अंगूठे पर सर्जरी का घाव ठीक नहीं हो जाता। सीए ने कहा, %अगर वह अच्छी प्रगति करते रहे तो श्रीलंका में टीम में शामिल होने के उद्देश्य से वह इस सप्ताह गेंदबाजी फिर से शुरू करने की योजना बना रहे हैं।

कुहनेमन ने 2023 की शुरुआत में भारत दौरे पर तीन टेस्ट खेले थे और यहां तक ??कि पांच विकेट भी लिए थे। उसके बाद वह टीम से बाहर हो गए जब तक कि उन्होंने अपनी नई टीम तस्मानिया के लिए 6 शेफ़ील्ड शील्ड में 18 विकेट नहीं चटकाए और उन्हें ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम में वापस नहीं लाया गया। श्रीलंका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की दो मैचों की टेस्ट सीरीज 29 जनवरी को गॉल में शुरू होगी, इसके बाद दूसरा मैच 6 फरवरी को उसी स्थान पर शुरू होगा। इसके बाद कोलंबो में 12 और 14 फरवरी को दो वनडे मैच खेले जाएंगे।

पूर्व बीएससी कमिश्नर इकबाल सिंह चहल ने मुंबई हॉफ मैराथन में हासिल की दुर्लभ उपलब्धि

मुंबई (एजेंसी)। टाटा ग्रुप द्वारा मुंबई हॉफ मैराथन (21 किलोमीटर) का आयोजन किया गया जिसमें बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के पूर्व आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने 21 किलोमीटर दौड़कर मुंबई मैराथन के 20वें संस्करण को सफलतापूर्वक पूरा किया। चहल ने वार्षिक वैश्विक आयोजन के सभी संस्करणों में हॉफ मैराथन पूरा करने की दुर्लभ उपलब्धि हासिल की। ??मुंबई हॉफ मैराथन की शुरूआत 2004 में की गई थी और इकबाल सिंह तब से ही इसमें हिस्सा ले रहे हैं। टाटा मुंबई मैराथन 2025 में पूर्व बीएमसी आयुक्त ने 21 किलोमीटर (हाफ मैराथन) पूरा करने में 2 घंटे 20 मिनट और 24 सेकंड का समय लिया। गौरतलब है कि हॉफ

मैराथन रेती बंदर/माहिम दरगाह उरुस ग्राउंड से शुरू हुई जो माहिम चर्च जंक्शन के ठीक बगल में है। इकबाल सिंह को 8 मई 2020 को नगर आयुक्त नियुक्त किया गया था और उन्होंने लगभग चार साल तक सेवा की। उन्होंने अधिकतम शहर में कोविड-19 बुनियादी ढांचा स्थापित करने के लिए प्रशंसा प्राप्त की। वह वर्तमान में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री कार्यालय में अतिरिक्त मुख्य सचिव के रूप में कार्यरत हैं।

इकबाल सिंह चहल पर नजर - इकबाल सिंह चहल का जन्म जन्म 20 जनवरी 1966 को हुआ था। वह महाराष्ट्र कैडर के 1989 बैच के आईएएसअधिकारी हैं और बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के पूर्व नगर आयुक्त और प्रशासक हैं। वर्तमान में वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री कार्यालय में अतिरिक्त मुख्य सचिव हैं। इससे पहले उन्होंने विभिन्न पदों पर महाराष्ट्र और भारत सरकार की सेवा की है। अपने शुरुआती करियर में वे ठाणे और छत्रपति संभाजीनगर जिलों के कलेक्टर थे जिसके बाद वे गृह मंत्रालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और पंचायती राज मंत्रालय में संयुक्त सचिव रहे। इसके बाद वे महाराष्ट्र के जल संसाधन विभाग और शहरी विकास विभाग में प्रधान सचिव भी रहे।

इकबाल सिंह चहल द्वारा किए गए कुछ महत्वपूर्ण काम - इकबाल सिंह को मुंबई में कोविड-19 को नियंत्रण में रखने का श्रेय व्यापक रूप से दिया जाता है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय और बॉम्बे उच्च न्यायालय ने भी उनके मुंबई मॉडल के लिए सराहना की। उन्होंने नए फील्ड अस्पतालों के माध्यम से हजारों बेड और निजी सुविधाओं के साथ कोविड-19 वार्ड सरकार को सौंप दिए जिसमें 800 वाहनों को एम्बुलेंस में भी बदल दिया।

आईपीएल 2025

लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी संभाल सकते हैं पंत

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टार भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को इंडियन प्रीमियर लीग 2025 संस्करण से पहले संजिका गोयनका के स्वामित्व वाली लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) का कप्तान बनाया जा सकता है। दाएं हाथ के बल्लेबाज केएल राहुल को आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले लखनऊ फ्रैंचाइजी ने रिटेन नहीं किया जबकि उन्होंने कैश-रिच लीग के अपने पहले दो संस्करणों में टीम को प्लेऑफ में पहुंचाया था। राहुल को रिटेन न करने के बाद स्स्त्र टीम के पास पंत और श्रेयस अय्यर के बीच भूमिका के लिए चयन करने के लिए दो विकल्प थे इसलिए फ्रैंचाइजी और प्रबंधन ने पूर्व के साथ जाने का विकल्प चुना।

पंत इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इतिहास में सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए जिन्हें जेद्दा में आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी के दौरान लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने 27 करोड़ रुपए में खरीदा। स्स्त्र फ्रैंचाइजी इस टूर्नामेंट में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बाद दूसरी टीम होगी। उन्होंने हमवतन श्रेयस अय्यर को हराया, जो कुछ मिनट पहले ही पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) द्वारा 26.75 करोड़ रुपए में खरीदे गए लीग के इतिहास में सबसे महंगे खिलाड़ी बने थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के मिशेल स्टार्क को पछाड़ा जिन्होंने 24.75 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड तोड़ बोली के साथ वर्षों बाद आईपीएल में वापसी की थी।

शुरू में एलएसजी और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच बोली लगाने की जंग हुई, जिसमें बाद में हार मान ली गई। सनराइजर्स हैदराबाद (स्स्त्रा) ने अपने विस्फोटक बल्लेबाजी आक्रमण को मजबूत करने की कोशिश में बोली लगाने की जंग में प्रवेश किया और डीसी ने 'राइट टू मैच' कार्ड का इस्तेमाल करने की कोशिश की, लेकिन वे पंत के लिए स्स्त्र द्वारा लगाई गई कीमत से मेल नहीं खा सके और वे अय्यर से भी आगे निकल गए।

पंत ने 2016 से अपने पूरे आईपीएल करियर में दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने 110 मैचों में 35.31 की औसत से 3,284 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और 18 अर्द्धशतक शामिल हैं। उन्हें 2021 में टीम का कप्तान नियुक्त किया गया और उन्होंने उसी सीजन में उन्हें प्लेऑफ में पहुंचाया। आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले स्स्त्र ने अनकैप्ड स्टार मोहसिन खान और आयुष बदोनी के साथ निकोलस पूरन, मयंक यादव और रवि बिश्नोई को रिटेन किया।

लखनऊ स्थित फ्रैंचाइजी ने 14 में से सात मैच जीतकर 14 अंकों के साथ स्टैंडिंग में 7वें स्थान पर अपना आईपीएल 2024 का सफर समाप्त किया।

लखनऊ सुपर जायंट्स टीम

बल्लेबाज - एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, आयुष बदोनी (रिटेन), हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्जके।

विकेटकीपर -ऋषभ पंत, निकोलस पूरन (रिटेन), आर्यन जुयाल।

ऑलराउंडर - अब्दुल समद (स्पिनर), मिशेल मार्श (तेज गेंदबाज), शाहबाज अहमद (स्पिनर), युवराज चौधरी (स्पिनर), राजवर्धन हंगरगेकर (तेज गेंदबाज), अर्शिन कुलकर्णी (तेज गेंदबाज)।

स्पिनर - रवि बिश्नोई (बरकरार), एम सिद्धार्थ, दिग्वेश सिंह।

तेज गेंदबाज - मयंक यादव (बरकरार), मोहसिन खान (बरकरार), आकाश दीप, आवेश खान, आकाश सिंह, शमर जोसेफ।

आठ शहरों में घरों की बिक्री में 26 फीसदी की गिरावट : रिपोर्ट

- बिक्री में गिरावट महाराष्ट्र और हरियाणा में चुनाव और संपत्ति की बढ़ी हुई कीमतों से आई

मुंबई ।

मुंबई, अहमदाबाद, बेंगलुरु समेत देश के आठ प्रमुख शहरों में घरों की बिक्री में 2024 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सालाना आधार पर 26 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। बताया जा रहा है कि बिक्री में गिरावट महाराष्ट्र और हरियाणा में चुनाव और संपत्ति की बढ़ी हुई कीमतों की वजह से आई है। एक रियल एस्टेट परामर्श मंच की हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक इस विश्लेषण में शामिल आठ में से तीन शहर महाराष्ट्र और हरियाणा में स्थित हैं जहां पर बीती तिमाही में विधानसभा के चुनाव हुए। हालांकि दिल्ली-एनसीआर को छोड़कर सालाना आधार पर बाकी सभी सात शहरों शहरों में घरों की बिक्री में गिरावट आई है। दिल्ली-एनसीआर में दिसंबर तिमाही में घरों की बिक्री 50 प्रतिशत बढ़कर 9,808 इकाई रही जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह आंकड़ा 6,528 था। बीते वर्ष की चौथी तिमाही में नई परियोजनाएं पेश करने में 33 प्रतिशत की गिरावट आई है। आठ में से पांच शहरों में पिछली तिमाही के दौरान पेश नई परियोजनाओं की संख्या घटी है। संपत्तियों की खरीद-बिक्री या किराये पर लेन-देन की जानकारी देने वाले मंच के एक अे धिकारी ने कहा कि अक्टूबर-दिसंबर में त्योहारों के दौरान बिक्री में तिमाही आधार पर वृद्धि हुई। इसके बाद भी अधिकांश क्षेत्रों में बिक्री और नई पेशकश में पिछले साल के मुकाबले गिरावट देखी गई। रिपोर्ट के अनुसार मुंबई क्षेत्र (एमएमआर) में सालाना आधार पर 31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 33,617 घरों की बिक्री हुई, जबकि पिछले साल की समान अवधि में 48,553 घरों की बिक्री हुई थी। पुणे में इस दौरान 31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,240 घरों की बिक्री हुई। वहीं बेंगलुरु में 23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 13,236 घरों की बिक्री हुई, हैदराबाद में 36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 13,179 घरों की बिक्री हुई और चेन्नई में पांच प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,073 घरों की बिक्री हुई।

बाजार में ब्रांडेड खाद्य तेलों में मिलावट

- धड़ल्ले से बिक रहा है मिलावटी खाद्य तेल
- बड़ी-बड़ी कंपनियां कर रही हैं करोड़ों की कमाई

मुंबई ।

नामी गिरामी ब्रांडेड कंपनियां खाद्य तेलों में मिलावट करके खुलेआम मिलावटी तेल बेच रही हैं। खाद्य तेलों में बड़े पैमाने पर ब्रान आयल मिलाया जा रहा है। इसे उपभोक्ताओं को महंगे दामों में बेचा जा रहा है। धान की भूसी का तेल सबसे ज्यादा खाद्य तेल में मिलाकर, ब्रांडेड कंपनियों ब्रांड के नाम से महंगे दामों पर बेच रही हैं।

सरसों, सोयाबीन और मूंगफली के तेल से ब्रान ऑयल 40 से लेकर 60 रुपए प्रति लीटर तक सस्ता होता है। सरकार ने ब्लेंडिंग कानून में बड़ी कंपनियों के लिए बदलाव कर दिए हैं। इसका फायदा बड़ी-बड़ी कंपनियां उठा रही हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियां अंग्रेजी में लेवल छपवाती हैं। उसमें बहुत छोटे अक्षरों में मल्टी सोर्स आयल लिखा रहता है।

जो उपभोक्ता ब्रांडेड सोयाबीन, सरसों और मूंगफली का तेल खरीदता है। उसे मालूम ही नहीं होता है, वह मिलावटी तेल खरीद रहा है। वह भी महंगे दामों पर खरीद रहा है।

केंद्र सरकार ने 3 फरवरी 2023 को तेल के ब्लेंडिंग कानून में बदलाव किए हैं। नए बदलाव के अनुसार अब कंपनियों को 20 फीसदी तक दूसरे तेल की मिलावट करने की अनुमति दी गई है। ब्रांडेड कंपनियों द्वारा जो सरसों, मूंगफली और सोयाबीन का तेल बेचा जा रहा है। उसमें सबसे सस्ता धान की भूसी का तेल मिलाया जा रहा है। इससे ब्रांडेड कंपनियों को बड़ी कमाई हो रही हैं। वहीं उपभोक्ताओं को खुले आम बड़ी-बड़ी कंपनियों द्वारा लूटा जा रहा है। उपभोक्ता को पता नही होता है। वह मिलावटी तेल खरीद रहा है। बड़ी कंपनियां अपने फायदे के लिए सरकार के नियमों में परिवर्तन कराकर करोड़ों रुपए कमा रही हैं। अन ब्रांडेड तेल बेचने वालों के लिए मिलावट के अलग कानून हैं। सरकार ने ब्रांडेड कंपनियों के लिए अलग कानून बना दिया है। ब्रांडेड कंपनियां तेल में किस तेल की कितनी मिलावट कर रही हैं। इसकी जानकारी उपभोक्ताओं को नहीं देती है। उनके लेवल भी अंग्रेजी भाषा में होते हैं। मल्टी सोर्स ऑयल भी बहुत छोटे अक्षरों में लिखा रहता है। यह लूट पिछले कुछ समय से बढ़ती ही चली जा रही है। सरकार इस लूट पर आंख बंद करके बैठी हुई है।

सेंसेक्स की प्रमुख छह कंपनियों का मार्केट कैप 1.71 लाख करोड़ घटा

सबसे ज्यादा नुकसान इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज को हुआ

मुंबई ।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे कीमती कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1.71 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान सूचना प्रौद्योगिकी आईटी क्षेत्र की कंपनियों इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को हुआ। शीर्ष 10 कंपनियों में से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी के बाजार मूल्यांकन में सामूहिक रूप से 1,71,680.42 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत बढ़ गई। समीक्षाधीन सप्ताह में इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 62,948.4 करोड़ रुपये घटकर 7,53,678.38 करोड़ रुपये रहा गया।

सबसे अधिक नुकसान इन्फोसिस को ही हुआ। तीसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा के बाद मुनाफावसूली के बीच शुक्रवार को इन्फोसिस के शेयर में करीब प्रतिशत की गिरावट आई। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 50,598.95 करोड़ रुपये घटकर 14,92,714.37 करोड़ रुपये, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 20,605.92 करोड़ रुपये घटकर 5,53,152.52 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 16,005.84 करोड़ रुपये घटकर 8,65,495.17 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 15,640.8 करोड़ रुपये घटकर 12,51,799.81 करोड़ रुपये और आईटीसी के मूल्यांकन में 5,880.51 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 5,50,702.93 करोड़ रुपये रह गया। इस रुख के `` विपरीत रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 79,773.34 करोड़ रुपये बढ़कर 17,60,967.69 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारतीय स्टेट बैंक की बाजार हैसियत 18,697.08 करोड़ रुपये बढ़कर 6,81,930.22 करोड़ रुपये, एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 9,993.5 करोड़ रुपये बढ़कर 5,40,724.05 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 7,080.98 करोड़ रुपये बढ़कर 9,27,014.97 करोड़ रुपये हो गया।

आम बजट में आरएंडडी के प्रोत्साहन के लिए नई योजना की घोषणा

- नई योजना से विदेशी कंपनियों को भारत में निवेश के लिए आकर्षित किया जाएगा

नई दिल्ली ।

आम बजट 2025-26 में भारत में शोध एवं विकास (आरएंडडी) को बढ़ावा देने के लिए एक प्रोत्साहन पीएलआई) योजना की घोषणा की गई है। इस नई योजना के माध्यम से विदेशी कंपनियों को भारत में निवेश के लिए आकर्षित किया जाएगा, जिससे देश को नवोन्मेषण का वैश्विक केंद्र बनाने में मदद मिलेगी। पीएलआई योजना के बारे में बात करते हुए डेलायट इंडिया के एक भागीदार ने इसे एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसी नीति पर काम कर रही है जिसमें कर रियायतें कम हों और उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन योजनाएं हों, जो निवेश और रोजगार को बढ़ावा दें। हमें भारत को अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला के रूप में आगे बढ़ाने की जरूरत है और यदि ऐसी नीति हो सकती है जो इसे प्रोत्साहित करे, जैसे कि विदेशी कंपनियों को शामिल करने वाली पीएलआई योजना, तो यह देश के लिए बड़ा कदम होगा। वित्त वर्ष 2025-26 का बजट संसद में एक फरवरी को पेश किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नयी योजना में विदेशी कंपनियों को भारत आने के लिए प्रोत्साहित करने वाली नीतियाँ हो सकती हैं, जो देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा दें। भारत

एक सेवा आधारित अर्थव्यवस्था है और अगर इसे आगे बढ़ाया जाए, तो यह विदेशी मुद्रा अर्जित करने का एक महत्वपूर्ण स्रोत हो सकता है। सरकार की इस नई योजना से आर्थिक उत्थान को लेकर नए किरदार की उम्मीदें हैं और देश को नए दिशानिर्देश में ले जाने की उम्मीद है।

विदेशी निवेशकों ने जनवरी में अब तक भारतीय शेयर बाजार से 44,396 करोड़ निकाले

दिसंबर में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 15,446 करोड़ रुपये का निवेश किया था

नई दिल्ली । डॉलर मजबूत होने, अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल बढ़ने और कंपनियों के तिमाही नतीजे कमजोर रहने की आशंका से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने अब तक भारतीय शेयर बाजार से 44,396 करोड़ रुपये की निकासी की है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इससे पहले दिसंबर में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 15,446 करोड़ रुपये डाले थे। घरेलू और वैश्विक मोर्चे पर तमाम तरह की अड़चनों की वजह से विदेशी निवेशकों के रुख में बदलाव हुआ है। बाजार के एक विशेषज्ञ ने कहा कि भारतीय रुपये में लगातार गिरावट ने विदेशी निवेशकों पर काफी दबाव डाला है। यही वजह है कि वे भारतीय बाजार से अपना निवेश निकाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा हाल की गिरावट के बावजूद भारतीय शेयरों का ऊंचा मूल्यांकन, कमजोर तिमाही नतीजों की संभावना, आर्थिक वृद्धि की रफ्तार को लेकर अनिश्चितता निवेशकों को प्रभावित कर रही है।

आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने 17 जनवरी तक भारतीय शेयरों से 44,396 करोड़ रुपये निकाले हैं। दो जनवरी को छोड़कर इस महीने के सभी दिन एफपीआई बिकवाल रहे हैं। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के एक मुख्य निवेश रणनीतिकार ने कहा कि एफपीआई की लगातार बिकवाली की मुख्य वजह डॉलर की मजबूती और अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल का बढ़ना है। डॉलर सूचकांक 109 से ऊपर है और 10 साल के अमेरिकी बॉन्ड पर प्रतिफल 4.6 प्रतिशत से ज्यादा है। ऐसे में एफपीआई का उभरते बाजारों में बिकवाली करना तर्कसंगत है, खासकर सबसे महंगे उभरते बाजार भारत में।

हेल्थ इंश्योरेंस कितना जरूरी, जानिए इसकी महत्वपूर्णता

- अरबों रुपये के मालिक भी हेल्थ इंश्योरेंस का लाभ उठाते हैं

मुंबई । बॉलीवुड के प्रमुख अभिनेता सैफ अली खान पर हुए हाल हमले के बाद उनकी स्थिति अभी स्टेबिल है। हमले के बाद सैफ अली खान ने तत्काल इंश्योरेंस कवर की जरूरत महसूस की और इंश्योरेंस कंपनी से 36 लाख रुपये का दावा किया। हालांकि, कंपनी ने उन्हें केवल 25 लाख रुपये की मंजूरी दी है। सैफ अली खान की इस घटना से यह साफ हो जाता है कि हेल्थ इंश्योरेंस कितना आवश्यक है। अरबों रुपये के मालिक भी हेल्थ इंश्योरेंस का लाभ उठाते हैं तो आम लोग क्यों न करें? हेल्थ इंश्योरेंस एक सुरक्षा पुस्तिका है जो आपकी सेहत की आमदनी को सुनिश्चित करती है। अस्पताल में भर्ती होने पर बिल का बोझ बढ़ सकता है, लेकिन हेल्थ इंश्योरेंस इस बोझ से आपको मुक्ति दिलाता है। हेल्थ इंश्योरेंस किसतना कवर चाहिए, यह आपकी उम्र और परिवार के सदस्यों पर निर्भर करता है। फैमिली फ्लोटर प्लान जैसे योजनाएं परिवार के सभी सदस्यों का कवर करने में मदद कर सकती है। हेल्थ इंश्योरेंस की कई निजी और सरकारी कंपनियां हैं जो इस सुरक्षा का संदेश फैला रही हैं।

छह माह की चुनौतियों के बाद रिलायंस ने फिर पकड़ी वृद्धि की राह : ब्रोकरेज कंपनियां

- कंपनी ने दिसंबर तिमाही में उम्मीद से बेहतर नतीजे दिए

नई दिल्ली । देश की प्रमुख कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) छह महीने की चुनौतियों के बाद एक बार फिर वृद्धि के पथ पर लौट आई है। कंपनी ने दिसंबर तिमाही में उम्मीद से बेहतर नतीजे दिए हैं। एक ब्रोकरेज कंपनियों ने यह बात कही है। कच्चे तेल से लेकर दूरसंचार और खुदरा क्षेत्र में कार्यरत समूह ने अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में अपनी सबसे ऊंची 43,800 करोड़ रुपये की कर-पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) दर्ज की है। इन आंकड़ों से पता चलता है कि समूह ने विभिन्न कारोबार क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन किया है। मुख्य रूप से कंपनी ने तेल-से-रसायन (ओ2सी) क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है। इसके अलावा कंपनी के उपभोक्ता खुदरा कारोबार में भी सुधार हुआ है। कंपनी विनाइल, पॉलिएस्टर श्रृंखला और ईथेन आयात लॉजिस्टिक्स में निवेश के साथ घरेलू बाजार पर केंद्रित अपनी रसायन क्षमता का विस्तार करना चाहती है। एक रिसर्च कंपनी ने कहा कि उसे 2025 में समूह के कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए कई उत्प्रेरक दिख रहे हैं। इसमें खुदरा क्षेत्र में बदलाव, नई ऊर्जा की शुरुआत और डिजिटल कारोबार में नई गति शामिल है। इसने कहा कि हमारा मानना है कि तीसरी तिमाही का नतीजा उम्मीदों के अनुरूप रहा है। यह निकट अवधि में उम्मीद से थोड़ा कमतर नतीजों में आखिरी है। अब हमारा मानना है कि खुदरा क्षेत्र में बदलाव, नए ऊर्जा कारोबार की शुरुआत और डिजिटल कारोबार की रफ्तार समूह के लिए उत्प्रेरक साबित होंगे।

देश की पहली सोलर कार लॉन्च, सिर्फ 80 पैसे में 1 किमी दौड़ेगी

- कीमत 3.25 लाख रुपए

नई दिल्ली । भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में नए इनोवेशन की ओर बड़े कदम बढ़ रहे हैं। हाल ही में पुणे की बेस्ड इलेक्ट्रिक व्हीकल स्टार्ट-अप कंपनी वेव मोबिलिटी ने देश की पहली सोलर पावर्ड कार वायवे ईवा को लॉन्च किया है। यह कार केवल 3.25 लाख रुपए में उपलब्ध है और कंपनी का दावा है कि यह 250 किमी की ड्राइविंग रेंज के सिंगल चार्ज पर प्रदर्शन कर सकती है। वायवे ईवा का डिजाइन भी विशेष है, जिसमें सोलर पैनल को सनरूफ पर इस्तेमाल किया गया है। कार में अंदर कंफर्ट और एंटरटेनमेंट के लिए एसी, एपल कारप्ले, और एंड्रॉयड ऑटो कनेक्टिविटी सिस्टम भी शामिल हैं। इसकी टॉप स्पीड 70 प्रति किमी है और फुल चार्ज होने में सिर्फ 45 मिनट लगते हैं। पर्यावरण को देखते हुए सोलर पावरड व्हीकल्स का उपयोग करने में यह कदम बहुत महत्वपूर्ण है। भारत में सोलर कारों की एंट्री से मोटर व्यावसाय में गहरा तबदला देखने के अवसर हैं, जिससे न केवल इंडस्ट्री में विकास होगा बल्कि पर्यावरण की भी ध्यान में रखा जा सकेगा।

कंपनियों के तिमाही परिणाम, एफपीआई के रुख से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- कच्चे तेल के दाम, डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेगी

मुंबई ।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों, डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण करने के बाद की घोषणाओं और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियों के रुख से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। ट्रंप सोमवार को दूसरे कार्यकाल के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण करेंगे। सप्ताह के दौरान भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, डॉ रेड्डीज, अल्ट्राटेक सीमेंट, जेएसडब्ल्यू स्टील और आईसीआईसीआई बैंक सहित कई बड़ी कंपनियां अपने दिसंबर तिमाही के नतीजे घो षित करेंगी। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) के बीच का संघर्ष भी बाजार की जटिलता को और बढ़ा रहा है। बाजार के एक वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक ने कहा कि जैसे-जैसे तिमाही नतीजों का सीजन आगे बढ़ेगा, निवेशकों का ध्यान आगामी केंद्रीय बजट पर केंद्रित होने की उम्मीद है, जो साल के लिए सरकार के आर्थिक और राजकोषीय रुख की रूपरेखा तैयार करेगा। बाजार प्रतिभागी नीतिगत उपायों, राजकोषीय आवंटन और विकास पहल पर बारीकी से नजर रखेंगे। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर सभी की नजरें डोनाल्ड ट्रंप पर हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम, डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेगी। एक बाजार विशेषज्ञ कहते हैं कि तीसरी तिमाही के लिए नतीजों का सिलसिला जारी है। ऐसे में घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव रहेगा। कुछ शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। निवेशकों की नजरें कंपनियों के तिमाही नतीजों तथा प्रबंधन की टिप्पणियों पर रहेगी। उन्होंने कहा कि ट्रंप के राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के बाद नीतिगत घोषणाएं वैश्विक स्तर पर बाजार धारणा को काफी प्रभावित करेंगी। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि आगे हम उम्मीद करते हैं कि इस सप्ताह बाजार कई घरेलू और वैश्विक कारकों के कारण सतर्क रुख बनाए रखेगा।

सप्ताह के दौरान दिग्गज कंपनियों के तिमाही नतीजे आ रहे हैं, जिन पर सभी की निगाह रहेगी। इसके अलावा 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता संभालने के बाद व्यापार शुल्कों की घोषणा और उसके वैश्विक व्यापार पर असर को लेकर सभी की नजरें रहेंगी।

अगर आपको भी है गेमिंग ऐप की लत तो हो जाएं सावधान

धोखाधड़ी के मामलों में लगभग 7 लाख रुपये की राशि बरामद की गई

जम्मू । जम्मू के साइबर सेल डी.पी.ओ. ने ऑनलाइन और ऑफलाइन धोखाधड़ी और साइबर अपराध के मामलों के खिलाफ लड़ाई में नए कदम उठाए हैं। उनकी टीम ने लगातार काम करके आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किया है। इस समय साइबर सेल ने कई मामलों को सुलझाते हुए धोखाधड़ी से बरामद की गई राशि का आंकलन किया है। इन मामलों में लगभग 7 लाख रुपये की राशि बरामद की गई है। शिकायतकर्ताओं ने टेलीग्राम पर ट्रेडिंग और नकली गेमिंग एप के माध्यम से धोखाधड़ी के आरोप में शिकायत दर्ज की थी। साइबर सेल जम्मू के एक प्रतिनिधि ने बताया कि वे उन्हें किस तरह कर्मचारियों और तकनीकी उपकरणों के माध्यम से धोखाधड़ी के मामलों में सफलतापूर्वक इन्वेस्टिगेशन करने में मदद मिल रही है। जम्मू साइबर सेल ने धोखाधड़ी के खिलाफ लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभाई है और धोखाधड़ी और साइबर अपराध के मामलों में कार्रवाई कर रही है। जानकारी के अनुसार साइबर सैल ने एक बार फिर अलग-अलग साइबर अपराध शिकायतों में धोखेबाजों से 6,90,460 की राशि सफलतापूर्वक बरामद की है। उक्त राशि ऑनलाइन ट्रेडिंग और इनवैस्ट के बारे में अलग-अलग रणनीति अपनाकर लोगों को धोखा देकर इकट्ठी की गई थी। बता दें कि 2 शिकायतों में शिकायतकर्ताओं ने टेलीग्राम पर ट्रेडिंग में इनवेस्ट किया था और अन्य शिकायतों में शिकायतकर्ताओं ने एक नकली गेमिंग एप (एविएटर) के माध्यम से पैसे गंवाए थे।

इस सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे 5 नये आईपीओ

मेनबोर्ड आईपीओ 22 जनवरी से 24 जनवरी तक खुला रहेगा

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में इस सप्ताह 5 कंपनियों के आईपीओ खुलेंगे। इन 5 कंपनियों में 4 एसएमई सेगमेंट और 1 मेनबोर्ड आईपीओ शामिल है। मेनबोर्ड में इस हफ्ते डेंटा वाटर का आईपीओ खुल रहा है। यह मेनबोर्ड आईपीओ 22 जनवरी से 24 जनवरी तक खुला रहेगा। कंपनी ने 279 रुपए से 290 रुपए प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया है। इस आईपीओ के लिए 50 शेयरों का एक लॉट बनाया गया है। जिससे निवेशकों को कम से कम 14,700 रुपए का दांव लगाना होगा। बता दें कंपनी ग्रे मार्केट में 110 रुपए के जीएमपी पर ट्रेड कर रही है। कंपनी के आईपीओ का साइज 169.37 करोड़ रुपए का है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी 32.20 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। वहीं 32.20 लाख शेयर ऑफर फाल सेल के तहत जारी किए जाएंगे। कंपनी के आईपीओ का 20 जनवरी को खुल रहा है। आईपीओ पर निवेशकों के पास 22 जनवरी तक दांव लगाने का मौका रहेगा। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 250 रुपए से 263 रुपए तय किया गया है। ग्रे मार्केट में कंपनी 110 रुपए के प्रीमियम पर ट्रेड कर रही है। कंपनी का आईपीओ 22 जनवरी को खुल जाएगा। निवेशकों के पास 24 जनवरी तक दांव लगाने का मौका रहेगा। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 145 रुपए है। कंपनी ने 1000 शेयरों का लॉट बनाया है। जिससे निवेशकों को कम से कम 145000 रुपए का दांव लगाना होगा। आईपीओ 23 जनवरी को खुल जाएगा। निवेशक 27 जनवरी तक दांव लगा सकते हैं। कंपनी ने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 235 रुपए से 250 रुपए प्रति

शेयर तय किया है। वहीं लॉट साइज 600 शेयरों का है। निवेशकों को एक साल 1.50 लाख रुपए का निवेश करना होगा। यह एसएमई आईपीओ 24 जनवरी को खुलेगा। निवेशक 28 जनवरी तक आईपीओ पर दांव लगा पाएंगे। कंपनी ने अभी प्राइस बैंड की घोषणा नहीं की है। आईपीओ के जरिए 24.58 लाख शेयर जारी किए जा सकते हैं।

दावोस में दिखेगी भारत की विविधता में एकता की झलक

दावोस । विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की शुरुआती बैठक में भारत ने 'विविधता में एकता' का संदेश दिखाया। सोमवार से पांच दिन तक चलने वाली इस महामहिम सभा में भारत ने अपना सबसे बड़ा प्रतिनिधिमंडल भेजा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक नीतियों और डिजिटल इंडिया कार्यक्रम की सफलता को दुनिया के सबसे अमीर और ताकतवर नेताओं को दिखाने का भारत का मिशन है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में पांच केंद्रीय मंत्रियों के साथ तीन मुख्यमंत्री, करीब 100 सीईओ, सरकारी अधिकारी और कला-संस्कृति के क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का समावेश है। भारत के प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव करेंगे। बैठक में महाराष्ट्र ने 7 लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन (एमओयू) करने का लक्ष्य रखा है। तेलंगाना और अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी निवेश के अपने हिस्से की तलाश की है। इस महामहिम सभा के माध्यम से भारत अपनी मजबूत वृद्धि दर्ज करने का मिशन ले रहा है, जब दुनियाभर के अर्थशास्त्रियों के सर्वे अनुसार 2025 में वैश्विक आर्थिक स्थितियों के बारे में कमजोर होने की चिंता है। हालांकि, भारत ने अपने रफ्तार को बनाए रखने की पहल रखी है। इस संगठन के सभी दिग्गज नेता, उन्होंने अपने देशों की बढ़ती वृद्धि दर का हर एक मौका सही दिशा में ले जाने की जिम्मेदारी ली है।

नेहरू युवा केंद्र युवा आदान-प्रदान कार्जकरम कर करलक आयोजन

सीमावर्ती छेतर कर 100 से बेसी जुवामन भाग लेलयं

सोनू सपरवार

नई दिल्ली। नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) 15 से 19 जनवरी, 2025 तक नई दिल्ली कर राजघाट में गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति (जीएसडीएस) में सीमा छेतर युवा आदान-प्रदान कार्जकरम कर सफलतापूर्बक आयोजन करलक। ई कार्जकरम में गोटा भारत कर बिभिन्न सीमावर्ती छेतर कर जुवामन के एके संगे लानक गेलक। इकर माध्यम से उनकर से बातचीत करेक, सिछन आउर एकता, सांति आउर सांस्कृतिक आदान-प्रदान कर अनुभव के साझा करेक ले एगो मंच प्रदान करल गेलक।

पांच दिनक कार्जकरम कर मुध उद्देस रास्ट्रीय एकीकरन के बढ़ावा देवेक, जुवा नेतृत्व के बढ़ावा देवेक आउर भारत कर सीमावर्ती छेतर कर समृद्ध सांस्कृतिक बिबिधता कर बारे में जागरुकता पैदा करेक

रहे। इकर में जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार आउर उत्तराखंड कर 100 से बेसी जुवा प्रतिनिधिमन भाग लेलयं।

कार्जकरम में सांस्कृतिक गतिबिधि, कार्जसाला, चर्चा आउर दिल्ली कर महतपूर्न अस्थानमन कर जात्रा सामिल रहे। इकर में राजघाट स्मारक भी सामिल रहे, जहां महात्मा गांधी कर शांति आउर अहिंसा कर बिरासत उपरे परकास डालल गेलक। कार्जकरम कर सुरुआत मुध गोतिया एनटीआरआई कर बिसेस निदेसक डॉ. नूपुर तिवारी, साइबर सुरक्षा (गृह मंत्रालय) निदेसक डॉ. निशांत, राजघाट इस्थित गांधी दर्शन कर निदेसक डॉ. ज्वाला प्रसाद, एनवाईकेएस कर निदेसक (प्रभारी) श्री प्रकाश वैद्य, एनवाईकेएस दिल्ली कर राइज निदेसक डॉ. लाल सिंह करलयं।

कार्जकरम कर समापन एनवाईकेएस कर संजुक्त निदेसक कार्जकरम रुचित्र नारायण त्यागी आउर एनवाईकेएस दिल्ली कर राइज निदेसक डॉ. लाल सिंह द्वारा करल गेलक।

कार्जकरम कर मुध बिसेसता

सांस्कृतिक आदान-प्रदान : प्रतिभागीमन बिभिन्न संस्कृतिमन कर प्रति आपसी समझ आउर सम्मान के बढ़ावा देवेक ले आपन छेतरीय परंपरा, संगीत आउर नृत्य कर परदरसन करलयं।

कार्जसाला आउर सत्र : नेतृत्व विकास, नागरिक सहभागिता, सीमावर्ती छेतर में जुवा ससक्तिकरन ले रननीति उपरे जोर देवल गेलक।

रास्ट्रीय स्मारक कर भ्रमन : जुवामन भारत कर बिरासत कर बारे में जानेक ले राजघाट, कुतुब मीनार आउर रास्ट्रीय संग्रहालय जइसे परमुख ऐतिहासिक स्थलमन कर भ्रमन करलयं।

इंटरैक्टिव चर्चा : बिभिन्न छेतर कर बिसेसज्ञमन रास्ट्रीय सुरछा, सासन में जुवामन कर भागीदारी कर महत्व आउर सीमावर्ती छेतर में सतत बिकास उपरे सत्र कर नेतृत्व करलयं।

सीपीआई कर कार्जकर्ता मिलन सह भोज कार्जकरम आयोजित

रांची। सीपीआई द्वारा कांके डैम कर जगन कार्जकर्ता मिलन सह भोज कर कार्जकरम कर आयोजन 19 जनवरी के करल गेलक। इकर में मुध रूप से जिला सचिव अजय सिंह, एटक कर राज्य महासचिव अशोक यादव, ओम प्रकाश सिंह, बिनोद मिश्रा, ज्योति कुमार, गोरेलाल पासवान, ज्योतिष सिंह सतीश केशरी कर नेतृत्व में बड़ संख्या में मजदूरमन पार्टी कर सदस्यता ग्रहन करलयं। पार्टी कर जिला मंत्री लालपट्टा पिन्धाय के सउब मजदूरमन के पार्टी में सामिल करालयं।

सभा के संबोधित करते जिला सचिव अजय सिंह कहलयं कि देस में मजदूर आउर किसानमन कर एकता देस कर आम आवाम ले जरूरी हय। देस में कॉरपोरेट समर्थक सरकार काबिज हयं, जे मजदूरमन आउर किसानमन कर हक आउर अधिकार कर संगे खिलवाड़ करत हे। श्रम कानून में लगातार परिबर्तन कइर के मजदूरमन कर हक अधिकार के लूटेक कर काम करत हे।

कॉन्ट्रैक्ट में बहाली आउर मजदूरमन कर सोसन होवत हे। सेले मज़दूर आउर किसानमन के एकजुट होए के आपन हक कर लड़ाई लड़ेक होवी। अशोक यादव कहलयं कि मजदूरमन के आपन लड़ाई लड़ेक ले लाल झंडा के मजबूत करेक हय, तभे हमिन संवैधानिक मूल्य के बचाय पारब। मुध रूप से मजदूर नेता ज्योति कुमार पार्टी ज्वाइन करते कहलयं कि रोजी रोटी कर संघर्स के आगे बढ़ाबयं।

सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में होलक अन्नपूर्णा भंडारा सेवा

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग कर श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम में इस्थित सदगुरु कृपा अपना घर आश्रम (सत्य-प्रेम सभागार) में अन्नापूर्णा भंडारा कर आयोजन 19 जनवरी के करल गेलक। सुरेंद्र बडजात्या आउर किरण देवी बड़जात्या कर सानिध्य में उनकर भतीजा श्रेयांस बड़जात्या पुत्रवधु प्रियंका बडजात्या, नम्रता जालान कर द्वारा संचालित करल गेलक। अपना घर आश्रम मे मानसिक रूप से कमजोर आउर निराश्रित आउर दिव्यांग कर सेवा करल जायेला। हियां उनके आश्रय देवल जाय हे। भोजन, इलाज कर निःसुल्क बेबस्था करल जाए हे। एखन ई अपना घर में 32 गो जरूरतमंदमन कर सेवा करल जात हे। अपना घर आश्रम कर प्रवक्ता संजय सर्राफ बतालयं कि अन्नपूर्णा भंडारा में आश्रम कर उपाध्यछ राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, डुंगरमल अग्रवाल,निर्मल जालान, विजय अग्रवाल, सुरेश भगत, पूरणमल सर्राफ, सुरेश चौधरी, ओम प्रकाश सरावगी, शिव भगवान अग्रवाल, विशाल जालान, पवन पोद्दार, संतोष देवी अग्रवाल, संजय सर्राफ, श्रवण सिंघानिया आदि उपस्थित रहयं।

हातमा बस्ती में छउवामन कर बीच चित्रकला प्रतिजोगिता आयोजित

रांची। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन कर सृजन शाखा कांके रोड इस्थित हातमा बस्ती में छउवामन कर बीच चित्रकला प्रतिजोगिता करालक। छउवामन के गणतंत्र दिवस में ड्राइंग बनायेक रहे। छउवामन आपन मेहनत आउर क्रिएटिविटी से सुंदर-सुंदर ड्राइंग बनालयं।

ई प्रतिजोगिता में 40 गो छउवामनहिस्सा लेलयं। ऊमन से गणतंत्र दिवस से संबंधित सवाल भी पूछल गेलक। सही जबाब देवेक वाला के इनाम भी देल गेलक। छउवामन के ड्राइंग सीट कर संगे पेंसिल, रबड़, कटर, कलर, केक, समोसा आउर मिक्सर कर पैकेट देवल गेलक। ई कार्जकरम में नेहा सरावगी, प्रतिमा अग्रवाल, शिखा सुरेखा, शालू सिंघानिया, राशि सरावगी, अमिता केडिया, सोनम सरावगी संगे आउरोंमन पहुंचल रहयं।

संतुष्टि महली आउर उन्नति बघवार के करलयं सम्मानित

संतुष्टि महली

रांची। महली परिवार कर (विद्यार्थी) मंईयां मन जे कि हामरेकर झारखंड कर होनहार आन, बान आउर शान कर गौरव हैं। सुश्री संतुष्टि महली (करांटे) आउर सुश्री उन्नति बघवार (रायफल सूटिंग) कर लगन - मेहनइत आउर उत्कृष्ठ काम के देइख के अखिल भारतीय जनजाति महली कर्मचारी संघ बटसे महाकवि घासीराम जयन्ती कर सुभावसर में प्रशस्तिपत्र से सम्मानित करल गेलक। ई हामरे लगिन बहुत बड़ सउभाइग हय आउर ई भविष्य कर नावां पीढ़ी खातिर हिम्मत, जोश - जुनून, प्रेरणा,अनुकरणीय स्मरणीय रही । ई सम्मान गोटे झारखंड व भारत वर्ष कर सउब (महली मातृ शक्ति) आउर इसकूल कर शिक्षक, कोच, आयो - आबा , (महली) परिवार के गौरवान्वित करेला। आसरा हों करिला कि ई दुइयो मंईयां आपन मेहनत के आगे हों जारी राखबंय आउर आगे कर सीढ़ी चढ़ते हुए आपन लक्ष्य के हासिल करबंय।

बीएन कॉलेज कर मैदान में भाजपा चलालक सदस्यता अभियान

- जरूरतमंद अदमीमन कर बीच सांसद करलयं कंबल कर बितरन

पलामू। डालटनगंज नगर मंडल अंतर्गत बूथ संख्या -152,153,154 में बीएन कॉलेज मैदान में 'सदस्यता अभियान- सह-मन की बात' कार्जकरम कर आयोजन करल गेलक। हियां सउब प्रधानमंत्री कर मन कर बात कार्जकरम के सुनलयं। सैकड़ों अदमीमन पार्टी कर प्राथमिक सदस्यता भी ग्रहन करलयं।

कार्जकरम में मुध गोतिया पलामू सांसद विष्णु दयाल राम कहलयं कि भाजपा ही एगो अइसन पार्टी हय, जे हर 6 बछर में सदस्यता अभियान चलायला। सउबकर साथ सउबकर बिकास कर तर्ज में पार्टी काम करेला। सउब बर्ग समुदाय आउर जाति से ऊपर उइठ के गरीबमन कर उत्थान आउर मानवता वाला सोच पार्टी कर सोच कर केंद्र बिंदु हय।

श्री राम कहलयं कि सदस्यता अभियान गोटा देस में चलाल जात हे। बेसी से बेसी अदमीमन के जोइड़ के संगठन के मजबूत बनायेक हय। कार्जकर्ता हर मोहल्ला, हर गांव, हर घर में जाए के पार्टी कर कल्यानकारी जोजना कर जानकारी देवत हयं। सांसद कहलयं कि अदमीमन से बिकसित भारत बनाएक ले भाजपा से जुड़ेक कर अपील करलयं। मौका में कड़ाके कर ठंड के देखते गरीब, असहाय आउर जरुरतमंद अदमीमन कर बीच सांसद कर द्वारा 150 गो कंबल कर बितरन भी करल गेलक।

ई अवसर में भाजपा कर जिला अध्यछ अमित तिवारी, जिला प्रमंडलीय प्रभारी विकास प्रीतम, बरिसठ नेता प्रफुल्ल सिंह, जिला सांसद प्रतिनिधि विजय ओझा, जिला उपाध्यछ अभिमन्यु तिवारी, जिला महामंत्री विजय ठाकुर, बरिसठ नेता ईश्वरी पाण्डेय, शिव कुमार मिश्रा, सांसद कर निजी सचिव अलख दुबे, नगर मंडल अध्यछ श्रवण गुप्ता, अविनाश कुमार सिन्हा, मनोज दुबे, जय दुबे, भोला पाण्डेय, संजय कुमार, रिंकू रंजन कुमार पूर्व वार्ड पार्षद मनोरमा देवी, नन्दलाल प्रसाद, कौशल झा, अभिषेक चौरसिया संगे भारतीय जनता पार्टी कर कार्जकर्ता आउर जनता उपस्थित रहयं।

भारतीय नौसेना पोत मुंबई बहुराष्ट्रीय अभ्यास ला पेरोस में होवी सामिल

नई दिल्ली। स्वदेसी रूप से निर्मित आउर निरदेसित मिसाइल विध्वंसक आईएनएस मुंबई बहुराष्ट्रीय अभ्यास ला पेरोस कर चौथा संस्करन में भागीदारी करत हे। ई संस्करन में ऑस्ट्रेलिया कर रॉयल नौसेना, फ्रांसीसी नौसेना, रॉयल नौसेना, संयुक्त राज्य अमरीका कर नौसेना, इंडोनेशिया कर नौसेना, मलेशिया कर रॉयल नौसेना, सिंगापुर कर नौसेना आउर कनाडा कर रॉयल नौसेना संगे बिभिन्न समुद्री भागीदार कर कर्मी/सतह आउर उप-सतह परिसंपत्तिमन कर भागीदारी कर साक्ष्य बनबयं।

ई अभ्यास कर उद्देस समुद्री निगरानी, समुद्री अवरोधन संचालन आउर हवाई संचालन कर छेतर में सहजोग के बढ़ाते प्रगतिसील परसिछन आउर सूचना साझाकरन कर संचालन कर माध्यम से साझा समुद्री परिस्थिति जागरुकता के बिकसित करेक हय। ई अभ्यास समान बिचारधारा वाला नौसेनामन के बेहतर सामरिक अंतर-संचालन ले जोजना, समन्वय आउर सूचना साझाकरन में घनिसठ संबंध बिकसित करेक कर अवसर परदान करेला। ई अभ्यास में सतह जुद्ध, वायु-बिरोधी जुद्ध, वायु-रछा, क्रॉस डेक लैंडिंग आउर सामरिक जुद्धाभ्यास संगे जटिल आउर उन्नत बहु-आयामी अभ्यास कर संगे-संगे वीबीएसएस (विजिट, बोर्ड, सर्च एंड सीजर) संचालन जइसन कांस्टेबुलरी मिसन सामिल होवी।

ई अभ्यास में भारतीय नौसेना कर भागीदारी समान बिचारधारा वाला नौसेना कर बीच उच्च अस्तर कर सामंजस्यक, समन्वय आउर अंतर-संचालनसीलता आउर समुद्री छेतर में नियम-आधारित अंतर्रास्ट्रीय बेबस्था कर प्रति उनकर प्रतिबद्धता के दरसायला।

ई जात्रा भारत कर सागर (छेतर में सउब ले सुरछा आउर बिकास) दृष्टिकोन कर अनुरूप हय, जेकर उद्देस सुरछित आउर संरछित हिंद-प्रशांत छेतर ले समुद्री सहजोग आउर सहभागिता के बढ़ायेक हय।

राग - अधरतिया

झारखंड कर रीति रिवाज

संदीप नाग

नदी नाला बन पहार, धरती जब करेला सींगार ।
चइत नावा साल,चाइरो ओर दिसे हरियर ।
झारखण्डे रिझे रंगे मानाएना,परब गाँवे घरे घर ।
पलास सरइ फुले, प्रकृति सरहूल तेवहार ।
होली फागुने , रामनवमी शुभ अवसर ।
असार दुतीया रथ चलाएना ।
उत्सव रक्षा बंधन कर ।
तीज करम जीतीया, मंदार टांगे रिझवार ।
उपासीन मिली, सेवा करयं राइत सगर ।
झोंका झोंकी गीत गावी नाचएना ।
मन मोही देखेक सुंदर ।
ईंध जातरा मंडा,दसहरा दीवाली मनोहर ।
आवे देउठान टुसु, बेटा बेटीक देखयं डहर ।
धइन धइन झारखंड माटी पावन ।
संदीप गावे हाथ जोइर ।

मुद्रक व प्रकाशक **नीलम सिंह** द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेश प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक** : कृशन गोपालका, **सलाहकार संपादक** : रतन लाल अग्रवाल। **फोन नंबर** : 8210640230, 9934166306, **ईमेल आइडी** : jharkhandwanitaudyog@gmail.com